



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-01102026-276696
CG-DL-E-01102026-276696

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 277]

नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 25, 2026/आश्विन 3, 1948

No. 277]

NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 25, 2026/ASVINA 3, 1948

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(व्यापार उपाचार महानिदेशालय)

अंतिम निष्कर्ष

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 2026

केस नंबर: एडी (ओआई) 27/2025

विषय: चीन पीआर और यूरोपीय संघ से उत्पन्न या निर्यात किए जाने वाले "4-एमिनोडाइफेनिलएमीन (4- एडीपीए)" के आयात से संबंधित एंटी-डंपिंग जांच।

केस नंबर. 6/30/2025- डीजीटीआर. — सीमा शुल्क अधिनियम, 1975, जैसा समय-समय पर संशोधित किया गया हो (जिसे आगे "अधिनियम" कहा जाएगा) तथा सीमा शुल्क (डंप किए गए उत्पादों पर एंटी-डंपिंग शुल्क की पहचान, मूल्यांकन और संग्रह तथा चोट के निर्धारण के लिए) नियम, 1995, जैसा समय-समय पर संशोधित किया गया हो (जिसे आगे "एंटी-डंपिंग नियम" या "नियम" कहा जाएगा) को ध्यान में रखते हुए,

क. मामले की पृष्ठभूमि

1. मेसर्स एनओसीआईएल लिमिटेड (जिसे आगे "आवेदक" कहा जाएगा) ने सीमा शुल्क अधिनियम, 1975 तथा एंटी-डंपिंग नियमों के अनुसार, चीन जनवादी गणराज्य ("चीन पीआर ") और यूरोपीय संघ (जिन्हें आगे "विषय देश" कहा जाएगा) से '4-एमिनोडाइफेनिलएमीन' (जिसे आगे "विचाराधीन उत्पाद" या "विषय वस्तु" या "4- एडीपीए " कहा जाएगा) के आयात से संबंधित एंटी-डंपिंग जांच शुरू करने के लिए, नामित प्राधिकरण (जिसे आगे "प्राधिकरण" भी कहा जाएगा) के समक्ष एक आवेदन दायर किया।
2. और जबकि, आवेदक द्वारा दायर विधिवत पुष्ट आवेदन के आलोक में, प्राधिकरण ने अधिसूचना एफ. सं. 6/30/2025-डीजीटीआर, दिनांक 29 सितंबर, 2025 का सार्वजनिक नोटिस जारी किया, जो भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुआ, जिसमें चीन पीआर और यूरोपीय संघ से विचाराधीन उत्पाद के आयात में एंटी-डंपिंग जांच शुरू की गई, एंटी-डंपिंग नियमों के नियम 5 के अनुसार, विचाराधीन उत्पाद के किसी भी कथित डंपिंग के अस्तित्व, डिग्री और प्रभाव का निर्धारण करने और एंटी-डंपिंग शुल्क की राशि की सिफारिश करने के लिए, जो यदि लगाया जाता है, तो घरेलू उद्योग को कथित चोट को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा।

ख. प्रक्रिया

3. जांच के संबंध में नीचे वर्णित प्रक्रिया का पालन किया गया है:

3.1 दीक्षा

- i. नियम 5(5) के अनुसार, प्राधिकरण ने जांच शुरू करने से पहले भारत में विषय देशों के दूतावास को वर्तमान एंटी-डंपिंग आवेदन की प्राप्ति के बारे में सूचित किया।
- ii. आवेदन की जांच पर, प्राधिकरण ने डंपिंग और परिणामी चोट का प्रथम दृष्टया साक्ष्य पाया। इसलिए, नियम 5 और 6 के अनुसार, अधिसूचना एफ. सं. 6/30/2025-डीजीटीआर दिनांक 29 सितंबर 2025 के माध्यम से, प्राधिकरण ने वर्तमान कार्यवाही शुरू की।
- iii. जांच की अवधि (पीओआई) 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 (12 महीने) मानी गई। चोट अवधि में 1 अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2022, 1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023, 1 अप्रैल 2023 से 31 मार्च 2024 और जांच की अवधि शामिल थी।
- iv. महानिदेशालय प्रणाली और डेटा प्रबंधन ("डीजी सिस्टम्स") से चोट अवधि के लिए विचाराधीन उत्पाद के लेन-देन-वार आयात डेटा का अनुरोध किया गया था। प्राधिकरण को डेटा प्राप्त हुआ और लेन-देन की उचित जांच के बाद आवश्यक विश्लेषण के लिए इस डेटा पर भरोसा किया है।

3.2 आवेदन के गैर-गोपनीय संस्करण का परिचालन

- v. नियम 6(2) के अनुसार, प्राधिकरण ने भारत में विषय देश के दूतावास, विषय देशों में विचाराधीन उत्पाद के ज्ञात उत्पादकों और निर्यातकों, भारत में विषय वस्तु के ज्ञात आयातकों और अन्य इच्छुक पार्टियों को, आवेदन में उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, शुरुआत अधिसूचना की एक प्रति साझा करके जांच की शुरुआत के बारे में सूचित किया।

- vi. नियम 6(3) के अनुसार, प्राधिकरण ने विषय देशों की सरकार को भारत में उनके दूतावास के माध्यम से, विषय आयात के ज्ञात निर्यातकों और अन्य इच्छुक पार्टियों को जिन्होंने लिखित में आवेदन की प्रति का अनुरोध किया था, आवेदन के गैर-गोपनीय संस्करण की एक प्रति उपलब्ध कराई।
- vii. प्राधिकरण ने भारत में विषय देशों के दूतावास के माध्यम से विषय देशों की सरकार को प्रश्नावली भेजी। विषय देश की सरकार से अनुरोध किया गया था कि वह शुरुआत अधिसूचना और प्रश्नावली को अपने देश में विचाराधीन उत्पाद के उत्पादकों को अग्रेषित करे और उन्हें निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रश्नावली का जवाब देने की सलाह दे।
- viii. प्राधिकरण ने नियमों के नियम 6(4) के अनुसार विषय वस्तु के ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को निर्यातक प्रश्नावली भेजी, जिसमें आवश्यक जानकारी मांगी गई।

क्र.सं.	संबंधित देश	इच्छुक पक्ष का नाम
1	चीन जनवादी गणराज्य	हेबेई केमाई न्यू मटेरियल टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड
2	चीन जनवादी गणराज्य	मेसर्स लान्क्सेस केमिकल (चीन) कंपनी लिमिटेड
3	यूरोपीय संघ	ईस्टमैन केमिकल स्विट्ज़रलैंड एलएलसी
4	यूरोपीय संघ	फ्लेक्सिस नीदरलैंड्स बी.वी.

- ix. प्राधिकरण ने भारत में विषय वस्तु के ज्ञात आयातकों/उपयोगकर्ताओं को नियमों के नियम 6(4) के अनुसार आयातक प्रश्नावली भेजी, जिसमें आवश्यक जानकारी मांगी गई।

क्र.सं.	इच्छुक पक्ष का नाम
1	फिनॉरकेम लिमिटेड
2	इंडियन एडिटिव्स लिमिटेड
3	लान्क्सेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड

3.3 विषय देशों के निर्यातकों और भारत से आयातकों/उपयोगकर्ताओं द्वारा भागीदारी

- x. निम्नलिखित उत्पादकों और निर्यातकों ने वर्तमान जांच में इच्छुक पार्टियों के रूप में पंजीकरण कराया है:

क्र.सं.	संबंधित देश	इच्छुक पक्ष का नाम
1	चीन	सेनिक्स कंपनी लिमिटेड (शानडोंग)
2	चीन	सेनिक्स कंपनी लिमिटेड (आनहुई)
3	चीन	सेनिक्स कंपनी लिमिटेड
4	चीन	लान्क्सेस केमिकल (चीन) कंपनी लिमिटेड
5	यूरोपीय संघ	फ्लेक्सिस नीदरलैंड्स बी.वी.

- xi. विषय जांच की शुरुआत के जवाब में, निम्नलिखित आयातकों/उपयोगकर्ताओं ने जांच में इच्छुक पार्टियों के रूप में पंजीकरण कराया है।

क्र.सं.	इच्छुक पक्ष का नाम
1	लान्क्सेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
2	फिनॉरकेम लिमिटेड

- xii. प्राधिकरण ने सार्वजनिक हित और व्यापक अर्थव्यवस्था पर शुल्क के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक आर्थिक हित प्रश्नावली (ईआईक्यू) जारी की। ईआईक्यू की एक प्रति विषय देशों के दूतावास, सभी ज्ञात निर्यातकों, आयातकों और उपयोगकर्ताओं और आवेदक को भेजी गई थी। निम्नलिखित इच्छुक पार्टियों ने प्रस्तुतियां दायर की हैं:

क्र.सं.	इच्छुक पक्ष का नाम
1	नोसील लिमिटेड
2	लान्क्सेस इंडिया प्राइवेट लिमि

- xiii. तय समय-सीमा के अंदर रजिस्टर करने वाले सभी इच्छुक पक्षों की सूची वेबसाइट पर अपलोड की गई थी। रजिस्टर करने वाले सभी इच्छुक पक्षों को निर्देश दिया गया था कि वे मौजूदा कार्यवाही में अपनी सभी सबमिशन (प्रस्तुतियों) का नॉन-कॉन्फिडेंशियल वर्शन (गैर-गोपनीय संस्करण) बाकी सभी इच्छुक पक्षों के साथ साझा करें।

3.4 आगे की प्रक्रियाएं

- xiv. नियम 6(6) के अनुसार, प्राधिकरण ने इच्छुक पार्टियों को 20 जनवरी 2026 को आयोजित सुनवाई में मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया। मौखिक सुनवाई में अपने विचार प्रस्तुत करने वाली पार्टियों को निर्देश दिया गया था कि वे मौखिक रूप से व्यक्त विचारों की लिखित प्रस्तुतियां दायर करें, इसके बाद प्रत्युत्तर प्रस्तुतियां दें। प्राधिकरण की स्वीकृत प्रथा के अनुसार, पार्टियों द्वारा प्रत्युत्तर प्रस्तुतियों के गैर-गोपनीय संस्करण परिचालित किए गए।
- xv. नियम 6(8) के अनुसार, जहां किसी इच्छुक पार्टी ने वर्तमान कार्यवाही के दौरान समय पर आवश्यक जानकारी तक पहुंच से इनकार कर दिया है या अन्यथा प्रदान नहीं किया है, या जांच में महत्वपूर्ण बाधा डाली है, प्राधिकरण ने ऐसी पार्टियों को गैर-सहयोगी माना है और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निष्कर्ष दर्ज किए हैं।
- xvi. नियम 7 के अनुसार, इच्छुक पार्टियों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदान की गई जानकारी की गोपनीयता की पर्याप्तता के संबंध में प्राधिकरण द्वारा जांच की गई। संतुष्ट होने पर, प्राधिकरण ने जहां भी उचित था, गोपनीयता दावों को स्वीकार किया है, और ऐसी जानकारी को गोपनीय माना

- है और अन्य इच्छुक पार्टियों को प्रकट नहीं किया है। जहां भी संभव था, गोपनीय आधार पर जानकारी प्रदान करने वाली पार्टियों को गोपनीय आधार पर दायर जानकारी का गैर-गोपनीय सारांश प्रदान करने का निर्देश दिया गया था।
- xvii. नियम 8 के अनुसार, प्राधिकरण ने वर्तमान कार्यवाही के लिए आवश्यक मानी जाने वाली सीमा तक आवेदक और अन्य इच्छुक पार्टियों द्वारा प्रदान किए गए डेटा का सत्यापन किया। प्राधिकरण ने वर्तमान मामले में अपने विश्लेषण में इच्छुक पार्टियों के सत्यापित डेटा पर विचार किया है।
- xviii. प्राधिकरण ने विचाराधीन उत्पाद के लिए गैर-चोटकारक मूल्य (एनआईपी) की गणना की, ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या डंपिंग मार्जिन से कम शुल्क आवेदक को होने वाली चोट को दूर करने के लिए पर्याप्त होंगे। एनआईपी की गणना भारत में घरेलू समान वस्तु के इष्टतम उत्पादन की लागत और उत्पादन और बिक्री की लागत के आधार पर की गई है, जो आवेदक द्वारा प्रदान की गई जानकारी पर आधारित है और आम तौर पर स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) को ध्यान में रखते हुए है।
- xix. प्राधिकरण ने कार्यवाही के दौरान इच्छुक पार्टियों द्वारा उठाए गए मुद्दों, प्रदान की गई जानकारी और की गई प्रस्तुतियों की जांच की, जहां तक वे साक्ष्य द्वारा समर्थित थीं और वर्तमान प्रयोजन के लिए प्रासंगिक मानी गई, अंतिम निष्कर्ष देने में।
- xx. विषय देशों से सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत जानकारी की जांच और सत्यापन भी आवश्यक मानी जाने वाली सीमा तक किया गया और वर्तमान अंतिम निष्कर्षों के प्रयोजन के लिए उसी पर भरोसा किया गया है।
- xxi. जांच के ज़रूरी तथ्यों वाला एक डिस्कलोज़र स्टेटमेंट (जिसके आधार पर अंतिम निष्कर्ष निकाले गए हैं) 9 सितंबर 2026 को संबंधित पक्षों को जारी किया गया था और उनसे इस स्टेटमेंट पर अपनी राय देने को कहा गया था। संबंधित पक्षों द्वारा दी गई जानकारी, उठाए गए तर्क और डिस्कलोज़र स्टेटमेंट पर उनसे मिली राय पर इस अंतिम निष्कर्ष की सूचना में विचार किया गया है—बशर्ते वे प्रासंगिक हों, दोहराव वाले न हों और सबूतों के साथ हों।
- xxii. ‘***’ उस जानकारी को दर्शाता है जो किसी पक्ष द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई है और जिसे नियमों के तहत अथॉरिटी द्वारा गोपनीय माना गया है।
- xxiii. प्राधिकरण द्वारा वर्तमान जांच के लिए अपनाई गई विनिमय दर 1 अमेरिकी डॉलर = ₹85.43 है, जो जांच अवधि के दौरान आयातित वस्तुओं के मूल्य के रूपांतरण हेतु सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 14 के अंतर्गत केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड द्वारा अधिसूचित तथा प्रभावी विनिमय दरों का औसत है। इस अंतिम निष्कर्ष में पूरी अवधि के दौरान यही दर लागू की गई है। स्रोत: <https://foservices.icegate.gov.in/#/services/viewExchangeRate>

ग. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

ग.1 अन्य इच्छुक पार्टियों द्वारा प्रस्तुतियां

4. अन्य इच्छुक पक्षों ने विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के संबंध में निम्नलिखित बातें कही हैं।

- i. आवेदन और शुरुआत अधिसूचना में परिभाषित विचाराधीन उत्पाद "4-एमिनोडाइफेनिलएमीन" तक सीमित है, जिसे "4-एडीपीए" या "4-एन-फेनिलबेंजीन-1,4-डायमीन" के रूप में भी जाना जाता है।
- ii. जबकि शुरुआत अधिसूचना के पैरा 7 में उल्लेख किया गया है कि घरेलू उद्योग ने कैप्टिव रूप से हस्तांतरित 4-एडीपीए को अलग से "रिपोर्ट" किया है, यह न तो बताता है कि ऐसी कैप्टिव रूप से हस्तांतरित वस्तुएं एडिटिक्स युक्त 4-एडीपीए हैं, और न ही यह बताता है कि एडिटिक्स युक्त 4-एडीपीए वर्तमान जांच के दायरे में शामिल हैं।
- iii. एडिटिक्स युक्त 4-एडीपीए आवेदन तथा शुरुआत अधिसूचना में परिभाषित उत्पाद दायरे से परे हैं।

ग.2 आवेदक द्वारा प्रस्तुति

5. आवेदक ने विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के संबंध में निम्नलिखित बातें कही हैं:

- i. विचाराधीन उत्पाद '4-एमिनोडाइफेनिलामाइन' (है, जिसे '4- एडीपीए' के नाम से भी जाना जाता है)।
- ii. आवेदक द्वारा उत्पादित समान वस्तु और आयातित उत्पाद के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है।
- iii. इस प्रस्तुतीकरण के संबंध में कि एडिटिक्स युक्त 4- एडीपीए विचाराधीन उत्पाद का हिस्सा नहीं है, यह प्रस्तुत किया गया है कि एडिटिक्स युक्त 4- एडीपीए भी मूलतः 4-एडीपीए ही है। आवेदन में उपलब्ध कराई गई जानकारी में एडिटिक्स युक्त तथा बिना एडिटिक्स वाले, दोनों प्रकार के 4- एडीपीए को शामिल किया गया है।
- iv. यदि एडिटिक्स युक्त 4- एडीपीए को विचाराधीन उत्पाद से बाहर रखा जाता है, तो एंटी-डॉपिंग शुल्क लगाना निष्प्रभावी हो जाएगा, क्योंकि उपभोक्ता अपनी आवश्यकताओं की पूरी मात्रा को एडिटिक्स युक्त 4- एडीपीए की ओर स्थानांतरित कर देंगे।
- v. आवेदक के अनुमानों के अनुसार, लगभग 99% 4- एडीपीए का उपयोग एन-(1,3-डाइमिथाइलब्यूटिल)- एन'-फेनिल-p-फेनिलीनडायमाइन (जिसे '6पीपीडी' या पीएक्स -13' के नाम से भी जाना जाता है) के उत्पादन में किया जाता है, जबकि लगभग 1% का उपयोग एन-आइसोप्रोपाइल-N'-फेनिल-1,4-फेनिलीनडायमाइन (जिसे 'आईपीपीडी' के नाम से भी जाना जाता है) के उत्पादन में किया जाता है।

ग.3 प्राधिकरण द्वारा जांच

6. शुरुआत के चरण में, विचाराधीन उत्पाद को निम्नानुसार परिभाषित किया गया था:

"4. वर्तमान आवेदन में विचाराधीन उत्पाद (पीयूसी) "4-एमिनोडाइफेनिलएमीन" है, जिसे "4-एडीपीए" या "4-एन-फेनिलबेंजीन-1,4-डाइएमीन" के नाम से भी जाना जाता है।

5. 4-एडीपीए एक रबर रसायन मध्यवर्ती है, जो 'रबर रसायनों' के दायरे में आता है। इसका उपयोग मुख्य रूप से पीएक्स-13 (एन-(1,3-डाइमिथाइलब्यूटाइल)-एन'-फेनिल-पी-फेनिलीनडाइएमीन),

जिसे 6पीपीडी के नाम से भी जाना जाता है, के उत्पादन में किया जाता है, और कुछ हद तक आईपीपीडी के उत्पादन में भी किया जाता है।

6. विचाराधीन उत्पाद के लिए निर्धारित मापन इकाई भार है, जिसे मीट्रिक टन (एमटी) में व्यक्त किया जाता है। आवेदन में सभी जानकारी एमटी में प्रस्तुत की गई है।

7. आवेदक ने प्रस्तुत किया है कि व्यापारिक बिक्री के लिए उत्पादित और बेचे जाने वाले 4-एडीपीए तथा पीएक्स-13 उत्पादन के लिए आंतरिक रूप से अंतरित (कैप्टिवली ट्रांसफर) किए जाने वाले 4-एडीपीए को अलग-अलग रिपोर्ट किया गया है। हालाँकि, वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए इसे एकल उत्पाद के रूप में माना गया है।

8. जांचाधीन उत्पाद सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की प्रथम अनुसूची के सीमा शुल्क टैरिफ शीर्षक 2921 44 10 और 2921 51 90 के अंतर्गत आयात किया जा रहा है। हालाँकि, यह संभव है कि विषय वस्तु अन्य शीर्षकों के अंतर्गत भी आयात की जा सके, और इसलिए, सीमा शुल्क टैरिफ शीर्षक केवल सांकेतिक है और उत्पाद के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।"

7. 4-एमिनोडाइफेनिलएमीन का कैस रजिस्ट्री सं. 101-54-2 है, इसका आणविक सूत्र $\text{C}_{12}\text{H}_{12}\text{N}_2$ है और इसका मोलर द्रव्यमान लगभग 184.24 ग्राम/मोल है, तथा इसके वाणिज्यिक रूप में यह एक गहरा बैंगनी से बैंगनी-काला ठोस पदार्थ है जो लगभग 75°C पर पिघलता है। इसका वाणिज्यिक उत्पादन एनिलीन के नाइट्रोबेंजीन के साथ संघनन (कंडेन्सेशन) द्वारा किया जाता है, जिसके बाद इस प्रकार बने 4-नाइट्रोडाइफेनिलएमीन का हाइड्रोजनीकरण किया जाता है। यह एक मध्यवर्ती पदार्थ है और इसका उपयोग किसी भी अंतिम अनुप्रयोग में इसी रूप में नहीं किया जाता है। आवेदक के अनुमान के अनुसार, उपभोग किए जाने वाले 4-एडीपीए का लगभग 99% पीएक्स-13 (6पीपीडी) के निर्माण में और लगभग 1% आईपीपीडी के निर्माण में उपयोग किया जाता है। विचाराधीन उत्पाद के अंतिम उपयोगों के संबंध में हितधारकों की प्रस्तुतियों की जांच अंतिम निष्कर्षों में की जाएगी।"

8. आरंभ अधिसूचना के पैरा 9 के अनुसार, हितधारकों से विचाराधीन उत्पाद के दायरे पर अपनी टिप्पणियाँ प्रस्तुत करने तथा प्राधिकारी के समक्ष दायर दस्तावेजों की गैर-गोपनीय प्रति के वितरण से 15 दिनों के भीतर, यदि कोई हों, तो उत्पाद नियंत्रण संख्याएँ (पीसीएन) प्रस्तावित करने का अनुरोध किया गया था। आवेदन की गैर-गोपनीय प्रति सभी हितधारकों को पत्र/ई-मेल दिनांक 06.10.2025 के माध्यम से सूचित की गई थी, और इस प्रकार प्रदान की गई अवधि 21.10.2025 को समाप्त हो गई थी। उस अवधि के भीतर प्राप्त एकमात्र टिप्पणियाँ घरेलू उद्योग की थीं, जो पीसीएन पद्धति तक सीमित थीं; किसी भी हितधारक ने उत्पाद के किसी भी प्रकार, ग्रेड या रूप को बाहर करने, या विचाराधीन उत्पाद के दायरे में किसी अन्य संशोधन का अनुरोध नहीं किया।"

9. पीसीएन पद्धति के संबंध में, घरेलू उद्योग ने प्रस्तुत किया कि वह 4-एडीपीए का आगे प्रसंस्करण करता है, जिसमें कच्चे माल का उपयोग और रूपांतरण लागत शामिल होती है, इससे पहले कि वह उत्पाद को पीएक्स-13 के उत्पादन के लिए अपने अन्य संयंत्र में अंतरित करे, जबकि विषय देशों से आयातित उत्पाद बिना ऐसे

प्रसंस्करण के आयात किया जाता है। तदनुसार, उसने अनुरोध किया कि प्रसंस्कृत और अप्रसंस्कृत रूपों को अलग-अलग पीसीएन के रूप में माना जाए।"

10. प्राधिकारी ने, संचार सं. एफ. सं. 6/30/2025-डीजीटीआर दिनांक 24.10.2025 के माध्यम से, जो सभी हितधारकों को संबोधित था, दर्ज किया कि घरेलू उद्योग के अतिरिक्त, पीसीएन के निर्माण के लिए कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुए थे; कि पीयूसी/पीसीएन पर प्राप्त टिप्पणियों की जांच के बाद, प्राधिकारी आरंभ अधिसूचना में अधिसूचित विचाराधीन उत्पाद के समान दायरे को बिना किसी परिवर्तन के अपनाता है; और कि इस मामले में कोई पीसीएन नहीं अपनाए गए हैं। संचार में आगे दर्ज किया गया कि यह विचाराधीन उत्पाद के दायरे को स्पष्ट करने तक सीमित था, कि यह हितधारकों को किसी विशेष उत्पाद के बहिष्करण के अनुरोध को प्रमाणित करने के लिए प्रासंगिक जानकारी और साक्ष्य प्रदान करने से नहीं रोकता है, और यह कि प्राधिकारी जांच के दौरान सभी हितधारकों द्वारा प्रदान की गई जानकारी और साक्ष्य पर विचार करने के बाद किसी भी सिफारिश किए गए उपाय के लिए विचाराधीन उत्पाद के दायरे का निर्णय करेगा।"
11. पीसीएन को अपनाने के संबंध में, प्राधिकारी नोट करता है कि जांच अवधि के दौरान विषय आयात 4-एडीपीए के अप्रसंस्कृत रूप में थे, अर्थात् बिना किसी योज्य (एडिटिव) के, जैसा कि महानिदेशालय (सिस्टम्स) से प्राप्त लेन-देन-वार आयात डेटा से प्रमाणित होता है, जिसे विचाराधीन उत्पाद के अतिरिक्त अन्य वस्तुओं को बाहर करने के लिए जांचा और फ़िल्टर किया गया, तथा भाग लेने वाले उत्पादकों और निर्यातकों द्वारा दायर प्रश्नावली के उत्तरों से भी। किसी भी हितधारक ने इसके विपरीत दावा नहीं किया है। चूंकि आयातित रूप में विचाराधीन उत्पाद समरूप (होमोजीनियस) है, प्राधिकारी ने वर्तमान जांच में उत्पाद नियंत्रण संख्याएँ (पीसीएन) अपनाना आवश्यक नहीं समझा।"
12. ऊपर दर्ज पक्षों की प्रस्तुतियाँ दो भिन्न प्रश्न उठाती हैं, अर्थात्, (क) क्या योज्य (एडिटिव) युक्त 4-एडीपीए को विचाराधीन उत्पाद के दायरे में शामिल करना, आरंभ के समय अधिसूचित विवरण से परे उस दायरे का अनुमेय (इम्परमिसिबल) विस्तार माना जाता है; और (ख) क्या योज्य मिलाने के बाद घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित रूप और बिना योज्य वाला रूप, विचाराधीन उत्पाद के संबंध में एक ही समान लेख (लाइक आर्टिकल) का गठन करते हैं। दोनों प्रश्नों की जांच नीचे अलग-अलग की गई है।"
13. पहले प्रश्न के संबंध में, विचाराधीन उत्पाद का दायरा आरंभ के चरण में ही निर्धारित (क्रिस्टलाइज़) हो जाता है। नियमों का नियम 5 आवश्यक करता है कि जांच केवल एक विधिवत् प्रमाणित लिखित आवेदन पर ही आरंभ की जाए, जिसमें कथित रूप से डंप किए जाने वाले लेख की पहचान की गई हो, और नियमों का नियम 6(1) आवश्यक करता है कि आरंभ की सार्वजनिक सूचना में, अन्य बातों के साथ-साथ, संबंधित लेख के विवरण के संबंध में पर्याप्त जानकारी हो — जो सामान्य समझौता शुल्क एवं व्यापार 1994 के अनुच्छेद VI के कार्यान्वयन पर समझौते ("एंटी-डंपिंग समझौता") के अनुच्छेद 5.2, 6.1, 6.2 और 12.1.1 के अनुरूप हो। यह आरंभ के समय अधिसूचित विवरण पर ही निर्भर करता है कि उत्पादक, निर्यातक, आयातक और उपयोगकर्ता यह निर्णय लेते हैं कि जांच में भाग लेना है या नहीं और कौन-सी जानकारी दाखिल करनी है।

इसलिए प्राधिकारी अधिसूचित दायरे को स्पष्ट कर सकता है, या साक्ष्य के आधार पर किसी विशेष उत्पाद प्रकार को बाहर करके उसे संकुचित कर सकता है, लेकिन आरंभ के समय अधिसूचित विवरण से परे उसका विस्तार नहीं कर सकता, क्योंकि ऐसा विस्तार हितधारकों को नियमों और एंटी-डंपिंग समझौते द्वारा परिकल्पित सूचना और अवसर से वंचित कर देगा।"

14. साथ ही, न तो एंटी-डंपिंग समझौता और न ही नियम यह निर्धारित करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद को किस प्रकार चित्रित (डिलिनेट) किया जाना है, या यह आवश्यक करते हैं कि वह आंतरिक रूप से समरूप (होमोजीनियस) हो। एंटी-डंपिंग समझौते का अनुच्छेद 2.6 "समान उत्पाद" को विचाराधीन उत्पाद के संदर्भ में परिभाषित करता है, लेकिन स्वयं विचाराधीन उत्पाद के चित्रण को नियंत्रित नहीं करता है। यूरोपीय समुदाय — नॉर्वे से पालित सैल्मन पर एंटी-डंपिंग उपाय (डब्ल्यूटी/डीएस337/आर) में पैनल ने पैरा 7.48 में टिप्पणी की कि "अनुच्छेद 2.1 के पाठ में इस बारे में कोई भी मार्गदर्शन नहीं है कि उस उत्पाद के मापदंड क्या होने चाहिए", और पैरा 7.68 में अभिनिर्धारित किया कि अनुच्छेद 2.1 और 2.6 किसी जांच प्राधिकारी से यह आवश्यक नहीं करते कि वह विचाराधीन उत्पाद को इस प्रकार परिभाषित करे कि उसमें केवल ऐसे उत्पाद शामिल हों जो एक-दूसरे के "समान" हों। इसलिए एक ही विचाराधीन उत्पाद में उसी लेख के एक से अधिक रूप शामिल हो सकते हैं, और निर्णायक प्रश्न यह है कि विवादित रूप आरंभ के समय अधिसूचित विवरण को पूरा करता है या नहीं।"
15. उस परीक्षण को लागू करने पर, यह घरेलू उद्योग का ही रिकॉर्ड पर कथन है, जो पीसीएन पद्धति के संदर्भ में दिया गया था, कि आंतरिक अंतरण से पहले किया जाने वाला आगे का प्रसंस्करण एक योज्य (एडिटिव) मिलाने और एक रूपांतरण लागत वहन करने में शामिल है। ऐसा मिलाना उत्पाद की रासायनिक पहचान, संरचना या मूल स्वरूप को परिवर्तित नहीं करता है, जो 4-एमिनोडाइफेनिलएमीन ही रहता है, और उत्पाद समान अंतिम उपयोग की पूर्ति करता है। किसी भी हितधारक ने रिकॉर्ड पर कोई तकनीकी या वाणिज्यिक साक्ष्य नहीं रखा है जो यह दर्शाता हो कि योज्य युक्त 4-एडीपीए को एक भिन्न वाणिज्यिक लेख के रूप में खरीदा, बेचा या अन्यथा व्यवहार किया जाता है, या कि उसमें 4-एडीपीए से भिन्न विशेषताएँ या उपयोग हैं। प्राधिकारी स्पष्ट करता है कि यह निर्धारण उत्पाद के विवरण पर आधारित है, न कि उसके सीमा शुल्क वर्गीकरण पर, सीमा शुल्क टैरिफ शीर्षक केवल सांकेतिक होने के कारण। प्राधिकारी तदनुसार अभिनिर्धारित करता है कि 4-एडीपीए, चाहे उसमें ऐसे योज्य हों या न हों जो 4-एडीपीए के रूप में उसके मूल स्वरूप को परिवर्तित नहीं करते, आरंभ के समय अधिसूचित विचाराधीन उत्पाद के विवरण को पूरा करता है, और उसका शामिल किया जाना मूल रूप से अधिसूचित दायरे का स्पष्टीकरण है, न कि उसका विस्तार।"
16. इसके अलावा, हितधारकों को आरंभ के चरण में ही सूचित कर दिया गया था कि आंतरिक रूप से अंतरित (कैप्टिवली ट्रांसफर) किया जाने वाला 4-एडीपीए विचाराधीन उत्पाद का हिस्सा है। आरंभ अधिसूचना का पैरा 7 इस आशय से दर्ज करता है कि, हालाँकि आवेदक द्वारा व्यापारिक और आंतरिक रूप से अंतरित मात्राएँ अलग-अलग रिपोर्ट की गई थीं, "वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए इसे एकल उत्पाद के रूप में माना

गया है"। इस प्रकार अधिसूचित दायरा केवल व्यापारिक रूप तक सीमित नहीं था। डंपिंग और चोट के निर्धारण वास्तव में आयातित उत्पाद और उससे संबंधित घरेलू समान लेख के आधार पर किए गए हैं, और ऊपर दर्ज स्पष्टीकरण से कोई भी उत्पादक, निर्यातक या आयातक प्रतिकूल रूप से प्रभावित नहीं होता है। आरंभ अधिसूचना के पैरा 9 के तहत निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद और बिना समर्थक साक्ष्य के यह आपत्ति उठाई गई थी, फिर भी प्राधिकारी ने दिनांक 24.10.2025 के संचार द्वारा सुरक्षित स्वतंत्रता के अनुसार इसकी योग्यता के आधार पर जांच की है।"

17. दूसरे प्रश्न के संबंध में, घरेलू उद्योग एक ही लेख का निर्माण करता है, अर्थात् 4-एडीपीए, जिसका एक भाग बिना योज्य के व्यापारिक बाजार में बेचा जाता है और एक भाग योज्य मिलाने के बाद पीएक्स-13 के उत्पादन के लिए आंतरिक रूप से अंतरित किया जाता है। ऊपर पैरा 15 में दर्ज कारणों से, वह आगे का प्रसंस्करण किसी भिन्न लेख का अस्तित्व नहीं लाता है। प्राधिकारी तदनुसार अभिनिर्धारित करता है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित 4-एडीपीए, चाहे उसमें योज्य हों या न हों और चाहे वह व्यापारिक बाजार में बेचा जाए या आंतरिक रूप से अंतरित किया जाए, नियमों के नियम 2(d) के अर्थ के भीतर विचाराधीन उत्पाद के संबंध में एक ही समान लेख (लाइक आर्टिकल) का गठन करता है, और वर्तमान जांच के प्रयोजनों के लिए एक एकल घरेलू समान लेख बनाता है। तदनुसार, व्यापारिक और आंतरिक मात्राएँ मिलकर समान लेख के उत्पादन और बिक्री का गठन करती हैं, और घरेलू उद्योग के मात्रा मापदंड — उत्पादन, क्षमता उपयोग, मांग और बाजार हिस्सेदारी — की जांच इस अंतिम निष्कर्ष में उसी आधार पर की गई है। मूल्य और लाभप्रदता मापदंड — शुद्ध बिक्री प्राप्ति, बिक्री लागत, लाभ, विनियोजित पूंजी पर प्रतिफल और विषय आयातों का मूल्य प्रभाव — की जांच घरेलू उद्योग की व्यापारिक बिक्री के संदर्भ में की गई है, क्योंकि आंतरिक अंतरण बाजार मूल्यों पर बिक्री नहीं हैं और विषय आयातों के भूमि मूल्य के साथ तुलना करने योग्य शुद्ध बिक्री प्राप्ति नहीं देते हैं। घरेलू उद्योग की आंतरिक खपत में गिरावट के प्रभाव पर नीचे गैर-आरोपण विश्लेषण (नॉन-एट्रिब्यूशन एनालिसिस) में अलग से विचार किया गया है।"
18. घरेलू उद्योग का पृथक उत्पाद नियंत्रण संख्याओं (पीसीएन) के लिए अनुरोध प्रसंस्कृत और अप्रसंस्कृत रूपों के बीच लागत में अंतर पर आधारित था। प्राधिकारी नोट करता है कि विषय आयात अप्रसंस्कृत रूप में हैं, और मूल्य-प्रभाव तुलना के लिए अपनाई गई घरेलू उद्योग की शुद्ध बिक्री प्राप्ति और बिक्री लागत उसकी व्यापारिक बिक्री की है, जो समान रूप से अप्रसंस्कृत रूप की है; इसलिए तुलना उत्पाद के उसी रूप और व्यापार के उसी स्तर के संबंध में की गई है। गैर-हानिकारक मूल्य (नॉन-इंज्यूरियस प्राइस) का निर्धारण करते समय, योज्य की लागत और आंतरिक अंतरण से पहले किए गए आगे के प्रसंस्करण की रूपांतरण लागत को ध्यान में नहीं रखा गया है। गैर-हानिकारक मूल्य के निर्धारण की पद्धति नीचे दी गई है।"
19. प्राधिकरण ने घरेलू उद्योग की इस प्रस्तुति पर भी विचार किया है कि एडिटिव्स युक्त 4-एडीपीए को बाहर रखने से कोई भी एंटी-डंपिंग शुल्क निष्फल हो जाएगा। ऊपर दर्ज निष्कर्ष इस खोज पर आधारित है कि एडिटिव्स युक्त 4-एडीपीए शुरुआत में अधिसूचित विचाराधीन उत्पाद के विवरण को पूरा करता है, न कि

उस आशंका पर, जिस पर प्राधिकरण कोई विचार व्यक्त करना अनावश्यक मानता है। हालांकि, यह स्पष्ट किया जाता है कि एडिटिव्स युक्त 4-एडीपीए के आयात जो 4-एडीपीए के रूप में इसके आवश्यक चरित्र को नहीं बदलते हैं, विचाराधीन उत्पाद के दायरे और वर्तमान जांच में सिफारिश किए जा सकने वाले किसी भी उपाय के अंतर्गत आते हैं। यह आगे, पूर्वाग्रह के बिना, देखा जाता है कि एंटी-डंपिंग शुल्क से बचने के लिए एंटी-डंपिंग शुल्क के अधीन किसी लेख के विवरण, नाम या संरचना में कोई भी परिवर्तन, किसी भी स्थिति में, नियमों के नियम 25 से 28 के तहत कार्यवाही के लिए उत्तरदायी है।

20. उपरोक्त के आलोक में, प्राधिकरण शुरुआत के चरण में अधिसूचित विचाराधीन उत्पाद के दायरे की पुष्टि करता है, और मानता है कि वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद है:

"4-एमिनोडाइफेनिलएमीन", जिसे "4-एडीपीए" या "4-एन-फेनिलबेंजीन-1,4-डायमीन" के रूप में भी जाना जाता है, चाहे उसमें एडिटिव्स हों या न हों जो 4-एमिनोडाइफेनिलएमीन के रूप में इसके आवश्यक चरित्र को नहीं बदलते हैं।

21. विचाराधीन उत्पाद सीमा शुल्क अधिनियम, 1975 की पहली अनुसूची के सीमा शुल्क टैरिफ शीर्षक 2921 44 10 और 2921 51 90 के तहत आयात किया जाता है। यह संभव है कि विषय वस्तुएं अन्य शीर्षकों के तहत भी आयात की जा सकती हैं। इसलिए सीमा शुल्क टैरिफ शीर्षक केवल सांकेतिक है और विचाराधीन उत्पाद के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।

22. नियमों का नियम 2(d) "समान वस्तु" को निम्नानुसार परिभाषित करता है:

"समान वस्तु" का अर्थ है एक ऐसा लेख जो भारत में डंप किए जाने के लिए जांचाधीन लेख के सभी मामलों में समान या एक जैसा है या ऐसे लेख के अभाव में, एक अन्य लेख जो सभी मामलों में समान न होते हुए भी, जांचाधीन लेखों की निकटता से मिलती-जुलती विशेषताएं रखता है।

23. विषय देशों से निर्यात किए गए विचाराधीन उत्पाद और घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित लेख के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है। दोनों भौतिक और रासायनिक विशेषताओं, निर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्यों और उपयोगों, उत्पाद विनिर्देशों, मूल्य निर्धारण, वितरण और विपणन, और टैरिफ वर्गीकरण के संदर्भ में तुलनीय हैं; वे तकनीकी और व्यावसायिक रूप से विनिमेय हैं और उपभोक्ताओं द्वारा विनिमेय रूप से उपयोग किए जा सकते हैं। किसी भी इच्छुक पार्टी ने अन्यथा दावा नहीं किया है। इसलिए प्राधिकरण मानता है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित लेख, चाहे व्यापारी बाजार में बेचा जाए या कैप्टिव रूप से हस्तांतरित किया जाए, नियमों के नियम 2(d) के अर्थ में विषय देशों से आयातित विचाराधीन उत्पाद के लिए समान वस्तु है।

घ. घरेलू उद्योग का दायरा और स्थिति

घ.1. विरोधी इच्छुक पार्टियों द्वारा प्रस्तुति

24. विरोधी इच्छुक पार्टियों ने घरेलू उद्योग के दायरे और उसकी स्थिति के संबंध में निम्नलिखित प्रस्तुतियां की हैं।
- किसी अन्य उत्पादक द्वारा नया निवेश और क्षमता विस्तार भौतिक चोट के किसी भी दावे के साथ असंगत है। ये घटनाक्रम दर्शाते हैं कि बाजार व्यवहार्य और प्रतिस्पर्धी बना हुआ है।

घ.2. आवेदक द्वारा प्रस्तुति

25. आवेदक ने घरेलू उद्योग के दायरे और उसकी स्थिति के संबंध में निम्नलिखित प्रस्तुतियां की हैं:
- आवेदक भारत में विचाराधीन उत्पाद, 4-एमिनोडाइफेनिलएमीन (4-एडीपीए) का एकमात्र उत्पादक है।
 - आवेदक के अलावा, समान वस्तु का एक अन्य उत्पादक है। हालांकि, आवेदक की समझ है कि उत्पादक ने जांच की अवधि के बाद उत्पादन शुरू किया है।
 - आवेदक ने जांच की अवधि में किसी भी विषय देश से विचाराधीन उत्पाद का आयात नहीं किया है।
 - आवेदक विषय देशों में किसी भी निर्यातक या भारत में विचाराधीन उत्पाद के आयातक से संबंधित नहीं है।

घ.3. प्राधिकरण द्वारा जांच

26. नियमों का नियम 2(b) 'घरेलू उद्योग' शब्द को निम्नानुसार परिभाषित करता है:

"(b) "घरेलू उद्योग" का अर्थ है समान वस्तु के निर्माण में लगे घरेलू उत्पादक और उससे जुड़ी कोई भी गतिविधि या वे जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उस वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा अनुपात है, सिवाय जब ऐसे उत्पादक कथित डंप किए गए वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित हैं या स्वयं उसके आयातक हैं, ऐसी स्थिति में 'घरेलू उद्योग' शब्द का अर्थ शेष उत्पादकों को संदर्भित करने के रूप में समझा जा सकता है।"

27. आवेदन नोसिल लिमिटेड द्वारा दायर किया गया है। रिकॉर्ड पर जानकारी के अनुसार, भारत में विषय वस्तु का एक अन्य उत्पादक है, अर्थात् फिनोरकेम लिमिटेड। प्राधिकरण ने इस जांच की शुरुआत से पहले फिनोरकेम लिमिटेड को संचार भेजा था। फिनोरकेम लिमिटेड ने जवाब दिया और आवेदक द्वारा दायर एंटी-डंपिंग आवेदन को अपना समर्थन व्यक्त किया, यह सूचित करते हुए कि उन्होंने मार्च 2025 में पनोली, अंकलेश्वर, जिला भरूच, गुजरात में 12,240 एमटीपीए की स्थापित क्षमता के साथ 4-एमिनोडाइफेनिलएमीन (4-एडीपीए) के लिए एक नई विनिर्माण सुविधा स्थापित की है। घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि उत्पादक चोट अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन नहीं कर रहा था, जिसे उत्पादक ने विवादित नहीं किया है।

28. प्राधिकरण ने डीजी सिस्टम लेन-देन-वार डेटा की जांच की है, और यह देखा गया है कि नोसिल लिमिटेड ने जांच की अवधि में विचाराधीन उत्पाद का आयात नहीं किया है। यह भी देखा गया है कि नोसिल लिमिटेड

विषय देशों से विचाराधीन उत्पाद के किसी भी निर्यातक या भारत में किसी भी आयातक से संबंधित नहीं है।

29. रिकॉर्ड पर जानकारी के आधार पर, प्राधिकरण ने जांच की अवधि के लिए भारतीय उत्पादन और भारतीय उत्पादन में नोसिल लिमिटेड की हिस्सेदारी निम्नानुसार निर्धारित की है:

क्र. सं.	विवरण	उत्पादन	हिस्सा (%)
1	NOCIL लिमिटेड का उत्पादन	***	100%
2	अन्य भारतीय उत्पादकों का उत्पादन	-	0%
3	कुल/सकल भारतीय उत्पादन	***	100%

30. प्राधिकरण नोट करता है कि नोसिल लिमिटेड का उत्पादन सकल भारतीय उत्पादन में 100% हिस्सेदारी का प्रतिनिधित्व करता है।
31. रिकॉर्ड पर उपलब्ध जानकारी को ध्यान में रखते हुए, यह देखा गया है कि नोसिल लिमिटेड नियमों के संदर्भ में भारतीय उत्पादन का एक बड़ा अनुपात है। नोसिल लिमिटेड नियम 2(b) के अर्थ में एक पात्र घरेलू उद्योग है और नियमों के नियम 5(3) के संदर्भ में स्थिति के मानदंड को पूरा करता है। इसलिए, प्राधिकरण मानता है कि नोसिल लिमिटेड नियमों के अर्थ में एक घरेलू उद्योग का गठन करता है।

ड. गोपनीयता और विविध प्रस्तुतियां

ड.1 विरोधी इच्छुक पार्टियों द्वारा प्रस्तुति

32. विरोधी इच्छुक पार्टियों ने निम्नलिखित विविध प्रस्तुतियां की हैं:
- आवेदक के दावों के विपरीत, विषय देश के उत्पादकों द्वारा अपने उत्तर में किए गए सभी गोपनीयता संबंधी दावे एंटी-डंपिंग नियमों के नियम 7 तथा प्राधिकरण द्वारा जारी 27 सितंबर 2018 के ट्रेड नोटिस संख्या 10/2018 के अनुरूप हैं। ये दावे केवल स्वामित्वाधीन व्यावसायिक जानकारी के संबंध में किए गए हैं, जिसका प्रकटीकरण महत्वपूर्ण वाणिज्यिक क्षति का कारण बन सकता है तथा कंपनी की प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है।
 - आवेदक ट्रेड नोटिस संख्या 10/2018 में निर्धारित गोपनीयता संबंधी आवश्यकताओं का पालन करने में विफल रहा है, क्योंकि उसने गैर-हानिकारक कीमतों की सीमा का खुलासा नहीं किया है।
 - आयात डेटा प्राधिकरण द्वारा उसी प्रारूप और तरीके से प्रदान किया जाना चाहिए जिसमें इसे इस जांच के प्रयोजन के लिए रिकॉर्ड पर लिया गया था, जो माननीय सीईएसटीएटी के एक्ज़ोटिक डेकोर प्राइवेट लिमिटेड बनाम नामित प्राधिकरण (एंटी-डंपिंग अपील संख्या 52233 ऑफ 2018) दिनांक 12 जून 2020 के फैसले के अनुरूप है।
 - जब आवेदक ने पहली बार 4-एडीपीए पर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाए जाने की मांग करते हुए प्राधिकरण से संपर्क किया था, तब आवेदन को सही एवं स्थापित आधार पर अस्वीकार कर दिया गया था, क्योंकि

आवेदक अपने संपूर्ण उत्पादन का कैप्टिव उपभोग कर रहा था और खुले बाजार में 4- एडीपीए की बिक्री नहीं कर रहा था।

- v. आवेदक द्वारा निजी स्रोत से प्राप्त किए गए आंकड़े प्रामाणिक एवं विश्वसनीय नहीं हैं।

ड.2 आवेदक द्वारा प्रस्तुति

33. आवेदक ने निम्नलिखित विविध प्रस्तुतियां की हैं:

- i. सेनिक्स कंपनी लिमिटेड, सेनिक्स कंपनी लिमिटेड अनहुई और सेनिक्स कंपनी लिमिटेड शेडोंग द्वारा उत्पादन प्रक्रिया, उत्पादित उत्पादों की सूची, संबंधित कंपनियों की सूची और कंपनियों द्वारा उपयोग की जाने वाली वित्तीय और लेखा प्रणाली के संबंध में अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया गया है। संबंधित पार्टियों का खुलासा व्यापार नोटिस के अनुसार किया जाना चाहिए।
- ii. लैंक्सेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने, व्यापार नोटिस संख्या 10/2018 के तहत आवश्यकता के विपरीत, 4-एडीपीए की खरीद मात्रा और मूल्य, कुल बिक्री कारोबार (मात्रा और मूल्य), बेचे गए उत्पादों की सूची, विचाराधीन उत्पाद का उपयोग करके निर्मित उत्पादों की उत्पादन प्रक्रिया और प्रवाह चार्ट, 4-एडीपीए को शामिल करने वाले प्रत्येक उत्पाद के लिए कच्चे माल की लागत, डाउनस्ट्रीम भारतीय बाजार में हिस्सेदारी, जिन देशों में 4-एडीपीए को शामिल करके निर्मित उत्पाद बेचे जाते हैं और उनमें अनुमानित बाजार हिस्सेदारी, और 4-एडीपीए के उपयोग का विवरण को गोपनीय दावा किया है।
- iii. सेनिक्स कंपनी लिमिटेड, सेनिक्स कंपनी लिमिटेड अनहुई और सेनिक्स कंपनी लिमिटेड शेडोंग ने, व्यापार नोटिस संख्या 10/2018 के तहत आवश्यकता के विपरीत, पीयूसी के उत्पादन/बिक्री/खरीद में शामिल संबंधित पार्टियों के विवरण और पीयूसी के निर्माण में शामिल मुख्य कच्चे माल के विवरण को गोपनीय दावा किया है।
- iv. अन्य इच्छुक पार्टियों ने आरोप लगाया कि घरेलू उद्योग व्यापार नोटिस 10/2018 का पालन करने में विफल रहा, हालांकि, घरेलू उद्योग ने आवेदन के गैर-गोपनीय संस्करण में एनआईपी (सीमा में) और शुद्ध बिक्री प्राप्ति (अनुक्रमित/प्रवृत्ति रूप में) सहित सभी प्रासंगिक जानकारी का खुलासा किया है।
- v. वर्तमान जांच और 4-एडीपीए पर पहले दायर आवेदन के तथ्य पूरी तरह से भिन्न हैं। पिछले आवेदन के लिए, आवेदक द्वारा घरेलू बिक्री की अनुपस्थिति और मांग-आपूर्ति अंतराल की उपस्थिति में मामला शुरू नहीं किया गया था। इसके विपरीत, वर्तमान जांच में इनमें से कोई भी परिस्थिति मौजूद नहीं है।
- vi. इच्छुक पार्टी द्वारा यह दर्शाने के लिए पर्याप्त साक्ष्य नहीं दिया गया है कि आवेदक का आयात डेटा अविश्वसनीय कैसे है। चूंकि डीजीसीआई एंड एस से लेन-देन-वार डेटा आवेदक के पास उपलब्ध नहीं था, आवेदक ने तीसरे पक्ष की जानकारी के अनुसार आयात डेटा पर विचार किया था, जिसे आवेदक खुलासा करने के लिए अधिकृत नहीं है।

ड.3 प्राधिकरण द्वारा जांच

34. प्राधिकरण ने नियम 6(7) के अनुसार विभिन्न पार्टियों द्वारा प्रदान की गई जानकारी का गैर-गोपनीय संस्करण अन्य सभी इच्छुक पार्टियों को उपलब्ध कराया। इच्छुक पार्टियों द्वारा प्रस्तुत जानकारी की गोपनीयता के संबंध में, नियमों का नियम 7 निम्नानुसार प्रदान करता है:

"7. गोपनीय जानकारी:

(1) उप-नियम (2), (3) और (7) में निहित किसी भी बात के होते हुए भी, नियम 6, नियम 12 के उप-नियम (2), नियम 15 के उप-नियम (4) और नियम 17 के उप-नियम (4), नियम 5 के उप-नियम (1) के तहत प्राप्त आवेदनों की प्रतियां, या जांच के दौरान किसी भी पार्टी द्वारा नामित प्राधिकरण को गोपनीय आधार पर प्रदान की गई कोई अन्य जानकारी, नामित प्राधिकरण के इसकी गोपनीयता से संतुष्ट होने पर, उसके द्वारा गोपनीय मानी जाएगी और ऐसी जानकारी ऐसी जानकारी प्रदान करने वाली पार्टी की विशिष्ट अनुमति के बिना किसी अन्य पार्टी को प्रकट नहीं की जाएगी।

(2) नामित प्राधिकरण गोपनीय आधार पर जानकारी प्रदान करने वाली इच्छुक पार्टियों से उसका गैर-गोपनीय सारांश प्रदान करने की आवश्यकता कर सकता है और यदि, ऐसी जानकारी प्रदान करने वाली पार्टी की राय में, ऐसी जानकारी सारांश के लिए उत्तरदायी नहीं है, तो ऐसी पार्टी नामित प्राधिकरण को यह कारण बताते हुए एक बयान प्रस्तुत कर सकती है कि सारांश क्यों संभव नहीं है।

(3) उप-नियम (2) में निहित किसी भी बात के होते हुए भी, यदि नामित प्राधिकरण संतुष्ट है कि गोपनीयता का अनुरोध उचित नहीं है या जानकारी का आपूर्तिकर्ता या तो जानकारी को सार्वजनिक करने के इच्छुक नहीं है या सामान्यीकृत या सारांश रूप में इसके खुलासे को अधिकृत करने के इच्छुक नहीं है, तो वह ऐसी जानकारी को अनदेखा कर सकता है।"

35. यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग और इच्छुक पार्टियों ने उत्पादन, क्षमता, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, बाजार हिस्सेदारी, स्टॉक, विक्रय मूल्य, लागत, मुनाफे, नकद मुनाफे, निवेश पर प्रतिफल, गैर-चोटकारक मूल्य, उत्पादन लागत संबंधी जानकारी, सामान्य मूल्य, निर्यात मूल्य, डंपिंग मार्जिन, लैंडेड कीमत, चोट मार्जिन, मूल्य समायोजन, लाभ संबंधी जानकारी, बिक्री चैनल, बिक्री और खरीद दस्तावेज, ग्राहकों और आपूर्तिकर्ताओं के नाम, आदि जैसी जानकारी पर गोपनीयता का दावा किया है। यह भी देखा गया है कि जहां भी जानकारी चोट अवधि के लिए है, वही अनुक्रमित आधार पर प्रदान की गई है। जहां भी जानकारी एकल वर्ष से संबंधित है, वही सीमा में प्रकट की गई है, यदि ऐसा खुलासा जानकारी की गोपनीयता से समझौता नहीं करता है। इच्छुक पार्टियों ने विभिन्न सहायक दस्तावेजों और जानकारी में गोपनीयता का दावा किया है, जहां भी ऐसी जानकारी उनके द्वारा सार्वजनिक रूप से प्रकट नहीं की गई है। उन मामलों में जहां किसी इच्छुक पार्टी ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट और वित्तीय विवरण सार्वजनिक रूप से प्रकट नहीं किए हैं, वही गोपनीय दावा किया गया है। जहां भी इच्छुक पार्टियों ने किसी दस्तावेज को गोपनीय दावा किया है, यह नोट किया गया है कि इन इच्छुक पार्टियों ने दावा किया है कि ये दस्तावेज सारांश के लिए उत्तरदायी नहीं हैं और उन्होंने कारण दिए हैं कि सारांश क्यों संभव नहीं है। इच्छुक पार्टियों ने दावा किया कि घरेलू उद्योग ने गैर-चोटकारक मूल्य की सीमा का खुलासा नहीं किया। यह नोट किया गया है कि वही जानकारी बाद में प्रकट की गई थी।

36. प्राधिकरण ने सभी जांचों में घरेलू उद्योगों, विदेशी उत्पादकों और अन्य इच्छुक पार्टियों द्वारा प्रदान की गई ऐसी जानकारी और दस्तावेजों पर इच्छुक पार्टियों को गोपनीयता का दावा करने की अनुमति लगातार दी

है। प्राधिकरण नोट करता है कि सभी इच्छुक पार्टियों ने अपनी व्यवसाय-संबंधी संवेदनशील जानकारी को गोपनीय दावा किया है। संतुष्ट होने पर, प्राधिकरण ने जहां भी उचित था, गोपनीयता दावों को स्वीकार किया है, और ऐसी जानकारी को गोपनीय माना है और अन्य इच्छुक पार्टियों को प्रकट नहीं किया है।

37. विरोधी इच्छुक पार्टियों के इस तर्क के संबंध में कि विचाराधीन उत्पाद से संबंधित एक पिछला आवेदन प्राधिकरण द्वारा इस आधार पर खारिज कर दिया गया था कि घरेलू उद्योग अपने पूरे उत्पादन का कैप्टिव रूप से उपभोग कर रहा था और खुले बाजार में 4-एडीपीए नहीं बेच रहा था, प्राधिकरण नोट करता है कि ऐसा अस्वीकरण वर्तमान आवेदन के लिए प्रासंगिक नहीं है। वर्तमान जांच में, घरेलू उद्योग ने पूरी चोट अवधि में घरेलू बाजार में बिक्री की है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग की क्षमता देश में मांग से काफी अधिक है। प्राधिकरण नोट करता है कि वर्तमान जांच घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत विधिवत पुष्ट लिखित आवेदन के आधार पर शुरू की गई थी। प्राधिकरण ने घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत प्रथम दृष्टया साक्ष्य के आधार पर, विषय देशों से उत्पन्न या निर्यातित विचाराधीन उत्पाद की डंपिंग, ऐसी डंपिंग के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को होने वाली चोट, और डंप किए गए आयात और घरेलू उद्योग को होने वाली चोट के बीच कारण संबंध के संबंध में संतुष्टि प्राप्त की। तदनुसार, अधिनियम की धारा 9A के साथ पठित नियमों के नियम 5 के अनुसार जांच शुरू की गई थी।
38. आवेदक या डीजीटीआर द्वारा लेन-देन-वार डेटा के खुलासे के संबंध में, प्राधिकरण नोट करता है कि आवेदक के लिए निर्धारित प्रासंगिक जानकारी आयात की मात्रा और मूल्य है। आवेदक ने प्रस्तुत किया है कि उसने आयात की मात्रा और मूल्य का पता लगाने के लिए बाजार सूचना डेटा पर भरोसा किया है। आयात मात्रा और मूल्य अन्य इच्छुक पार्टियों को प्रकट किए गए हैं। आवेदक ने अपने डेटा को गोपनीय दावा किया। किसी भी मामले में, प्राधिकरण ने आयात की कुल मात्रा और मूल्य की गणना के लिए डीजी सिस्टम्स डेटा पर भरोसा किया है। चूंकि प्राधिकरण द्वारा प्राप्त लेन-देन-वार डेटा सार्वजनिक डोमेन में नहीं है और भारत सरकार द्वारा इसे आम जनता के साथ साझा नहीं किया जाता है, इसे किसी भी इच्छुक पार्टी, जिसमें घरेलू उद्योग भी शामिल है, को प्रकट नहीं किया गया है। डीजी सिस्टम्स डेटा से विचार की गई आयात मात्रा प्रकटीकरण विवरण में इच्छुक पार्टियों को प्रकट की गई है। यह आगे नोट किया गया है कि माननीय सीईएसटीएटी का एक्ज़ोटिक डेकोर प्राइवेट लिमिटेड और अन्य बनाव नामित प्राधिकरण, एंटी-डंपिंग और संबद्ध कर्तव्यों के महानिदेशालय में निर्णय डीजी सिस्टम्स डेटा के अनुसार आयात डेटा के खुलासे पर लागू नहीं होता है, जिसे प्राधिकरण प्रकट करने के लिए अधिकृत नहीं है।

च. डंपिंग का आकलन और सामान्य मूल्य, निर्यात मूल्य और डंपिंग मार्जिन का निर्धारण

च.1 अन्य इच्छुक पार्टियों द्वारा प्रस्तुति

39. निम्नलिखित प्रस्तुतियां डंपिंग के आकलन और सामान्य मूल्य, निर्यात मूल्य और डंपिंग मार्जिन के निर्धारण के संबंध में की गई हैं।
- चीन को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा दिया जाना चाहिए। तदनुसार सामान्य मूल्य की गणना डब्ल्यूटीओ एंटी-डंपिंग समझौते के अनुच्छेद 2 के अनुसार वास्तविक चीनी डेटा का उपयोग करके की जानी चाहिए। इसलिए प्राधिकरण को इस जांच में सरोगेट देश डेटा का उपयोग करने से बचना चाहिए।
 - संबंधित-पार्टी सोर्सिंग और हस्तांतरण मूल्य निर्धारण व्यवस्थाएं सामान्य व्यावसायिक प्रथाएं हैं और डंपिंग विश्लेषण पूरी तरह से सत्यापित निर्यात मूल्यों और लेनदेन डेटा पर आधारित होना चाहिए। तदनुसार, उक्त आरोपों को अनदेखा करने का अनुरोध किया गया था।

च.2 आवेदक द्वारा प्रस्तुति

40. आवेदक ने डंपिंग के आकलन और सामान्य मूल्य, निर्यात मूल्य और डंपिंग मार्जिन के निर्धारण के संबंध में निम्नलिखित प्रस्तुतियां की हैं:
- चीन पीआर को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था माना जाना चाहिए।
 - यह तर्क दिया जाता है कि चीन पीआर के प्रवेश प्रोटोकॉल के अनुच्छेद 15(a)(ii) का लागू होना बंद हो गया है और इसलिए, वर्तमान जांच में इस पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। हालांकि, अनुच्छेद 15(a)(i) लागू बना हुआ है और चीन पीआर के लिए सामान्य मूल्य निर्धारित करते समय इस पर विधिवत विचार किया जाना चाहिए।
 - चीन पीआर के प्रवेश प्रोटोकॉल के 15(a)(i) के तहत दायित्व के लिए निर्यातक द्वारा नियमों के अनुलग्नक I के पैरा 8 में निर्धारित मानदंड को पूरा करना आवश्यक है।
 - चूंकि चीनी उत्पादक बाजार अर्थव्यवस्था उपचार के हकदार नहीं हैं, नामित प्राधिकरण को सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए नियमों के अनुलग्नक I के पैरा 7 का पालन करना चाहिए।
 - यूरोपीय संघ से किसी भी उत्पादक/निर्यातक की भागीदारी के अभाव में, यूरोपीय संघ के लिए सामान्य मूल्य आवेदक द्वारा प्रस्तावित लाभ के लिए उचित अतिरिक्त के साथ 4-एडीपीए की उत्पादन लागत के आधार पर निर्धारित किया जा सकता है।

च.3 प्राधिकरण द्वारा जांच

41. प्राधिकरण ने विषय देश से ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी, उन्हें प्राधिकरण द्वारा निर्धारित प्रारूप और तरीके में जानकारी प्रदान करने की सलाह दी। विषय देशों से निम्नलिखित उत्पादकों और निर्यातकों, उनके संबंधित निर्यातक और भारत में आयातक के साथ, निर्धारित प्रश्नावली प्रतिक्रियाएं दायर की हैं।

क्र.सं.	इच्छुक पक्ष का नाम
क.	सेनिक्स कंपनी लिमिटेड (शानडोंग)
ख.	सेनिक्स कंपनी लिमिटेड (आनहुई)
ग.	सेनिक्स कंपनी लिमिटेड
घ.	लान्क्सेस केमिकल (चीन) कंपनी लिमिटेड

42. फ्लेक्सिस नीदरलैंड्स बी.वी. यूरोपीय संघ में विषय वस्तु का उत्पादक है। प्राधिकरण नोट करता है कि उत्पादक/निर्यातक ने आवश्यक जानकारी प्रदान करने वाली निर्यातक प्रश्नावली प्रतिक्रिया प्रस्तुत नहीं की है। यूरोपीय संघ से उत्पादक ने वर्तमान जांच में पंजीकरण कराया था लेकिन कोई निर्यातक प्रश्नावली प्रतिक्रिया साझा नहीं की है। इच्छुक पार्टी ने मौखिक सुनवाई के दौरान कोई प्रस्तुति नहीं दी। इसलिए यह माना जाना चाहिए कि यूरोपीय संघ से कोई भागीदारी नहीं है।

43. विषय देशों के सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य नीचे निर्धारित किए गए हैं,

क. चीन पीआर से सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य

44. धारा 9A (1) (c) के तहत, किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का अर्थ है:

- i) तुलनीय मूल्य, सामान्य व्यापार के दौरान, समान वस्तु के लिए, जब निर्यात देश या क्षेत्र में उपभोग के लिए होता है, जैसा कि उप-धारा (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्धारित किया जाता है, या
- ii) जब निर्यात देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में सामान्य व्यापार के दौरान समान वस्तु की बिक्री नहीं होती है, या जब विशेष बाजार स्थिति या निर्यात देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में बिक्री की कम मात्रा के कारण, ऐसी बिक्री उचित तुलना की अनुमति नहीं देती है, तो सामान्य मूल्य या तो होगा: (क) निर्यात देश या क्षेत्र से या उपयुक्त तीसरे देश से निर्यात की जाने वाली समान वस्तु का तुलनीय प्रतिनिधि मूल्य, जैसा कि उप-धारा (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्धारित किया जाता है; या मूल देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत के साथ-साथ प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत, और लाभ के लिए उचित अतिरिक्त, जैसा कि उप-धारा (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्धारित किया जाता है; ख) बशर्ते कि मूल देश के अलावा किसी अन्य देश से वस्तु के आयात के मामले में और जहां वस्तु निर्यात देश के माध्यम से केवल ट्रांसशिप किया गया है या ऐसी वस्तु निर्यात देश में उत्पादित नहीं है या निर्यात देश में कोई तुलनीय मूल्य नहीं है, सामान्य मूल्य मूल देश में इसकी कीमत के संदर्भ में निर्धारित किया जाएगा।

- सामान्य मान

45. डब्ल्यूटीओ में चीन के प्रवेश प्रोटोकॉल का अनुच्छेद 15 निम्नानुसार प्रदान करता है:

गैट 1994 का अनुच्छेद VI, गैट 1994 के अनुच्छेद VI के कार्यान्वयन पर समझौता ("एंटी-डंपिंग समझौता") और एससीएम समझौता, एक डब्ल्यूटीओ सदस्य में चीनी मूल के आयात से जुड़ी कार्यवाही में निम्नलिखित के अनुरूप लागू होंगे:

(क) GATT 1994 के अनुच्छेद VI और एंटी-डंपिंग समझौते के तहत मूल्य तुलनीयता निर्धारित करने में, आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य या तो जांचाधीन उद्योग के लिए चीनी कीमतों या लागतों का उपयोग करेगा या निम्नलिखित नियमों के आधार पर चीन में घरेलू कीमतों या लागतों के साथ सख्त तुलना पर आधारित नहीं होने वाली पद्धति का उपयोग करेगा: *

(i) यदि जांचाधीन उत्पादक स्पष्ट रूप से दिखा सकते हैं कि समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग में उस उत्पाद के निर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां प्रबल हैं, तो आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य मूल्य तुलनीयता निर्धारित करने में जांचाधीन उद्योग के लिए चीनी कीमतों या लागतों का उपयोग करेगा;

(ii) आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य ऐसी पद्धति का उपयोग कर सकता है जो चीन में घरेलू कीमतों या लागतों के साथ सख्त तुलना पर आधारित नहीं है यदि जांचाधीन उत्पादक स्पष्ट रूप से यह नहीं दिखा सकते कि समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग में उस उत्पाद के निर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां प्रबल हैं।*

(ख) एससीएम समझौते के भाग II, III और V के तहत कार्यवाही में, अनुच्छेद 14(a), 14(b), 14(c) और 14(d) में वर्णित सब्सिडी को संबोधित करते समय, एससीएम समझौते के प्रासंगिक प्रावधान लागू होंगे; हालांकि, यदि उस आवेदन में विशेष कठिनाइयां हैं, तो आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य सब्सिडी लाभ की पहचान और मापन के लिए ऐसी पद्धतियों का उपयोग कर सकता है जो इस संभावना को ध्यान में रखती हैं कि चीन में प्रचलित शर्तें और नियम हमेशा उपयुक्त बेंचमार्क के रूप में उपलब्ध नहीं हो सकते हैं। ऐसी पद्धतियों को लागू करने में, जहां व्यावहारिक हो, आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य चीन के बाहर प्रचलित शर्तों और नियमों के उपयोग पर विचार करने से पहले ऐसी प्रचलित शर्तों और नियमों को समायोजित करेगा।

(ग) आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य उप-अनुच्छेद (क) के अनुसार उपयोग की जाने वाली पद्धतियों को एंटी-डंपिंग प्रथाओं पर समिति को और उप-अनुच्छेद (ख) के अनुसार उपयोग की जाने वाली पद्धतियों को सब्सिडी और प्रति-संतुलन उपायों पर समिति को अधिसूचित करेगा।

(घ) एक बार चीन ने, आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य के राष्ट्रीय कानून के तहत, यह स्थापित कर लिया है कि यह एक बाजार अर्थव्यवस्था है, उप-अनुच्छेद (क) के प्रावधान समाप्त हो जाएंगे बशर्ते कि आयात करने वाले सदस्य के राष्ट्रीय कानून में प्रवेश की तिथि पर बाजार अर्थव्यवस्था मानदंड शामिल हों। किसी भी स्थिति में, उप-अनुच्छेद (क)(ii) का प्रावधान प्रवेश की तिथि के 15 वर्ष बाद समाप्त हो जाएगा। इसके अलावा, यदि चीन, आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य के राष्ट्रीय कानून

के अनुसार, यह स्थापित करता है कि किसी विशेष उद्योग या क्षेत्र में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां प्रबल हैं, तो उप-अनुच्छेद (क) के गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रावधान उस उद्योग या क्षेत्र पर लागू नहीं होंगे।"

46. आवेदक ने चीन के प्रवेश प्रोटोकॉल के अनुच्छेद 15(a)(i) के साथ-साथ अनुलग्नक I के पैरा 7 पर भरोसा किया था और दावा किया था कि चीन पीआर में उत्पादकों से यह प्रदर्शित करने के लिए कहा जाना चाहिए कि विचाराधीन उत्पाद के निर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उनके उद्योग में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां प्रबल हैं। आवेदकों द्वारा यह कहा गया है कि यदि प्रतिक्रिया देने वाले चीनी उत्पादक यह प्रदर्शित नहीं कर पाते कि उनकी लागत और मूल्य जानकारी बाजार-संचालित है, तो सामान्य मूल्य की गणना नियमों के अनुलग्नक-I के पैरा 7 और 8 के प्रावधानों के अनुसार की जानी चाहिए।
47. यह नोट किया गया है कि जबकि अनुच्छेद 15 (a)(ii) में निहित प्रावधान 11.12.2016 को समाप्त हो गया है, डब्ल्यूटीओ एंटी-डंपिंग समझौते के अनुच्छेद 2.2.1.1 के तहत प्रावधान, प्रवेश प्रोटोकॉल के अनुच्छेद 15(a)(i) के तहत दायित्व के साथ पठित, नियमों के अनुलग्नक I के पैराग्राफ 8 में निर्धारित मानदंड को बाजार अर्थव्यवस्था उपचार का दावा करने पर पूरक प्रश्नावली में प्रदान की जाने वाली जानकारी/डेटा के माध्यम से पूरा करने की आवश्यकता है। यह नोट किया गया है कि चूंकि चीन पीआर से प्रतिक्रिया देने वाले उत्पादकों/निर्यातकों ने पूरक प्रश्नावली का जवाब प्रस्तुत नहीं किया है, सामान्य मूल्य की गणना नियमों के अनुलग्नक I के पैराग्राफ 7 के प्रावधानों के अनुसार की जानी आवश्यक है, जो निम्नानुसार पढ़ा जाता है:

"7. गैर-बाजार अर्थव्यवस्था देशों से आयात के मामले में, सामान्य मूल्य एक बाजार अर्थव्यवस्था तीसरे देश में कीमत या निर्मित मूल्य, या ऐसे तीसरे देश से अन्य देशों, जिनमें भारत भी शामिल है, को कीमत, या जहां संभव न हो, किसी अन्य उचित आधार पर निर्धारित किया जाएगा, जिसमें भारत में समान उत्पाद के लिए वास्तव में भुगतान की गई या देय कीमत शामिल है, यदि आवश्यक हो तो उचित लाभ मार्जिन शामिल करने के लिए विधिवत समायोजित। एक उपयुक्त बाजार अर्थव्यवस्था तीसरे देश का चयन नामित प्राधिकरण द्वारा संबंधित देश के विकास स्तर और विचाराधीन उत्पाद को ध्यान में रखते हुए उचित तरीके से किया जाएगा और चयन के समय उपलब्ध किसी भी विश्वसनीय जानकारी का उचित ध्यान रखा जाएगा। समय सीमा के भीतर भी ध्यान रखा जाएगा; जहां उपयुक्त हो, किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था तीसरे देश के संबंध में समान मामले में की गई जांच का। जांच के पक्षकारों को उपरोक्त बाजार अर्थव्यवस्था तीसरे देश के चयन के बारे में बिना अनुचित देरी के सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियां देने के लिए उचित समय दिया जाएगा।"

48. आरंभ के चरण में, प्राधिकरण ने चीन जनवादी गणराज्य को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में मानने की धारणा के साथ कार्यवाही की। आरंभ के पश्चात, प्राधिकरण ने चीन जनवादी गणराज्य में उत्पादकों/निर्यातकों को आरंभ की सूचना का उत्तर देने और यह जानकारी प्रदान करने की सलाह दी कि क्या उनके आंकड़ों/सूचनाओं को सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए अपनाया जा सकता है। प्राधिकरण ने

चीन जनवादी गणराज्य में सभी ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को बाजार अर्थव्यवस्था उपचार/पूरक प्रश्नावली की प्रतियां भेजीं, ताकि इस संबंध में प्रासंगिक जानकारी प्रदान की जा सके।

49. पैरा 7 सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए एक पदानुक्रम निर्धारित करता है और प्रावधान करता है कि सामान्य मूल्य एक बाजार अर्थव्यवस्था तीसरे देश में कीमत या निर्मित मूल्य के आधार पर, या ऐसे तीसरे देश से किसी अन्य देश, जिसमें भारत भी शामिल है, को कीमत के आधार पर, या जहां संभव न हो, किसी भी उचित आधार पर निर्धारित किया जाएगा, जिसमें भारत में समान लेख के लिए वास्तव में भुगतान की गई या देय कीमत शामिल है, यदि आवश्यक हो तो उचित लाभ मार्जिन शामिल करने के लिए विधिवत समायोजित। इस प्रकार, प्राधिकरण नोट करता है कि सामान्य मूल्य पैरा 7 के तहत प्रदान किए गए विभिन्न अनुक्रमिक विकल्पों को ध्यान में रखते हुए निर्धारित किया जाना आवश्यक है।
50. प्राधिकरण नोट करता है कि किसी भी इच्छुक पार्टी ने उपयुक्त बाजार-अर्थव्यवस्था तीसरे देश में उत्पाद के घरेलू मूल्य या निर्मित मूल्य के संबंध में कोई जानकारी प्रदान नहीं की है। घरेलू उद्योग ने प्रस्तुत किया था कि बाजार अर्थव्यवस्था तीसरे देश में लागत और मूल्य से संबंधित डेटा उपलब्ध नहीं है। उस कीमत के संबंध में जिस पर विचाराधीन उत्पाद बाजार अर्थव्यवस्था तीसरे देश से किसी अन्य देश, जिसमें भारत भी शामिल है, को निर्यात किया जाता है, घरेलू उद्योग ने प्रस्तुत किया था कि अन्य देशों में विचाराधीन उत्पाद के लिए कोई समर्पित एचएस कोड नहीं है जिसके कारण इसके लिए कोई जानकारी उपलब्ध नहीं थी। इसलिए, इस आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित नहीं किया जा सका।
51. नियमों के अनुलग्नक I के पैरा 7 के संदर्भ में, प्राधिकरण ने चीन पीआर के लिए सामान्य मूल्य किसी अन्य उचित आधार पर निर्धारित किया है, अर्थात् भारत में उत्पादन की लागत, जिसे बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक खर्चों तथा उचित लाभ के जोड़ द्वारा विधिवत समायोजित किया गया है। इस प्रकार निर्धारित निर्मित सामान्य मूल्य डंपिंग मार्जिन तालिका में उल्लिखित है।

निर्यात मूल्य

क. सेनिक्स कंपनी लिमिटेड अनहुई (उत्पादक), सेनिक्स कंपनी लिमिटेड शेडोंग (उत्पादक) और सेनिक्स कंपनी लिमिटेड-सेनिक-मुख्यालय (व्यापारी)

52. यह भी नोट किया गया है कि सेनिक्स कंपनी लिमिटेड, अनहुई द्वारा सेनिक्स कंपनी लिमिटेड (सेनिक्स-मुख्यालय) चीन पीआर को बेची गई विषय वस्तु, सेनिक्स कंपनी लिमिटेड (सेनिक्स-मुख्यालय) चीन पीआर ने उसी विषय वस्तु को भारत को एक अन्य असंबंधित निर्यातक/व्यापारी अर्थात् लैक्सेस केमिकल (चाइना) कंपनी लिमिटेड के माध्यम से अप्रत्यक्ष रूप से पुनर्विक्रय किया है। सेनिक्स कंपनी लिमिटेड अनहुई और सेनिक्स कंपनी लिमिटेड शेडोंग (इसके बाद सामूहिक रूप से सेनिक्स चाइना के रूप में जाना जाता है) चीन पीआर से विषय वस्तु के उत्पादक/निर्यातक हैं। दोनों कंपनियां सेनिक्स समूह का हिस्सा हैं।

53. पीओआई के दौरान, सेनिक्स कंपनी लिमिटेड, अनहुई चीन पीआर ने 35167750.00 आरएमबी के चालान मूल्य की 2726.00 मीट्रिक टन विषय वस्तु भारत को एक संबंधित निर्यातक/व्यापारी अर्थात् सेनिक्स कंपनी लिमिटेड (सेनिक्स-मुख्यालय) चीन पीआर के माध्यम से अप्रत्यक्ष रूप से बेची है। इसके अलावा, सेनिक्स कंपनी लिमिटेड (सेनिक्स-मुख्यालय) चीन पीआर ने उसी विषय वस्तु को भारत को एक अन्य असंबंधित निर्यातक/व्यापारी अर्थात् लैंक्सेस केमिकल (चाइना) कंपनी लिमिटेड के माध्यम से अप्रत्यक्ष रूप से पुनर्विक्रय किया है।
54. पीओआई के दौरान, सेनिक्स कंपनी लिमिटेड, शेडोंग, चीन पीआर ने 13265750.00 आरएमबी के चालान मूल्य की 963.50 मीट्रिक टन विषय वस्तु भारत को एक संबंधित निर्यातक/व्यापारी अर्थात् सेनिक्स कंपनी लिमिटेड (सेनिक्स-मुख्यालय) के माध्यम से अप्रत्यक्ष रूप से बेची है। (सेनिक्स-मुख्यालय) चीन पीआर ने उसी विषय वस्तु को भारत को एक अन्य असंबंधित निर्यातक/व्यापारी अर्थात् लैंक्सेस केमिकल (चाइना) कंपनी लिमिटेड के माध्यम से अप्रत्यक्ष रूप से पुनर्विक्रय किया है।
55. दोनों उत्पादकों ने विषय वस्तु सेनिक्स, मुख्यालय के माध्यम से लैंक्सेस केमिकल (चाइना) कंपनी लिमिटेड को बेची है जो एक असंबंधित इकाई है। लैंक्सेस केमिकल (चाइना) कंपनी लिमिटेड ने तब माल को अपनी भारतीय इकाई लैंक्सेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को पुनर्विक्रय किया है जिसने माल का कैप्टिव रूप से उपभोग किया है। डेस्क सत्यापन के बाद लागू होने पर महासागर माल ढुलाई, समुद्री बीमा, अंतर्देशीय परिवहन, बंदरगाह और अन्य संबंधित खर्चों और सीमा शुल्क सहित समायोजन की अनुमति दी गई है। इस प्रकार प्राप्त शुद्ध निर्यात मूल्य डंपिंग मार्जिन तालिका में उल्लिखित है।

ख. चीन पीआर के गैर-सहयोगी उत्पादक

56. प्राधिकरण ने गैर-सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए शुद्ध निर्यात मूल्य उपलब्ध तथ्यों पर निर्धारित किया है। निर्धारित पूर्व-कारखाना निर्यात मूल्य नीचे डंपिंग मार्जिन तालिका में दिखाया गया है।

यूरोपीय संघ से सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य

- सामान्य मूल्य, और निर्यात मूल्य

57. यूरोपीय संघ से किसी भी उत्पादक/निर्यातक की भागीदारी के अभाव में, प्राधिकरण ने यूरोपीय संघ के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्धारित किया है। सामान्य मूल्य भारत में उत्पादन लागत को ध्यान में रखते हुए, बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक खर्चों के लिए अतिरिक्त के बाद, और उचित मुनाफे के साथ विधिवत समायोजित करके निर्धारित किया गया है। आगे की चर्चा आवश्यक है।
58. शुद्ध निर्यात मूल्य भी उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्धारित किया गया है। निर्धारित कारखाना सामान्य मूल्य और शुद्ध निर्यात मूल्य नीचे डंपिंग मार्जिन तालिका में दिखाया गया है।

संबंधित उत्पादकों और निर्यातकों के लिए डंपिंग मार्जिन

59. यह नोट किया गया है कि विषय जांचों में कई सहयोगी उत्पादक और निर्यातक एक-दूसरे से संबंधित हैं और संबंधित कंपनियों का एक समूह बनाते हैं। प्राधिकरण की यह सुसंगत प्रथा रही है कि वह डंपिंग मार्जिन के निर्धारण के लिए संबंधित निर्यातक उत्पादकों और निर्यातकों को एक एकल इकाई माने और इस प्रकार उनके लिए एक एकल डंपिंग मार्जिन स्थापित करे। यह विशेष रूप से इसलिए है क्योंकि व्यक्तिगत डंपिंग मार्जिन की गणना एंटी-डंपिंग उपायों के सर्कमवेंशन को प्रोत्साहित कर सकती है, जिससे संबंधित निर्यातक उत्पादकों को सबसे कम व्यक्तिगत डंपिंग मार्जिन वाली कंपनी के माध्यम से भारत को अपने निर्यात को चैनल करने में सक्षम बनाकर उन्हें अप्रभावी बना दिया जा सकता है।
60. उपरोक्त के अनुसार, संबंधित उत्पादकों और निर्यातकों को एक एकल इकाई माना गया और उन्हें एक एकल डंपिंग मार्जिन आवंटित किया गया जिसकी गणना सहयोगी संबंधित उत्पादकों और निर्यातकों के डंपिंग मार्जिन के भारित औसत के आधार पर की गई थी।

ग. डंपिंग मार्जिन

61. वर्तमान जांच में निर्धारित सामान्य मूल्य/निर्मित सामान्य मूल्य, निर्यात मूल्य और डंपिंग मार्जिन निम्नानुसार हैं

क्र.सं.	देश	उत्पादक / निर्यातक	निर्मित सामान्य मूल्य (यूएसडी/एमटी)	एनईपी (यूएसडी /एमटी)	डंपिंग मार्जिन यूएसडी/एमटी)	डंपिंग मार्जिन (%)	डंपिंग मार्जिन की सीमा
क	चीन जनवादी गणराज्य						
1	चीन जनवादी गणराज्य	सेनिक्स कंपनी लिमिटेड आनहुई और सेनिक्स कंपनी लिमिटेड शानडोंग	***	***	***	***	60-70
2	चीन जनवादी गणराज्य	कोई अन्य उत्पादक	***	***	***	***	70-80
ख	यूरोपीय संघ						
1	यूरोपीय संघ	कोई भी	***	***	***	***	10-20

छ. चोट और कारण संबंध का आकलन

छ.1 अन्य इच्छुक पार्टियों द्वारा प्रस्तुति

62. विरोधी इच्छुक पार्टियों ने चोट और कारण संबंध के आकलन के संबंध में निम्नलिखित प्रस्तुतियां की हैं:

- i. कैप्टिव खपत से उत्पन्न चोट को आयात के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि कैप्टिव हस्तांतरण बाजार बिक्री का गठन नहीं करते हैं। यह प्रस्तुत किया गया था कि कैप्टिव खपत से संबंधित कोई भी प्रतिकूल प्रदर्शन आंतरिक अक्षमताओं, कम क्षमता उपयोग, उच्च निश्चित लागत, आंतरिक हस्तांतरण मूल्य निर्धारण और व्यावसायिक निर्णयों के लिए जिम्मेदार हो सकता है। यह आगे प्रस्तुत किया गया था कि 4-एडीपीए के आयात और पीएक्स-13 के उत्पादन, बिक्री और लाभप्रदता के बीच कोई भी संबंध उत्पाद-विशिष्ट चोट निर्धारण के लिए प्रासंगिक नहीं है।
- ii. खोई हुई बिक्री और अनुमानित लाभप्रदता के दावे अनुमानित हैं और विस्थापन या मूल्य प्रभावों के ग्राहक-वार साक्ष्य द्वारा असमर्थित हैं। यह आगे प्रस्तुत किया गया था कि चीन पीआर से आयात केवल मामूली रूप से बढ़ा, जबकि विषय देशों से आयात पीओआई के दौरान घटा, जिसमें सापेक्ष रूप में भी शामिल है।
- iii. घरेलू उद्योग 2015-16 से 4-एडीपीए का निर्माण कर रहा है और उसने लंबे समय तक क्षमता का कम उपयोग अनुभव किया है, जिसे केवल पीओआई के दौरान आयात के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। यह आगे प्रस्तुत किया गया था कि घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा और सकल बिक्री मूल्य 2021-22 की तुलना में पीओआई के दौरान बढ़ा, जबकि इसकी बिक्री वृद्धि समग्र गैर-कैप्टिव मांग की वृद्धि से अधिक थी। औसत इन्वेंट्री, उत्पादन के दिनों में इन्वेंट्री और बिक्री के दिनों में इन्वेंट्री भी पीओआई के दौरान घटी।
- iv. शुद्ध लाभ में गिरावट मुख्य रूप से मूल्यहास और ब्याज लागत में वृद्धि के कारण थी, जबकि मूल्यहास, ब्याज और कर से पहले का लाभ पीओआई के दौरान बढ़ा। यह भी प्रस्तुत किया गया था कि कर्मचारियों, मजदूरी और नियोजित पूंजी में वृद्धि निरंतर निवेश और संचालन के विस्तार को इंगित करती है।
- v. वैश्विक उत्पादकों की तुलना में घरेलू उद्योग के संचालन का अपेक्षाकृत छोटा पैमाना, सीमित पैमाने की अर्थव्यवस्थाओं के कारण उच्च लागत और कम लाभप्रदता में परिणत हो सकता है। यह आगे प्रस्तुत किया गया था कि कैप्टिव खपत में कोई भी प्रतिकूल प्रदर्शन आंतरिक हस्तांतरण मूल्य निर्धारण, डाउनस्ट्रीम बाजार की स्थितियों और व्यावसायिक निर्णयों के लिए जिम्मेदार हो सकता है। इच्छुक पार्टी ने यह भी प्रस्तुत किया कि कथित चोट घरेलू उद्योग की पूर्व एकाधिकार स्थिति के नुकसान के बाद बढ़ी हुई डाउनस्ट्रीम प्रतिस्पर्धा के लिए जिम्मेदार हो सकती है।
- vi. भारत में 4-एडीपीए का कोई महत्वपूर्ण स्वतंत्र व्यापारी बाजार नहीं है और इसका मुख्य रूप से कैप्टिव रूप से उपभोग किया जाता है, केवल सीमित मात्रा लैक्सेस को बेची जाती है। यह आगे प्रस्तुत किया गया था कि लैक्सेस द्वारा आयात लंबे समय से चली आ रही सोर्सिंग व्यवस्थाओं के अनुसार किए गए थे न कि कथित डंप किए गए मूल्यों के कारण। तदनुसार, इच्छुक पार्टी ने अनुरोध किया कि प्राधिकरण चोट और कारण संबंध के दावों की जांच 4-एडीपीए की कैप्टिव प्रकृति, डाउनस्ट्रीम पीएक्स-13 बाजार में घटनाक्रम, आयात रुझान और अन्य ज्ञात कारकों के आलोक में करे।

- vii. विरोधी पार्टियों की राय है कि जांच कानूनी रूप से त्रुटिपूर्ण और भेदभावपूर्ण है क्योंकि यह जापान, अमेरिका और कोरिया आरपी को विषय देशों के रूप में शामिल करने में विफल रहती है। जबकि व्यक्तिगत रूप से 3% आयात हिस्सेदारी सीमा से नीचे, ये देश सामूहिक रूप से कुल आयात का 7.28% हिस्सा हैं, जो एंटी-डंपिंग नियमों के अनुलग्नक II, पैरा (iii) के तहत शामिल करने के लिए अनिवार्य 7% सीमा से अधिक है। उनका बहिष्करण डब्ल्यूटीओ एंटी-डंपिंग समझौते के गैर-भेदभाव सिद्धांत का उल्लंघन करता है।

छ.2 आवेदक द्वारा प्रस्तुति

63. आवेदक ने चोट और कारण संबंध के आकलन के संबंध में निम्नलिखित प्रस्तुतियां की हैं:

- i. कैप्टिव खपत और कैप्टिव प्रदर्शन को चोट विश्लेषण में विचार किया जाना चाहिए, क्योंकि अन्य घरेलू पीएक्स-13 उत्पादकों के लिए डंप किए गए 4-एडीपीए की उपलब्धता उन्हें कम कीमतों पर पीएक्स-13 का उत्पादन और बिक्री करने में सक्षम बनाती है, जिससे आवेदक के पीएक्स-13 उत्पादन, लागत और कैप्टिव 4-एडीपीए की व्यावसायिक व्यवहार्यता प्रभावित होती है। आवेदक ने डब्ल्यूटीओ न्यायशास्त्र और प्राधिकरण के पिछले निष्कर्षों पर भरोसा किया जहां चोट विश्लेषण के लिए कैप्टिव खपत पर विचार किया गया था। यह आगे प्रस्तुत किया गया था कि अकेले पीएक्स-13 पर शुल्क अप्रभावी हो सकता है यदि 4-एडीपीए डंप किए गए मूल्यों पर उपलब्ध रहता है, और इसके विपरीत, क्योंकि किसी भी उत्पाद की निरंतर डंपिंग डाउनस्ट्रीम बाजार में आवेदक की बिक्री और कीमतों को सीमित करेगी।
- ii. 4-एडीपीए के आयात चोट अवधि के दौरान पूर्ण और सापेक्ष रूप में बढ़े, पीओआई के दौरान मामूली गिरावट का श्रेय पीएक्स-13 के बढ़े हुए आयात को दिया गया। यह आगे प्रस्तुत किया गया था कि आवेदक का पीएक्स-13 उत्पादन तब घटा जब 4-एडीपीए के आयात बढ़े और उसके बाद भी दबाव में बना रहा। आवेदक ने यह भी प्रस्तुत किया कि 4-एडीपीए की मांग सीधे पीएक्स-13 की मांग से जुड़ी है।
- iii. पीओआई के दौरान मूल्य अंडरकटिंग केवल इसलिए नकारात्मक थी क्योंकि इसने बड़े ऑर्डर को सुरक्षित करने के लिए अत्यधिक प्रतिस्पर्धी कीमतें प्रदान कीं, और इसकी विक्रय कीमतें उदास बनी रहीं। पर्याप्त क्षमता के बावजूद, चोट अवधि के दौरान उत्पादन और क्षमता उपयोग घटा, पीओआई के दौरान केवल मामूली सुधार के साथ। घरेलू बिक्री भी शुरुआती वर्षों में कम कैप्टिव खपत के कारण घटी, जबकि अन्य पीएक्स-13 उत्पादकों ने कथित तौर पर डंप किए गए 4-एडीपीए का उपयोग करके अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाई। आवेदक ने प्रस्तुत किया कि घरेलू बिक्री में बाद की वृद्धि ऑर्डर सुरक्षित करने के उसके स्वयं के प्रयासों के कारण थी।
- iv. इसने चोट अवधि के दौरान महत्वपूर्ण बिक्री और बाजार हिस्सेदारी का नुकसान उठाया और इसकी वास्तविक बिक्री इसकी संभावित बिक्री से काफी कम रही। यह प्रस्तुत किया गया था कि आवेदक उचित विक्रय कीमतों पर ₹230 करोड़ से अधिक की घरेलू बिक्री प्राप्त कर सकता था, जबकि पीओआई के दौरान वास्तविक बिक्री लगभग ₹14 करोड़ थी। आवेदक ने यह भी प्रस्तुत किया कि पर्याप्त क्षमता

होने के बावजूद व्यापारी बाजार में इसकी बाजार हिस्सेदारी 10% से नीचे रही, और ऐसी कम बाजार हिस्सेदारी को प्राधिकरण ने अन्य जांचों में स्वीकार किया है।

- v. इन्वेंट्री स्तर चोट अवधि में बढ़ा, पीओआई के दौरान मामूली गिरावट के बावजूद, जबकि लाभप्रदता और आरओसीई कई वर्षों में नकारात्मक रहे, जिसमें पीओआई भी शामिल है। यह तर्क दिया गया कि 2022-23 में सकारात्मक लाभप्रदता यूरोप से आयात की उच्च कीमतों के कारण थी। आवेदक ने आगे प्रस्तुत किया कि आयात कीमतों से कम की पेशकशों के बावजूद उपभोक्ताओं से ऑर्डर प्राप्त नहीं हुए, हालांकि ऐसे ऑर्डर सकारात्मक योगदान उत्पन्न कर सकते थे और नकदी प्रवाह में सुधार कर सकते थे।
- vi. इसकी वृद्धि मात्रा और मूल्य दोनों मापदंडों के संदर्भ में महत्वपूर्ण रूप से घटी, और डंपिंग मार्जिन डी मिनिमिस स्तर से ऊपर और महत्वपूर्ण था। तदनुसार, यह प्रस्तुत किया गया कि आयात, कीमतों, उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री, बाजार हिस्सेदारी, इन्वेंट्री और लाभप्रदता में रुझान चोट और डंप किए गए आयात के साथ कारण संबंध स्थापित करते हैं।

छ.3 प्राधिकरण द्वारा जांच

64. एंटी-डंपिंग नियमों का नियम 11 अनुलग्नक II के साथ पठित प्रावधान करता है कि चोट निर्धारण में उन कारकों की जांच शामिल होगी जो घरेलू उद्योग को चोट का संकेत दे सकते हैं, "... सभी प्रासंगिक तथ्यों को ध्यान में रखते हुए, जिसमें डंप किए गए आयात की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनका प्रभाव और ऐसे आयातों का ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर परिणामी प्रभाव शामिल है..."¹ कीमतों पर डंप किए गए आयात के प्रभाव की जांच करते समय, यह जांचना आवश्यक माना जाता है कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में डंप किए गए आयात द्वारा महत्वपूर्ण मूल्य अंडरकटिंग हुई है, या क्या ऐसे आयात का प्रभाव अन्यथा कीमतों को महत्वपूर्ण डिग्री तक कम करना है या मूल्य वृद्धि को रोकना है, जो अन्यथा महत्वपूर्ण डिग्री तक होती। भारत में घरेलू उद्योग पर डंप किए गए आयात के प्रभाव की जांच के लिए, उद्योग की स्थिति पर असर डालने वाले सूचकांक जैसे उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, इन्वेंट्री, लाभप्रदता, शुद्ध बिक्री प्राप्ति, डंपिंग की मात्रा और मार्जिन, आदि को नियमों के अनुलग्नक II के अनुसार विचार किया गया है।
65. यह तर्क दिया गया है कि घरेलू उद्योग का उत्पादन घटा है, जिससे उत्पादन लागत में वृद्धि हुई और परिणामस्वरूप चोट हुई। प्राधिकरण ने नीचे गैर-विशेषता विश्लेषण में घरेलू उद्योग के उत्पादन पर कैप्टिव खपत में गिरावट के प्रभाव की जांच की है, और उत्पादन में गिरावट के उस हिस्से को डंप किए गए आयात के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया है जो कम कैप्टिव खपत से उत्पन्न होता है।

66. नियमों के अनुलग्नक II का पैरा (iii) आयात के संचयी विश्लेषण से संबंधित है। यह निम्नानुसार पढ़ा जाता है:
- (iii) ऐसे मामलों में जहां एक से अधिक देश से किसी उत्पाद के आयात एक साथ एंटी-डंपिंग जांच के अधीन हैं, नामित प्राधिकरण ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन करेगा, केवल जब वह निर्धारित करता है कि, -
- (क) प्रत्येक देश से आयात के संबंध में स्थापित डंपिंग मार्जिन निर्यात मूल्य के प्रतिशत के रूप में व्यक्त दो प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से आयात की मात्रा समान वस्तु के आयात का तीन प्रतिशत है या जहां व्यक्तिगत देशों का निर्यात तीन प्रतिशत से कम है, आयात सामूहिक रूप से समान वस्तु के आयात का सात प्रतिशत से अधिक है; और*
- (ख) आयातित उत्पादों के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों और आयातित उत्पादों और समान घरेलू उत्पाद के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के आलोक में आयात के प्रभावों का संचयी मूल्यांकन उपयुक्त है।
67. प्राधिकरण ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन करेगा, यदि वह निर्धारित करता है कि:
- क. प्रत्येक देश से आयात के संबंध में स्थापित डंपिंग मार्जिन निर्यात मूल्य के प्रतिशत के रूप में व्यक्त दो प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से आयात की मात्रा समान वस्तु के आयात का तीन प्रतिशत (या अधिक) है या जहां व्यक्तिगत देशों का निर्यात तीन प्रतिशत से कम है, आयात सामूहिक रूप से समान वस्तु के आयात का सात प्रतिशत से अधिक है, और
- ख. आयातित लेख और समान घरेलू लेख के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के आलोक में आयात के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन उपयुक्त है।
68. प्राधिकरण नोट करता है कि:
- क. विषय वस्तु विषय देशों से भारत में डंप की जा रही है। प्रत्येक विषय देश से डंपिंग मार्जिन नियमों के तहत निर्धारित डी मिनिमिस सीमा से अधिक है।
- ख. प्रत्येक विषय देश से आयात की मात्रा व्यक्तिगत रूप से कुल आयात मात्रा का 3% से अधिक है।
- ग. आयात के प्रभावों का संचयी मूल्यांकन उपयुक्त है क्योंकि विषय देशों से आयात न केवल उनमें से प्रत्येक द्वारा प्रस्तुत समान लेखों के साथ सीधे प्रतिस्पर्धा करते हैं बल्कि भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत समान लेखों के साथ भी प्रतिस्पर्धा करते हैं।
- घ. जांच की अवधि के दौरान विषय देशों के अलावा अन्य देशों से विचाराधीन उत्पाद का कोई आयात नहीं था।
69. उपरोक्त के आलोक में, प्राधिकरण विषय देशों से विचाराधीन उत्पाद के डंप किए गए आयात के प्रभावों का घरेलू उद्योग पर संचयी मूल्यांकन करना उपयुक्त मानता है।
70. यह तर्क दिया गया है कि घरेलू उद्योग को होने वाली चोट पीएक्स-13 की डंपिंग के लिए जिम्मेदार है और पीएक्स-13 पर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाना ऐसी चोट को दूर करेगा। यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग

ने अपने पीएक्स-13 संचालन में भौतिक चोट उठाई है और अंतिम निष्कर्ष संख्या 6/10/2025-डीजीटीआर दिनांक 24.06.2026 के माध्यम से, प्राधिकरण ने पीएक्स-13 के डंप किए गए आयात पर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने की सिफारिश की है। घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि 4-एडीपीए की डंपिंग भी पीएक्स-13 के अपने प्रदर्शन को प्रभावित कर रही है क्योंकि यह पीएक्स-13 के अन्य उत्पादकों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में असमर्थ है। घरेलू उद्योग ने यह प्रदर्शित करने वाली जानकारी भी प्रदान की है कि एंटी-डंपिंग शुल्क लगाना पीएक्स-13 और 4-एडीपीए दोनों के संबंध में उठाई गई चोट का समाधान कैसे करेगा। हालांकि, जबकि पीएक्स-13 पर शुल्क लगाना पीएक्स-13 के संबंध में चोट को आंशिक रूप से दूर करने की उम्मीद है, घरेलू उद्योग का प्रदर्शन इष्टतम से कम बना रहेगा। वर्तमान जांच में, प्राधिकरण ने अपनी जांच 4-एडीपीए से संबंधित संचालन तक सीमित की है, और नीचे दिया गया चोट विश्लेषण पूरी तरह से 4-एडीपीए से संबंधित है।

छ.3.1 मांग/प्रत्यक्ष खपत का आकलन

71. वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए, भारत में समान लेख की मांग या प्रत्यक्ष खपत को घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री, अन्य भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्री, और सभी स्रोतों से विचाराधीन उत्पाद के आयात के योग के रूप में परिभाषित किया गया है। इस प्रकार आंकी गई मांग नीचे तालिका में दी गई है।

क्र.सं.	विवरण	इकाइयाँ	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
1	घरेलू उद्योग की बिक्री	एमटी	***	***	***	***
2	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	22	130	341
3	अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	एमटी	-	-	-	-
4	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	-	-	-	-
5	विषय देशों से आयात	एमटी	4,103	6,850	7,424	7,682
6	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	167	181	187
7	अन्य देशों से आयात	एमटी	88	-	-	-
8	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	-	-	-
9	कैप्टिव खपत को छोड़कर मांग/खपत	एमटी	***	***	***	***
10	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	158	175	189
11	कैप्टिव खपत	एमटी	***	***	***	***
12	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	97	82	86
13	कैप्टिव खपत सहित मांग/खपत	एमटी	***	***	***	***
14	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	112	104	111

72. यह देखा गया है कि:

क. कैप्टिव खपत को छोड़कर मांग/खपत चोट अवधि में लगातार बढ़ी, 2021-22 में सूचकांक 100 से जांच की अवधि में सूचकांक 189 तक।

ख. कैप्टिव खपत सहित मांग/खपत 2022-23 में बढ़ी, 2023-24 में घटी और जांच की अवधि में फिर से बढ़ी, चोट अवधि में सूचकांक 100 से सूचकांक 111 तक।

73. यह देखा गया है कि घरेलू बाजार में उत्पाद के केवल तीन उपयोगकर्ता हैं - लैंक्सेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, फिनोरकेम इंडिया लिमिटेड और घरेलू उद्योग। घरेलू उद्योग घरेलू बाजार में बिक्री करता है, और उत्पाद का कैप्टिव रूप से भी उपभोग करता है। तीनों संस्थाएं पीएक्स-13 का उत्पादन करने के लिए उत्पाद का उपयोग करती हैं। यह देखा गया है कि जांच की अवधि में, फिनोरकेम इंडिया लिमिटेड ने यूरोपीय संघ से पूरी सामग्री खरीदी है और लैंक्सेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने घरेलू उद्योग के साथ-साथ चीन से भी खरीदा है।

छ.3.2 डंप किए गए आयात का मात्रात्मक प्रभाव

74. आयात की मात्रा के संबंध में, प्राधिकरण को यह विचार करना आवश्यक है कि क्या विषय देश से डंप किए गए आयात में पूर्ण रूप में या भारत में उत्पादन या खपत के सापेक्ष महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। इसका विश्लेषण नीचे तालिका में किया गया है।

क्र.सं.	विवरण	इकाइयाँ	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
1	विषय देश	एमटी	4,103	6,850	7,424	7,682
2	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	167	181	187
3	अन्य देश	एमटी	88	-	-	-
4	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	-	-	-
5	भारत के उत्पादन के संबंध में विषय देशों से आयात	%	***	***	***	***
6	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	170	217	217
7	भारतीय मांग (कैप्टिव सहित)	%	***	***	***	***
8	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	148	174	165
9	भारतीय मांग (कैप्टिव को छोड़कर)	%	***	***	***	***
10	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	106	103	99
11	कुल आयात	%	98%	100%	100%	100%
12	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	102	102	102

75. यह देखा गया है कि विषय देशों से आयात 2021-22 में 4,103 मीट्रिक टन से 2022-23 में 6,850 मीट्रिक टन तक बढ़ा, 2023-24 में 7,424 मीट्रिक टन तक और बढ़ा, और उसके बाद पीओआई के दौरान 7,682

मीट्रिक टन तक बढ़ा। प्राधिकरण नोट करता है कि विषय देशों से आयात पूरी चोट अवधि में लगातार बढ़ा है।

76. भारतीय उत्पादन के संबंध में आयात 2021-22 में ***% से 2022-23 में ***% तक और 2023-24 में ***% तक लगातार बढ़ा, और पीओआई के दौरान ***% पर बना रहा। भारतीय मांग के संबंध में आयात, कैप्टिव खपत सहित, 2021-22 में ***% से 2022-23 में ***% और 2023-24 में ***% तक बढ़ा, पीओआई के दौरान ***% तक गिरने से पहले।
77. प्राधिकरण नोट करता है कि चोट अवधि में विषय देशों से आयात पूर्ण रूप में 87% बढ़ा, जबकि कैप्टिव खपत सहित भारतीय मांग में 11% की वृद्धि हुई। तदनुसार कैप्टिव खपत सहित भारतीय मांग में उनकी हिस्सेदारी ***% से ***% हो गई, और भारतीय उत्पादन के संबंध में उनकी मात्रा ***% से ***% हो गई। पूरी चोट अवधि में विषय आयात गैर-कैप्टिव बाजार का ***% से ***% के बीच थे। तदनुसार प्राधिकरण मानता है कि विषय देशों से आयात चोट अवधि में महत्वपूर्ण रूप से बढ़ा है, दोनों पूर्ण रूप में और भारत में उत्पादन और खपत के संबंध में।

छ.3.3 डंप किए गए आयात का मूल्य प्रभाव

78. घरेलू उद्योग की कीमतों पर डंप किए गए आयात के प्रभाव के संबंध में, यह विश्लेषण किया जाना आवश्यक है कि क्या भारत में समान उत्पादों की कीमत की तुलना में कथित डंप किए गए आयात द्वारा महत्वपूर्ण मूल्य अंडरकटिंग हुई है, या क्या ऐसे आयात का प्रभाव अन्यथा कीमतों को कम करना या मूल्य वृद्धि को रोकना है, जो अन्यथा सामान्य पाठ्यक्रम में होती। विषय देश से डंप किए गए आयात के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव की जांच मूल्य अंडरकटिंग, मूल्य दमन और मूल्य अवसाद, यदि कोई हो, के संदर्भ में की गई है। इस विश्लेषण के प्रयोजन के लिए, घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत और शुद्ध बिक्री प्राप्ति (एनएसआर) की तुलना विषय देश से विषय वस्तु के आयात की लैंडेड कीमत से की गई है।

क. कीमत कम करना

79. मूल्य अंडरकटिंग विश्लेषण के प्रयोजन के लिए, घरेलू उद्योग की शुद्ध विक्रय कीमत की तुलना विषय देशों से आयात की लैंडेड कीमत से की गई है। तदनुसार, विषय देशों से डंप किए गए आयात के मूल्य प्रभाव निम्नानुसार हैं:

क्र.सं.	विवरण	इकाइयाँ	चीन जनवादी गणराज्य	यूरोपीय संघ	विषय देश
1	आयात मात्रा	एमटी	3,666	4,016	7,682
2	शुद्ध बिक्री प्राप्ति	रु. / एमटी	***	***	***
3	अवतरण कीमत	रु. / एमटी	2,35,386	2,47,671	2,41,808
4	मूल्य अधोवर्तन	रु. / एमटी	***	***	***
5	मूल्य अधोवर्तन	%	***	***	***
6	मूल्य अधोवर्तन	सीमा	ऋणात्मक	ऋणात्मक	ऋणात्मक

80. प्राधिकरण नोट करता है कि मूल्य अंडरकटिंग चीन पीआर (***) और यूरोपीय संघ (***) दोनों के संबंध में नकारात्मक है, और भारित औसत आधार पर भी नकारात्मक (***) है। घरेलू उद्योग ने प्रस्तुत किया है कि नकारात्मक मूल्य अंडरकटिंग बड़े मात्रा के ऑर्डर को सुरक्षित करने के लिए अपने एक उपभोक्ता को दी जाने वाली अत्यधिक प्रतिस्पर्धी कीमतों के कारण है। इसने आगे प्रस्तुत किया है कि, हालांकि ऐसी कीमतें उत्पादन लागत से कम थीं और घाटे में परिणत हुईं, विक्रय कीमतें परिवर्तनीय लागत से ऊपर रहीं और इस प्रकार निश्चित लागतों के प्रति सकारात्मक योगदान उत्पन्न किया। प्राधिकरण ने इस संबंध में घरेलू उद्योग की प्रस्तुतियों पर ध्यान दिया है।

ख. मूल्य दमन/अवसाद

81. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या डंप किए गए आयात घरेलू कीमतों को कम कर रहे हैं और क्या ऐसे आयात का प्रभाव कीमतों को महत्वपूर्ण डिग्री तक दबाना है या मूल्य वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा सामान्य पाठ्यक्रम में होती, चोट अवधि में लागत और कीमतों में परिवर्तन की तुलना नीचे की गई है:

क्र.सं.	विवरण	इकाइयाँ	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
1	बिक्री मूल्य	रु. /एमटी	***	***	***	***
2	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	160	128	109
3	परिवर्तन	रु. /एमटी	***	***	***	***
4	बिक्री की लागत	रु. /एमटी	***	***	***	***
5	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	141	130	112
6	परिवर्तन	रु. /एमटी	***	***	***	***
7	अवतरण कीमत	रु. /एमटी	2,16,037	3,05,475	2,48,747	2,41,808
8	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	141	115	112
9	परिवर्तन	रु. /एमटी	-	89,438	-56,728	-6,939

82. यह देखा गया है कि,

- आधार वर्ष में, बिक्री मूल्य और बिक्री की लागत तथा आयातों की अवतरण कीमत तुलनीय थी। अवतरण कीमत, बिक्री की लागत से मामूली रूप से कम थी। उद्योग में वर्ष 2022-23 में, जबकि बिक्री की लागत 41 इंडेक्स अंक बढ़ी, बिक्री मूल्य 60 इंडेक्स अंक बढ़ा। यह वह वर्ष था जब घरेलू उद्योग का बिक्री मूल्य बिक्री की लागत से अधिक था।
- वर्ष 2023-24 में, जबकि बिक्री की लागत 11 इंडेक्स अंक घटी, बिक्री मूल्य 32 इंडेक्स अंक घटा। घरेलू उद्योग को पुनः हानि हुई।
- जांच अवधि में, जबकि बिक्री की लागत 18 इंडेक्स अंक घटी, बिक्री मूल्य 19 इंडेक्स अंक घटा। घरेलू उद्योग की हानियाँ जांच अवधि में सर्वाधिक हैं।

- iv. वर्ष 2022-23 में आयातों की अवतरण कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री की लागत से अधिक थी, किंतु इसके बाद इसमें गिरावट आई है और वर्ष 2023-24 तथा जांच अवधि में यह बिक्री की लागत से कम है।
 - v. तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में, जांच की अवधि में विक्रय मूल्य घटा है, जो दर्शाता है कि जांच की अवधि में घरेलू उद्योग के विक्रय मूल्य उदास हैं।
 - vi. आधार वर्ष की तुलना में, घरेलू उद्योग के विक्रय मूल्य में 9 सूचकांक अंक की वृद्धि हुई, जबकि इसकी बिक्री लागत में 12 सूचकांक अंक की वृद्धि हुई, जो दर्शाता है कि यह अपनी लागतों की वसूली के लिए अपनी कीमतें बढ़ाने में असमर्थ रहा है। विषय आयात की लैंडेड कीमत 2023-24 में घरेलू उद्योग की बिक्री लागत से ₹***/मीट्रिक टन नीचे थी और जांच की अवधि में इससे केवल ₹***/मीट्रिक टन ऊपर थी — एक ऐसा स्तर जिस पर बिक्री लागत की वसूली नहीं की जा सकती, उचित प्रतिफल कमाना तो दूर की बात है। तदनुसार घरेलू उद्योग की कीमतें दबाई गई हैं।
83. प्राधिकरण नोट करता है कि विषय आयात, जिन्होंने पूरी चोट अवधि में व्यापारी बाजार का 93% से 99% हिस्सा रखा, वह कीमत निर्धारित की जिस पर विचाराधीन उत्पाद भारत में उपलब्ध था। वह कीमत 2023-24 में घरेलू उद्योग की बिक्री लागत से ₹***/मीट्रिक टन नीचे थी और जांच की अवधि में इससे केवल ₹***/मीट्रिक टन ऊपर थी, जिससे घरेलू उद्योग के पास अपनी बिक्री लागत और उचित प्रतिफल की वसूली करने वाले स्तर पर मूल्य निर्धारित करने की कोई गुंजाइश नहीं बची; वास्तव में इसने विषय आयात की लैंडेड कीमत से ₹***/मीट्रिक टन नीचे और अपनी स्वयं की बिक्री लागत से ₹***/मीट्रिक टन नीचे बिक्री की। तदनुसार प्राधिकरण मानता है कि घरेलू उद्योग की कीमतें दबाई गई हैं। प्राधिकरण आगे नोट करता है कि जांच की अवधि में घरेलू उद्योग का विक्रय मूल्य इसकी बिक्री लागत में 18 सूचकांक अंक की गिरावट के मुकाबले 19 सूचकांक अंक घटा, जबकि विषय आयात की लैंडेड कीमत भी ₹***/मीट्रिक टन घटी, और तदनुसार मानता है कि इसकी कीमतें भी उदास हैं।

छ.3.4 घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंड

84. नियमों के अनुलग्नक II में आवश्यकता है कि चोट का निर्धारण ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर डंप किए गए आयात के परिणामी प्रभाव की वस्तुनिष्ठ जांच शामिल करे। ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर डंप किए गए आयात के परिणामी प्रभाव के संबंध में, नियम आगे प्रावधान करते हैं कि घरेलू उद्योग पर डंप किए गए आयात के प्रभाव की जांच में उद्योग की स्थिति पर असर डालने वाले सभी प्रासंगिक आर्थिक कारकों और सूचकांकों का उद्देश्यपूर्ण और निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होना चाहिए, जिसमें बिक्री, मुनाफे, उत्पादन, बाजार हिस्सेदारी, उत्पादकता, निवेश पर प्रतिफल या क्षमता के उपयोग में वास्तविक और संभावित गिरावट; घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक, डंपिंग मार्जिन की मात्रा; नकदी प्रवाह, इन्वेंट्री, रोजगार, मजदूरी, विकास, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव शामिल हैं। घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न चोट मापदंडों पर नीचे चर्चा की गई है।

क. उत्पादन, क्षमता, क्षमता उपयोग और बिक्री मात्रा

85. चोट अवधि में घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग निम्नलिखित तालिका में दिए गए हैं:

क्र.सं.	विवरण	इकाइयाँ	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
1	क्षमता	एमटी	***	***	***	***
2	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	100	100	100
3	उत्पादन	एमटी	***	***	***	***
4	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	98	83	86
5	क्षमता उपयोगिता	%	***	***	***	***
6	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	98	83	86
7	घरेलू बिक्री	एमटी	***	***	***	***
8	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	22	130	341
9	कैप्टिव खपत	एमटी	***	***	***	***
10	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	97	82	86

86. यह देखा गया है कि:

- क. घरेलू उद्योग की क्षमता पूरी चोट अवधि में समान रही और घरेलू मांग से अधिक है। 2021-22 की तुलना में 2022-23 में घरेलू उद्योग का उत्पादन और क्षमता उपयोग घटा। 2023-24 में घरेलू उद्योग का उत्पादन और क्षमता उपयोग और घटा। 2023-24 की तुलना में जांच की अवधि में उत्पादन और क्षमता उपयोग मामूली रूप से बढ़ा। चोट अवधि में, घरेलू उद्योग का उत्पादन और क्षमता उपयोग महत्वपूर्ण रूप से घटा है।
- ख. घरेलू उद्योग के पास निष्क्रिय क्षमता विषय देशों से आयात से अधिक है।
- ग. 2021-22 की तुलना में 2022-23 में घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री घटी। 2023-24 और जांच की अवधि में घरेलू बिक्री बढ़ी। जबकि मांग बढ़ी है, घरेलू बिक्री मामूली रूप से बढ़ी है। घरेलू उद्योग ने कहा है कि वह जांच की अवधि में अपने ग्राहकों को बढ़ी हुई मात्रा बेचने में सक्षम था क्योंकि उसने अपनी लागत से बहुत कम कीमत पर बिक्री की।
- घ. महत्वपूर्ण निष्क्रिय क्षमताओं के साथ काम करने के बावजूद, घरेलू उद्योग पूरी चोट अवधि में बहुत सीमित मात्रा ही बेच पाया है क्योंकि महत्वपूर्ण आयात हैं।
- ङ. घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि 4-एडीपीए की डंपिंग पीएक्स-13 की इसकी बिक्री को भी प्रतिकूल रूप से प्रभावित कर रही है जहां यह पीएक्स-13 के डंप किए गए आयात और पीएक्स-13 के अन्य उत्पादकों के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहा है जो डंप किए गए 4-एडीपीए का उपभोग करते हैं। यह देखा गया

है कि घरेलू उद्योग पीएक्स-13 बनाने के लिए उत्पाद का कैप्टिव रूप से उपभोग करता है और घरेलू बाजार में पीएक्स-13 के अन्य उत्पादकों के साथ बिक्री करता है जो पीएक्स-13 का उत्पादन करने के लिए आयातित 4-एडीपीए पर निर्भर हैं।

ख. बाजार हिस्सेदारी

87. घरेलू उद्योग और भारत में आयात की बाजार हिस्सेदारी, कैप्टिव खपत को छोड़कर मांग/खपत के संदर्भ में मापी गई, और कैप्टिव खपत सहित, नीचे तालिका में दिखाई गई है:

क्र.सं.	विवरण	इकाइयाँ	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
1	घरेलू उद्योग	%	***	***	***	***
2	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	14	77	197
3	विषय देश	%	***	***	***	***
4	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	103	101	96
5	अन्य देश	%	***	***	***	***
6	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	-	-	-	-

कैप्टिव खपत सहित तालिका

क्र.सं.	बाजार हिस्सेदारी	इकाइयाँ	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
1	घरेलू उद्योग	%	***	***	***	***
2	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	86	79	80
3	अन्य भारतीय उत्पादक	%	***	***	***	***
4	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	-	-	-	-
5	विषय देशों से आयात	%	***	***	***	***
6	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	149	173	168
7	अन्य देशों से आयात	%	***	***	***	***
8	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	-	-	-

88. उपरोक्त के आधार पर, प्राधिकरण नोट करता है कि:

- गैर-कैप्टिव बाजार के संबंध में, यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग की बाजार हिस्सेदारी, अनुक्रमित रूप में, 2021-22 में 100 से 2022-23 में 14 तक तेजी से घटी, और उसके बाद 2023-24 में 77 और जांच की अवधि में 197 तक बढ़ी। हालांकि, ऐसी वृद्धि के बावजूद, घरेलू उद्योग की बाजार हिस्सेदारी पूरी चोट अवधि में प्रतिशत के संदर्भ में एकल अंकों में रही।
- तदनुसार, यह नोट किया गया है कि गैर-कैप्टिव बाजार में विषय आयात की बाजार हिस्सेदारी पूरी चोट अवधि में अत्यधिक प्रभावी रही। विषय आयात की बाजार हिस्सेदारी का सूचकांक 2021-22 में 100 से 2022-23 में 103 हो गया, और उसके बाद 2023-24 में मामूली रूप से घटकर 101 और

- जांच की अवधि में 96 हो गया। प्रतिशत के संदर्भ में, विषय आयात द्वारा धारित बाजार हिस्सेदारी चोट अवधि में ***% से ***% के बीच रही।
- iii. गैर-कैप्टिव बाजार में अन्य देशों से आयात की बाजार हिस्सेदारी पूरी चोट अवधि में शून्य/नगण्य रही।
 - iv. कैप्टिव खपत सहित बाजार के संबंध में, यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग की बाजार हिस्सेदारी अनुक्रमित रूप में लगातार घटी, 2021-22 में 100 से 2022-23 में 86 और 2023-24 में 79, जांच की अवधि में 80 तक मामूली वृद्धि के साथ। प्रतिशत के संदर्भ में, घरेलू उद्योग की बाजार हिस्सेदारी 2021-22 में ***% से जांच की अवधि में ***% तक घटी।
 - v. तदनुसार, विषय आयात की बाजार हिस्सेदारी (कैप्टिव खपत सहित) अनुक्रमित रूप में 2021-22 में 100 से 2022-23 में 149 और 2023-24 में 173 तक बढ़ी, और उसके बाद जांच की अवधि में मामूली रूप से घटकर 168 हो गई। प्रतिशत के संदर्भ में, विषय आयात की बाजार हिस्सेदारी 2021-22 में ***% से जांच की अवधि में ***% तक बढ़ी।
 - vi. चोट अवधि में विषय वस्तु का कोई अन्य भारतीय उत्पादक नहीं था। अन्य देशों से आयात (कैप्टिव खपत सहित) केवल 2021-22 में देखा गया और बाद के वर्षों में अनुपस्थित था।
 - vii. इस प्रकार प्राधिकरण नोट करता है कि घरेलू उद्योग ने चोट अवधि में विषय देशों से आयात को लगातार बाजार हिस्सेदारी खोई है, दोनों गैर-कैप्टिव बाजार में और कैप्टिव खपत सहित समग्र बाजार में, जांच की अवधि में देखी गई मामूली वसूली के बावजूद। विषय देशों द्वारा धारित बाजार हिस्सेदारी घरेलू उद्योग की तुलना में महत्वपूर्ण रूप से अधिक बनी हुई है, जो स्थापित करती है कि विषय आयात भारतीय बाजार पर हावी बने हुए हैं।

ग. इन्वेंटरी

क्र.सं.	विवरण	इकाइयाँ	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
1	प्रारंभिक भंडार	एमटी	***	***	***	***
2	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	95	457	633
3	अंतिम भंडार	एमटी	***	***	***	***
4	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	481	667	111
5	औसत भंडार	एमटी	***	***	***	***
6	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	283	559	379

89. यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग की औसत इन्वेंट्री 2021-22 और 2023-24 के बीच तेजी से बढ़ी, सूचकांक 100 से 559 तक, जांच की अवधि में सूचकांक 379 तक गिरने से पहले। जबकि इन्वेंट्री स्तर जांच की अवधि में कम हुए, वे विचाराधीन उत्पाद की मांग में वृद्धि के बावजूद आधार वर्ष की तुलना में महत्वपूर्ण रूप से ऊंचे बने हुए हैं।

घ. लाभप्रदता, नकद मुनाफे और नियोजित पूंजी पर प्रतिफल

क्र.सं.	विवरण	इकाइयाँ	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
1	लाभ/(हानि)	रु. लाख	***	***	***	***
2	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	-100	1,482	-1,348	-4,461
3	पीबीआईटी	रु. लाख	***	***	***	***
4	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	-100	2,063	-1,763	-5,904
5	नकद लाभ	रु. लाख	***	***	***	***
6	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	128	120	245
7	निवेश पर प्रतिफल	%	***	***	***	***
8	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	-100	8,805	-971	-1,776

90. यह देखा गया है कि,

- क. घरेलू उद्योग का लाभ 2022-23 में सकारात्मक हो गया, 2023-24 में घाटे में लौटने से पहले, जांच की अवधि में घाटे और बढ़ने के साथ। घरेलू उद्योग ने प्रस्तुत किया है कि 2022-23 में अर्जित मुनाफा चीन में शून्य कोविड नीति और वैश्विक माल दुलाई मुद्दे के कारण था, जिसके कारण पूरे वर्ष आयात उपलब्ध नहीं थे, जिससे घरेलू उद्योग बेहतर कीमतें प्राप्त कर सका। पीबीआईटी ने लाभ में गति को प्रतिबिंबित किया, 2022-23 में सकारात्मक हो गया, 2023-24 में घाटे में गिरने से पहले, जो जांच की अवधि में और बढ़ा।
- ख. नकद मुनाफे, हालांकि, 2022-23 में बढ़े, 2023-24 में मामूली रूप से घटे, और जांच की अवधि में और बढ़े; यह सुधार, हालांकि, पीबीआईटी और शुद्ध लाभ स्तर पर दर्ज घाटे की भरपाई नहीं करता है।
- ग. निवेश पर प्रतिफल ने लाभ और पीबीआईटी के समान रुझान का पालन किया - 2022-23 में सुधार, 2023-24 में नकारात्मक होने से पहले और जांच की अवधि में और गिरावट।
- घ. इस प्रकार घरेलू उद्योग ने जांच की अवधि में वित्तीय घाटा और नियोजित पूंजी पर नकारात्मक प्रतिफल उठाया है।

ड. रोजगार, उत्पादकता और मजदूरी

91. चोट अवधि में घरेलू उद्योग के रोजगार, उत्पादकता और मजदूरी नीचे तालिका में दिए गए हैं।

क्र.सं.	विवरण	इकाइयाँ	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
1	कर्मचारियों की संख्या	संख्या	***	***	***	***
2	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	109	100	104

3	प्रति कर्मचारी उत्पादन	एमटी /संख्या	***	***	***	***
4	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	90	83	82
5	प्रति दिन उत्पादन	एमटी /दिन	***	***	***	***
6	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	98	83	86
7	मजदूरी	रु. लाख	***	***	***	***
8	प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	109	113	112

92. यह देखा गया है कि:

- क. घरेलू उद्योग में कर्मचारियों की संख्या चोट अवधि में मोटे तौर पर स्थिर रही।
- ख. प्रति दिन और प्रति कर्मचारी उत्पादन उत्पादन में गिरावट के साथ चोट अवधि में घटा।
- ग. घरेलू उद्योग द्वारा भुगतान की गई मजदूरी चोट अवधि में बढ़ी।

च. विकास

93. निम्नलिखित तालिका चोट अवधि में घरेलू उद्योग के विकास मापदंडों को दर्शाती है।

क्र.सं.	विवरण	इकाई	2022-23	2023-24	पीओआई
1	क्षमता उपयोग	%	-2%	-15%	3%
2	उत्पादन	%	-2%	-15%	3%
3	घरेलू बिक्री	%	-78%	480%	163%
4	लाभ/(हानि)-रु. /एमटी	%	-6714%	-116%	26%
5	PBIT-रु. लाख में	%	-2163%	-185%	-235%
6	नकद लाभ – रु. लाख में	%	28%	-6%	103%

94. जांच की अवधि में, उत्पादन 2022-23 में 2% और 2023-24 में 15% गिरने के बाद, मामूली रूप से 3% बढ़ा। घरेलू बिक्री, 2022-23 में 78% तेजी से गिरने के बाद, 2023-24 में 480% और पीओआई में 163% और बढ़ी; हालांकि, यह स्पष्ट वृद्धि बहुत कम आधार पर है और पूर्ण बिक्री मात्रा कम बनी हुई है। लाभप्रदता मापदंडों ने अस्थिर प्रवृत्ति प्रदर्शित की। प्रति मीट्रिक टन लाभ/(हानि) 2022-23 में 6714% तेजी से बढ़ा, लेकिन उसके बाद 2023-24 में 116% और पीओआई में 26% और घटा। इसी तरह, पीबीआईटी 2022-23 में 2163% बढ़ा, लेकिन 2023-24 में 185% घटा और पीओआई में 235% और घटा। नकद लाभ, हालांकि, 2022-23 में 28% बढ़ा, 2023-24 में 6% घटा, और उसके बाद पीओआई में 103% सुधरा। इस प्रकार, जबकि उत्पादन और घरेलू बिक्री ने कुछ वसूली दिखाई और नकद लाभ ने पीओआई में सुधार दर्ज किया, घरेलू उद्योग का लाभ और पीबीआईटी जांच की अवधि में महत्वपूर्ण गिरावट दिखाते रहे।

छ. पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता

95. प्राधिकरण नोट करता है कि घरेलू उद्योग ने जांच की अवधि में घाटा दर्ज किया था। यह भी देखा गया है कि घरेलू उद्योग द्वारा नियोजित पूंजी पर प्रतिफल नकारात्मक है, जो कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को जुटाने के लिए पर्याप्त नहीं है। इसलिए, घरेलू उद्योग की पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता प्रभावित हुई है।

ज. कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

96. प्राधिकरण नोट करता है कि विषय आयात की लैंडेड कीमत 2023-24 में घरेलू उद्योग की बिक्री लागत से नीचे थी और जांच की अवधि में इससे केवल मामूली रूप से ऊपर थी। उन कीमतों पर विषय आयात द्वारा व्यापारी बाजार का 93% से 99% हिस्सा रखने के मुकाबले, घरेलू उद्योग ने लैंडेड कीमत से ₹***/मीट्रिक टन नीचे और अपनी स्वयं की बिक्री लागत से ₹***/मीट्रिक टन नीचे बिक्री की, और घाटा उठाया। ऊपर पैरा 82 और 83 में दर्ज कारणों से, डंप किए गए आयात घरेलू उद्योग की कीमतों को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक हैं।

झ. डंपिंग की मात्रा

97. डंपिंग की मात्रा इस बात का संकेतक है कि भारत में आयात किस हद तक डंप किया जा रहा है। जांच से पता चला है कि जांच की अवधि में डंपिंग मार्जिन सकारात्मक और महत्वपूर्ण है।

छ.3.5 चोट पर अवलोकन

98. विचाराधीन उत्पाद के आयात और घरेलू उद्योग के प्रदर्शन की जांच से पता चलता है कि:
- विषय देशों से आयात आधार वर्ष में 4,103 मीट्रिक टन से जांच की अवधि में 7,682 मीट्रिक टन तक बढ़ा। आयात पूर्ण रूप में बढ़ा है।
 - उत्पादन के संबंध में आयात आधार वर्ष में ***% से जांच की अवधि में ***% तक बढ़ा। खपत के संबंध में आयात आधार वर्ष में ***% से जांच की अवधि में ***% तक बढ़ा। आयात सापेक्ष रूप में बढ़ा है।
 - लैंडेड कीमत घरेलू उद्योग के विक्रय मूल्य से ऊपर है, जिसके परिणामस्वरूप नकारात्मक मूल्य अंडरकटिंग हुई। हालांकि, घरेलू उद्योग ने स्वीकार किया है कि उसने घरेलू बाजार में बेचने के लिए ऐसी प्रतिस्पर्धी कीमतों पर बिक्री की।
 - जांच की अवधि में घरेलू उद्योग की कीमतें उदास थीं।
 - चोट अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का उत्पादन और क्षमता उपयोग घटा।
 - चोट अवधि में घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री बढ़ी है। घरेलू उद्योग ने घरेलू बाजार में अपना उत्पाद बेचने के लिए बढ़ते घाटे पर बिक्री की है।
 - घरेलू उद्योग की बाजार हिस्सेदारी 2022-23 में घटी और उसके बाद बढ़ी। घरेलू उद्योग की बाजार हिस्सेदारी बढ़ी है क्योंकि घरेलू उद्योग ने जांच की अवधि में घाटे पर बिक्री की है।
 - औसत इन्वेंट्री चोट अवधि में बढ़ी।

- ix. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता 2022-23 में सुधरी, आरओआई ***% तक पहुंची; हालांकि, यह सुधार टिकाऊ नहीं था। 2023-24 में लाभप्रदता नकारात्मक हो गई और पीओआई के दौरान और खराब हुई, आरओआई ***% तक गिर गई।
- x. घरेलू उद्योग के नकद लाभ और नियोजित पूंजी पर प्रतिफल समान रूप से 2023-24 में सुधरे लेकिन उसके बाद 2023-24 और जांच की अवधि में नकारात्मक हो गए।
- xi. घरेलू उद्योग की पूंजी जुटाने की क्षमता प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुई है।
- xii. डंप किए गए आयात ने घरेलू उद्योग की कीमतों को प्रतिकूल रूप से प्रभावित किया है।
- xiii. जांच की अवधि में डंपिंग मार्जिन सकारात्मक और महत्वपूर्ण है।

छ.4 भौतिक चोट की धमकी

99. आवेदक ने शुरुआत के चरण में घरेलू उद्योग को भौतिक चोट और भौतिक चोट की धमकी दोनों का आरोप लगाया था। प्राधिकरण ने, ऊपर दर्ज कारणों से, पाया है कि घरेलू उद्योग ने विषय देशों से डंप किए गए आयात के कारण भौतिक चोट उठाई है। वर्तमान भौतिक चोट के इस निष्कर्ष को देखते हुए, प्राधिकरण भौतिक चोट की धमकी पर अलग निर्धारण की जांच करना और दर्ज करना आवश्यक नहीं मानता है।

ज. गैर-आरोपण और कारण-संबंध

100. नियमों के अनुसार, अन्य ज्ञात कारकों की जांच की जानी आवश्यक है, जो डंप किए गए आयात के अलावा, उसी समय घरेलू उद्योग को चोट पहुंचा रहे हों, ताकि इन अन्य कारकों से होने वाली चोट को डंप किए गए आयात के लिए जिम्मेदार न ठहराया जाए। नीचे जांच की गई है कि क्या डंप किए गए आयात के अलावा अन्य कारक घरेलू उद्योग को चोट में योगदान कर सकते थे। प्राधिकरण प्रारंभ में नोट करता है कि न तो अधिनियम और न ही नियम आवश्यक करते हैं कि एंटी-डंपिंग शुल्क लागू करने के लिए डंपिंग घरेलू उद्योग को चोट का एकमात्र कारण हो।

क. तीसरे देशों से आयात की मात्रा और मूल्य

101. प्राधिकरण नोट करता है कि जांच की अवधि के दौरान विषय देशों के अलावा अन्य देशों से विचाराधीन उत्पाद का कोई आयात नहीं था, अन्य देशों से 88 मीट्रिक टन का आयात केवल 2021-22 में दर्ज किया गया था। इसलिए, अन्य देशों से आयात घरेलू उद्योग को चोट का कारण नहीं हो सकता।

ख. मांग में संकुचन

102. प्राधिकरण नोट करता है कि चोट अवधि में मांग बढ़ी है और इसलिए घरेलू उद्योग को होने वाली चोट मांग में संकुचन के लिए जिम्मेदार नहीं है। जांच की अवधि के दौरान मांग बढ़ी, दोनों कैप्टिव खपत सहित और छोड़कर।

ग. खपत के पैटर्न में परिवर्तन

103. प्राधिकरण नोट करता है कि विचाराधीन उत्पाद की खपत के पैटर्न में कोई भौतिक परिवर्तन नहीं हुआ है, जो घरेलू उद्योग को चोट पहुंचा सकता हो।

घ. व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं

104. प्राधिकरण नोट करता है कि विचाराधीन उत्पाद की बिक्री किसी भी तरह से प्रतिबंधित नहीं है और कोई प्रतिबंधात्मक प्रथा प्राधिकरण के संज्ञान में नहीं लाई गई है।

ङ. प्रौद्योगिकी में विकास

105. प्राधिकरण नोट करता है कि विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी में कोई ज्ञात भौतिक परिवर्तन नहीं हुआ है।

च. उत्पादकता

106. प्रति कर्मचारी और प्रति दिन उत्पादकता उत्पादन में गिरावट के अनुरूप चोट अवधि में घटी। उत्पादकता में गिरावट डंप किए गए आयात के कारण कम उत्पादन और क्षमता उपयोग का परिणाम है, न कि घरेलू उद्योग को चोट पहुंचाने वाला एक स्वतंत्र कारक। डंप किए गए आयात के अभाव में, घरेलू उद्योग उच्च क्षमता उपयोग पर काम कर पाता, जिससे बेहतर उत्पादकता स्तर प्राप्त होता। तदनुसार, प्राधिकरण मानता है कि उत्पादकता घरेलू उद्योग को चोट का स्वतंत्र कारण नहीं है, बल्कि डंप किए गए आयात से होने वाली चोट का लक्षण है।

छ. निर्यात प्रदर्शन

107. प्राधिकरण नोट करता है कि ऊपर जांच की गई चोट की जानकारी केवल घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग के प्रदर्शन से संबंधित है। इस प्रकार, उठाई गई चोट को घरेलू उद्योग के निर्यात प्रदर्शन के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है।

ज. अन्य उत्पादों का प्रदर्शन

108. प्राधिकरण ने केवल विषय वस्तु के प्रदर्शन से संबंधित डेटा पर विचार किया है। इसलिए, उत्पादित और बेचे गए अन्य उत्पादों का प्रदर्शन घरेलू उद्योग को चोट का संभावित कारण नहीं है।

झ. डंपिंग और चोट के बीच कारण संबंध

109. यह तर्क दिया गया है कि घरेलू उद्योग के प्रदर्शन में गिरावट पीएक्स-13 के उत्पादन के लिए इसकी कैप्टिव खपत में कमी के लिए जिम्मेदार है। प्राधिकरण नोट करता है कि घरेलू उद्योग की कैप्टिव खपत 2021-22 में *** मीट्रिक टन से जांच की अवधि में *** मीट्रिक टन तक घटी, और उसी अवधि में इसके उत्पादन में *** मीट्रिक टन से *** मीट्रिक टन तक की गिरावट मुख्य रूप से उस गिरावट के कारण है। तदनुसार प्राधिकरण ने उत्पादन और क्षमता उपयोग में गिरावट के उस हिस्से को डंप किए गए आयात के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया है जो कम कैप्टिव खपत से उत्पन्न होता है। दूसरी ओर, घरेलू उद्योग के मूल्य और लाभप्रदता

मापदंडों की जांच इसकी व्यापारी बिक्री के संदर्भ में की गई है, जैसा कि ऊपर पैरा 17 में दर्ज है, और ये इसकी कैप्टिव खपत के स्तर से प्रभावित नहीं हैं। व्यापारी खंड में प्रतिकूल मूल्य प्रभाव, घाटे और नियोजित पूंजी पर नकारात्मक प्रतिफल, व्यापारी बाजार में घरेलू उद्योग की एकल अंकों की बाजार हिस्सेदारी, और पूरी चोट अवधि में विषय आयात द्वारा धारित उस बाजार का ***% से ***% के बीच हिस्सा, कैप्टिव खपत में गिरावट से समझाया नहीं जा सकता है, और डंप किए गए आयात के लिए जिम्मेदार हैं।

ज. डंपिंग और चोट के बीच कारण संबंध।

110. ऊपर सूचीबद्ध कारक स्पष्ट रूप से स्थापित करते हैं कि आवेदक को चोट अन्य सूचीबद्ध कारकों से नहीं बल्कि विषय देशों से डंप किए गए आयात के कारण हुई है। डंप किए गए आयात और घरेलू उद्योग को होने वाली भौतिक चोट के बीच कारण संबंध निम्नलिखित से स्पष्ट है:

- क. विषय देशों से आयात डंप किए गए मूल्यों पर हैं, जांच की अवधि में सकारात्मक और महत्वपूर्ण डंपिंग मार्जिन के साथ। जबकि लैंडेड कीमत के आधार पर मूल्य अंडरकटिंग नकारात्मक है, कम कीमत वाले डंप किए गए आयात की उपस्थिति ने घरेलू उद्योग को अपनी लागत में वृद्धि के अनुरूप अपनी कीमतें बढ़ाने से रोका है, जिसके परिणामस्वरूप मूल्य दमन हुआ, जैसा कि इस तथ्य से प्रमाणित है कि घरेलू उद्योग की बिक्री लागत चोट अवधि में इसके विक्रय मूल्य की तुलना में भौतिक रूप से अधिक दर से बढ़ी।
- ख. डंप किए गए आयात की मात्रा चोट अवधि में लगातार बढ़ी, पूर्ण रूप में और भारत में उत्पादन और खपत के संबंध में, जो दर्शाता है कि उपभोक्ताओं ने डंप किए गए मूल्यों पर विषय देशों से अपनी सोर्सिंग को तेजी से स्थानांतरित किया है।
- ग. पर्याप्त घरेलू उत्पादन क्षमता की उपलब्धता के बावजूद, विषय देशों से आयात पूरी चोट अवधि में लगातार बढ़ा, जिसमें जांच की अवधि भी शामिल है, जो दर्शाता है कि घरेलू उद्योग की क्षमता मांग को पूरा करने की क्षमता के बावजूद कम उपयोग की गई रही।
- घ. घरेलू उद्योग की बाजार हिस्सेदारी शुरुआती वर्षों में घटी और, जांच की अवधि में मामूली वसूली के बावजूद, अपनी क्षमता से काफी नीचे और घरेलू उद्योग की क्षमता से बहुत कम रही, जबकि विषय आयात की बाजार हिस्सेदारी पूरी चोट अवधि में अत्यधिक प्रभावी बनी रही।
- ड. घरेलू उद्योग की कैप्टिव खपत चोट अवधि के शुरुआती वर्षों में घटी और, जांच की अवधि में मामूली वसूली के बावजूद, आधार वर्ष के स्तर से नीचे रही। इस गिरावट की भरपाई के लिए, घरेलू उद्योग ने मात्रा के संदर्भ में अपनी व्यापारी बिक्री बढ़ाई; हालांकि, ऐसी बिक्री लागत से कम कीमतों पर की गई, जो दर्शाता है कि घरेलू उद्योग को डंप किए गए आयात के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए अलाभकारी कीमतों पर बेचने के लिए मजबूर होना पड़ा, जिससे इसकी लाभप्रदता और वित्तीय व्यवहार्यता कम हो गई।

- च. डंप किए गए आयात की कम कीमतों ने उपभोक्ताओं के खरीद निर्णयों को प्रभावित किया है, जिन्होंने पर्याप्त घरेलू उत्पादन क्षमता की उपलब्धता के बावजूद घरेलू उद्योग के बजाय विषय देशों से सोर्सिंग को प्राथमिकता दी है।
- छ. घरेलू उद्योग को डंप किए गए आयात के साथ प्रतिस्पर्धा में अपने उत्पाद की कीमत तय करने के लिए मजबूर किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप मूल्य दमन और अवसाद हुआ, क्योंकि चोट अवधि में आयात की लैंडेड कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री लागत के करीब और कुछ वर्षों में नीचे रही।
- ज. घरेलू उद्योग ने चोट अवधि में वित्तीय घाटा, ब्याज से पहले घाटा, और निवेश पर नकारात्मक प्रतिफल उठाया है, जो डंप किए गए आयात का सीधा परिणाम हैं और किसी अन्य ज्ञात कारक के लिए जिम्मेदार नहीं हैं।
- झ. प्राधिकरण नोट करता है कि घरेलू उद्योग को चोट विषय देशों से डंप किए गए आयात में वृद्धि के साथ-साथ हुई है, और अन्य ज्ञात कारकों - अर्थात् तीसरे देशों से आयात, मांग में संकुचन, खपत के पैटर्न में परिवर्तन, व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं, प्रौद्योगिकी में विकास, उत्पादकता, निर्यात प्रदर्शन, और अन्य उत्पादों का प्रदर्शन - की जांच से डंप किए गए आयात के अलावा कोई अन्य कारक प्रकट नहीं हुआ है जो घरेलू उद्योग को चोट पहुंचा सकता हो। तदनुसार, प्राधिकरण स्वयं को संतुष्ट कर चुका है कि घरेलू उद्योग को होने वाली भौतिक चोट विषय देशों से विषय वस्तु के डंप किए गए आयात के कारण है और किसी अन्य सूचीबद्ध कारक के कारण नहीं।

झ. चोट मार्जिन की मात्रा

111. प्राधिकरण ने नियमों के साथ पठित अनुलग्नक III में निर्धारित सिद्धांतों के आधार पर घरेलू उद्योग के लिए गैर-चोटकारक मूल्य निर्धारित किया है, जैसा कि संशोधित किया गया है। विषय वस्तु का गैर-चोटकारक मूल्य जांच की अवधि के लिए उत्पादन लागत से संबंधित सत्यापित जानकारी/डेटा को अपनाकर निर्धारित किया गया है। गैर-चोटकारक मूल्य को विषय देशों से लैंडेड कीमत की तुलना करने और चोट मार्जिन की गणना करने के लिए विचार किया गया है। गैर-चोटकारक मूल्य निर्धारित करने के लिए, चोट अवधि में घरेलू उद्योग द्वारा कच्चे माल के सर्वोत्तम उपयोग पर विचार किया गया है। उपयोगिताओं के साथ भी यही उपचार किया गया है। चोट अवधि में उत्पादन क्षमता के सर्वोत्तम उपयोग पर विचार किया गया है। यह सुनिश्चित किया जाता है कि उत्पादन लागत पर कोई असाधारण या गैर-आवर्ती खर्च नहीं लगाया गया है। विषय वस्तु के लिए औसत नियोजित पूंजी (यानी, औसत शुद्ध अचल संपत्ति और औसत कार्यशील पूंजी) पर 22% का उचित प्रतिफल ब्याज, कर और लाभ की ओर ले जाने के लिए अपनाया गया था, जो नियमों के अनुलग्नक III में निर्धारित गैर-चोटकारक मूल्य पर पहुंचने के लिए है।
112. सहयोगी निर्यातकों के लिए लैंडेड कीमत दायर प्रतिक्रिया के आधार पर निर्धारित की गई है। आयात की लैंडेड कीमत निर्धारित करने के लिए लागू सीमा शुल्क जोड़े गए हैं। विषय देशों से सभी गैर-सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए, प्राधिकरण ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर लैंडेड कीमत निर्धारित की है।

113. ऊपर निर्धारित लैंडेड कीमत और गैर-चोटकारक मूल्य के आधार पर, विषय देशों के उत्पादकों/निर्यातकों के लिए चोट मार्जिन प्राधिकरण द्वारा निर्धारित किया गया है और वही नीचे तालिका में दिया गया है:

क्र.सं.	देश	उत्पादक / निर्यातक	एन आई पी (यूएसडी/एमटी)	अवतरण मूल्य (यूएसडी/एमटी)	क्षति मार्जिन (यूएसडी/एमटी)	क्षति मार्जिन (%)	क्षति मार्जिन सीमा
क	चीन जनवादी गणराज्य						
1	चीन जनवादी गणराज्य	सेनिक्स कंपनी लिमिटेड आनहुई और सेनिक्स कंपनी लिमिटेड शानडोंग	***	***	***	***	10–20
2	चीन जनवादी गणराज्य	कोई अन्य उत्पादक	***	***	***	***	10–20
ख	यूरोपीय संघ						
1	यूरोपीय संघ	कोई भी	***	***	***	***	10–20

ज. भारतीय उद्योग का हित और अन्य मुद्दे

ज.1 विरोधी इच्छुक पार्टियों द्वारा प्रस्तुति

114. विरोधी इच्छुक पार्टियों ने भारतीय उद्योग के हित और अन्य मुद्दों के संबंध में निम्नलिखित प्रस्तुतियां की हैं:

- डाउनस्ट्रीम उपयोगकर्ता मुख्यतः घरेलू आपूर्ति की कमी के कारण आयात पर निर्भर हैं। जांच अवधि के दौरान आवेदक की कम क्षमता उपयोगिता और उत्पादन के रुक-रुक कर निलंबित होने के कारण उपयोगकर्ताओं के पास विदेशों से स्रोत प्राप्त करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा। अपने स्वयं के उपभोग के लिए विषय वस्तुओं के कैप्टिव अंतरण के पश्चात, भारतीय मांग को पूरा करने की घरेलू उद्योग की क्षमता गंभीर रूप से सीमित हो जाती है। अतः देश में विषय वस्तुओं के उपयोगकर्ता अपनी विषय वस्तुओं की नियमित खपत के लिए घरेलू उद्योग पर निर्भर नहीं रह सकते।
- 4-एडीपीए की उच्च लागत डाउनस्ट्रीम क्षेत्र में निवेश और नवाचार को प्रभावित करेगी, जिससे भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता कमजोर होगी। 4-एडीपीए पर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाया जाना डाउनस्ट्रीम उपयोगकर्ताओं पर गंभीर लागत भार डालेगा, जहां 4-एडीपीए कच्चे माल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और शुल्क बिना किसी राजस्व प्रतिपूर्ति के सीधे बेची गई वस्तुओं की लागत को बढ़ा देता है।

- iii. 4-एडीपीए डाउनस्ट्रीम उद्योगों, जिनमें फार्मास्यूटिकल्स, एग्रोकेमिकल्स, जल उपचार, वस्त्र और चिपकने वाले पदार्थ शामिल हैं, के लिए एक महत्वपूर्ण इनपुट है। 4-एडीपीए पर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने से डाउनस्ट्रीम निर्माताओं की इनपुट लागत बढ़ जाएगी, जो बढ़ी हुई लागत को अंतिम उपभोक्ताओं पर डालने में सक्षम नहीं हैं, जिससे उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता प्रभावित होगी।
- iv. मात्रात्मक साक्ष्य से पता चलता है कि 15% शुल्क डाउनस्ट्रीम परिचालनों की लागत में लगभग 11% की प्रभावी वृद्धि में परिवर्तित होगा, जिसमें लागत को आगे स्थानांतरित करने की सीमाएं, निश्चित मार्जिन और आपूर्ति श्रृंखला पर निर्भरता को ध्यान में रखा गया है, जिससे डाउनस्ट्रीम उपयोगकर्ताओं को महत्वपूर्ण रूप से नुकसान होगा तथा लाभप्रदता, उत्पादन और निर्यात बाजार हिस्सेदारी में कमी आएगी।
- v. एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने से व्यापार का विचलन होगा। विषय देशों से आयातों का स्थान जापान, यूएसए और कोरिया आरपी जैसे गैर-विषय देशों से होने वाले आयातों द्वारा ले लिया जाएगा, जो पहले से ही प्रतिस्पर्धी कीमतों पर आपूर्ति कर रहे हैं। इससे घरेलू उद्योग को कोई लाभ नहीं होगा, जिसे समान प्रतिस्पर्धात्मक दबावों का सामना करना जारी रहेगा, जिससे शुल्क अप्रभावी हो जाएगा।
- vi. प्रस्तावित शुल्क आवेदक के पक्ष में प्रतिस्पर्धा को विकृत करेगा, जिसके पास 4- एडीपीए तक कैप्टिव पहुंच है, जबकि प्रतिस्पर्धी घरेलू पिक्सल-13 उत्पादकों के लिए लागत में वृद्धि होगी। शुल्क का व्यावहारिक प्रभाव एक समान प्रतिस्पर्धात्मक अवसर उत्पन्न करने के बजाय क्षति को याचिकाकर्ता से अन्य घरेलू उत्पादकों की ओर स्थानांतरित करना होगा।
- vii. यह भी दावा किया गया है कि शुल्क लगाने से डाउनस्ट्रीम रासायनिक क्षेत्र में लगभग 2.5 लाख नौकरियां खतरे में पड़ जाएंगी, जिससे क्षेत्र में निवेश और नवाचार प्रभावित होंगे।
- viii. संबंधित-पक्ष से सोर्सिंग और ट्रांसफर प्राइसिंग व्यवस्थाएं सामान्य वाणिज्यिक प्रथाएं हैं और डंपिंग विश्लेषण केवल सत्यापित निर्यात कीमतों और लेन-देन संबंधी आंकड़ों पर आधारित होना चाहिए।

ज.2 आवेदक द्वारा प्रस्तुति

115. आवेदक ने भारतीय उद्योग के हित और अन्य मुद्दों के संबंध में निम्नलिखित प्रस्तुतियां की हैं:

- i. विचाराधीन उत्पाद एक अंतिम मध्यवर्ती है जो मुख्य रूप से पीएक्स-13 के उत्पादन में उपयोग किया जाता है। विचाराधीन उत्पाद पीएक्स-13 की लागत में 60-70% हिस्सा बनाता है। इसलिए, विचाराधीन उत्पाद पर 10% शुल्क का अर्थ है डाउनस्ट्रीम उत्पाद की लागत में 6% वृद्धि। हालांकि, पीएक्स-13 उत्पादक लागत में वृद्धि को डाउनस्ट्रीम उद्योग, अर्थात् टायर उद्योग को पास कर देगा। पीएक्स-13 का उपयोग मुख्य रूप से टायर के उत्पादन में किया जाता है। पीएक्स-13 टायर के कुल उत्पादन की लागत में 1% से कम हिस्सा बनाता है। इसलिए, विचाराधीन उत्पाद पर शुल्क का डाउनस्ट्रीम उद्योग टायर उत्पादकों पर प्रभाव नगण्य होगा।
- ii. विचाराधीन उत्पाद का प्रत्यक्ष डाउनस्ट्रीम उद्योग, अर्थात् पीएक्स-13, वर्तमान में चीन पीआर, यूरोपीय संघ, कोरिया आरपी और थाईलैंड से आयात पर एंटी-डंपिंग जांच के अधीन है। पीएक्स-13 पर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने के साथ, डाउनस्ट्रीम उद्योग लागत में वृद्धि को अपने आगे के डाउनस्ट्रीम उद्योग, अर्थात् टायर उद्योग को पास कर पाएगा। टायर उद्योग टायर पर एंटी-सब्सिडी शुल्क के माध्यम से

- संरक्षित है जो केवल जुलाई 2029 में समाप्त हो रहा है। इसके अलावा, टायर के आयात प्रतिबंधित हैं और इसके लिए बीआईएस लाइसेंस की आवश्यकता होती है।
- iii. विचाराधीन उत्पाद की क्षमता डाउनस्ट्रीम उत्पाद - पीएक्स-13 से अधिक है। इसलिए, आवेदक के पास व्यापारी बाजार में बिक्री के लिए शेष क्षमताओं का उपयोग करने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा। पीएक्स-13 के लिए, आवेदक फिर से आयात के साथ-साथ अन्य दो उत्पादकों के साथ प्रतिस्पर्धा करेगा। आवेदक अपने 4-एडीपीए मूल्यों को गैर-चोटकारक मूल्य के स्तर से अधिक नहीं बढ़ा सकता। 4-एडीपीए पर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने का अर्थ होगा कि घरेलू उद्योग और 4-एडीपीए के अन्य उपभोक्ता दोनों को एनआईपी (या एनआईपी से कम) पर 4-एडीपीए मिलेगा।
 - iv. प्रस्तावित जांच अवधि के बाद, एक अन्य उत्पादक ने भी 4-एडीपीए के लिए क्षमता स्थापित की है। इसका अर्थ है कि कंपनी आवेदक के साथ प्रतिस्पर्धा करेगी।
 - v. 4-एडीपीए पर एंटी-डंपिंग शुल्क उपभोक्ता को वर्तमान में उपलब्ध अनुचित लाभ को समाप्त करेगा। प्रदान किए गए डेटा से स्पष्ट है कि (a) 4-एडीपीए डंप किए गए मूल्यों पर आयात किया जा रहा है, (b) डंपिंग घरेलू उद्योग को भौतिक चोट पहुंचा रही है। इसलिए, 4-एडीपीए पर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाना उपभोक्ता को वर्तमान में उपलब्ध अनुचित लाभ को समाप्त करेगा। साथ ही, एंटी-डंपिंग शुल्क लगाना घरेलू उद्योग को विचाराधीन उत्पाद या डाउनस्ट्रीम उत्पाद - पीएक्स-13 पर कोई अनुचित लाभ नहीं देगा।
 - vi. एंटी-डंपिंग शुल्क लगाना किसी भी तरह से आयात को प्रतिबंधित नहीं करेगा। आयात होते रहेंगे लेकिन उचित कीमतों पर।
 - vii. 4-एडीपीए पर एंटी-डंपिंग शुल्क केवल आवेदक के लिए समान अवसर प्रदान करेगा और कोई अनुचित लाभ नहीं देगा। इसके विपरीत, विचाराधीन उत्पाद पर एंटी-डंपिंग शुल्क न लगाना (a) पीएक्स-13 पर एंटी-डंपिंग शुल्क के उपचार को कमजोर करेगा, (b) 4-एडीपीए और पीएक्स-13 दोनों में घरेलू उद्योग को निरंतर चोट पहुंचाएगा।
 - viii. डंप किए गए आयात के अभाव में, घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत महत्वपूर्ण रूप से घटी होती। इससे कैप्टिव बिक्री और अधिक व्यवहार्य हो जाती। इस प्रकार, 4-एडीपीए की डंपिंग घरेलू उद्योग को इसकी कैप्टिव बिक्री के संबंध में भी चोट पहुंचा रही है।
 - ix. घरेलू उद्योग के पास वर्तमान और संभावित मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त क्षमता है। घरेलू उद्योग के पास वर्तमान क्षमता देश में 4-एडीपीए की वर्तमान और संभावित मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त है।
 - x. पीएक्स-13 की निरंतर डंपिंग के साथ, घरेलू उद्योग अपनी पीएक्स-13 की बिक्री या पीएक्स-13 का विक्रय मूल्य नहीं बढ़ा पाएगा। हालांकि, घरेलू उद्योग अपनी 4-एडीपीए की घरेलू बिक्री बढ़ा पाएगा, जिससे यह 4-एडीपीए में संचालन के इष्टतम स्तर को प्राप्त कर सकेगा और पीएक्स-13 की प्रति इकाई लागत कम कर सकेगा। उत्पादन लागत में मामूली कमी उद्योग को पीएक्स-13 में भौतिक चोट की वर्तमान स्थिति से उबरने की अनुमति नहीं देगी।
 - xi. चूंकि विचाराधीन उत्पाद की डंपिंग जारी रहेगी, घरेलू उद्योग अपनी क्षमताओं की सीमा तक पीएक्स-13 या 4-एडीपीए की घरेलू बिक्री नहीं बढ़ा पाएगा। घरेलू उद्योग अपनी कीमतें भी नहीं बढ़ा पाएगा। इसलिए, घरेलू बिक्री में मामूली वृद्धि उद्योग को पीएक्स-13 में भौतिक चोट की वर्तमान स्थिति से उबरने की अनुमति नहीं देगी।

- xii. xविषय देशों से आयात 2023-24 तक बढ़ा और जांच की अवधि में मामूली रूप से घटा, घरेलू बाजार में पीएक्स-13 की तीव्र डंपिंग के कारण।
- xiii. घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री 2022-23 और 2023-24 में घटी लेकिन उसके बाद बढ़ी। घरेलू उद्योग के पास पूरी घरेलू मांग को पूरा करने की क्षमता है। इसलिए, आयात की मात्रा घरेलू उद्योग द्वारा खोई गई बिक्री की मात्रा है। उचित विक्रय मूल्य को ध्यान में रखते हुए, घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री मूल्य ₹230 करोड़ से अधिक हो सकता था जो घरेलू उद्योग के पूरे व्यावसायिक संचालन का लगभग 17% होगा। हालांकि, वर्तमान बिक्री मूल्य केवल ₹14 करोड़ तक सीमित है जो केवल 1% है। जबकि विचाराधीन उत्पाद के पास घरेलू उद्योग के संचालन का पर्याप्त हिस्सा बनने की क्षमता है, डंप किए गए आयात इसे अपनी बिक्री बढ़ाने से रोक रहे हैं।
- xiv. एंटी-डंपिंग कानून का उद्देश्य माननीय सुप्रीम कोर्ट ने रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड बनाम नामित प्राधिकरण [2006 (202) E.L.T. 23 (S.C.)] के मामले में अच्छी तरह से मान्यता दी, सराहा और कहा था कि "एंटी-डंपिंग कानून, इसलिए, एक हितकारी उपाय है जो हमारे उद्योगों के विनाश को रोकता है जो स्वतंत्रता के बाद उस समय के हमारे देशभक्त, आधुनिक विचार वाले नेताओं के मार्गदर्शन में बनाए गए थे और आज सभी का काम यह देखना है कि हमारे देश में और तेजी से औद्योगीकरण हो, भारत को एक आधुनिक, शक्तिशाली, अत्यधिक औद्योगिक राष्ट्र बनाने के लिए।"

ज.3 प्राधिकरण द्वारा जांच

- 116. प्राधिकरण ने जांच की कि क्या अनुशंसित एंटी-डंपिंग शुल्क लगाना सार्वजनिक हित में होगा। ऐसा करने में, प्राधिकरण ने रिकॉर्ड पर उपलब्ध जानकारी और विभिन्न हितधारकों, जिनमें घरेलू उद्योग, विदेशी उत्पादक और उपभोक्ता शामिल हैं, के हितों पर विचार किया।
- 117. प्राधिकरण ने एक राजपत्र अधिसूचना जारी की जिसमें सभी इच्छुक पार्टियों, जिनमें आयातक, उपभोक्ता और अन्य इच्छुक पार्टियां शामिल हैं, से विचार आमंत्रित किए गए। प्राधिकरण ने उपयोगकर्ताओं के लिए वर्तमान जांच के संबंध में प्रासंगिक जानकारी प्रदान करने के लिए एक प्रश्नावली भी निर्धारित की, जिसमें एंटी-डंपिंग शुल्क का उनके संचालन पर संभावित प्रभाव भी शामिल है। प्राधिकरण ने अन्य बातों के साथ-साथ विभिन्न देशों से विभिन्न आपूर्तिकर्ताओं द्वारा आपूर्ति किए गए उत्पाद की विनिमेयता, स्रोतों को बदलने की क्षमता, उपभोक्ताओं पर एंटी-डंपिंग शुल्क का प्रभाव, और ऐसे कारक जो एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने से उत्पन्न नई स्थिति में समायोजन को तेज या विलंबित कर सकते हैं, पर जानकारी मांगी।
- 118. प्राधिकरण नोट करता है कि एंटी-डंपिंग शुल्क का उद्देश्य, सामान्य तौर पर, डंपिंग की अनुचित व्यापार प्रथाओं द्वारा घरेलू उद्योग को पहुंचाई गई चोट को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा की स्थिति फिर से स्थापित हो सके।

119. प्राधिकरण ने एक आर्थिक हित प्रश्नावली निर्धारित की थी, जो इस जांच में सभी इच्छुक पार्टियों को भेजी गई थी। उपयोगकर्ताओं ने दावा किया है कि एंटी-डंपिंग शुल्क संचालन को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करेंगे। प्राधिकरण ने विरोधी पार्टियों और आवेदक द्वारा की गई प्रस्तुतियों के आलोक में इन दावों की जांच की है।
120. घरेलू उद्योग और उपयोगकर्ता उद्योग द्वारा दायर डेटा की जांच पर, यह नोट किया गया है कि 4-एडीपीए पीएक्स-13 का उत्पादन करने के लिए आवश्यक प्रमुख कच्चा माल है; हालांकि अंतिम उत्पाद, टायर, की कीमत पर इसका प्रभाव सीमित है। आवेदक ने प्रस्तुत किया है कि 4-एडीपीए पीएक्स-13 की लागत का 60-70% बनाता है, और पीएक्स-13 स्वयं टायर के उत्पादन की लागत का 1% से कम बनाता है। विरोधी पार्टियों ने तर्क दिया है कि शुल्क लगाने से डाउनस्ट्रीम पीएक्स-13 उत्पादकों की इनपुट लागत बढ़ेगी और उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता कमजोर होगी। प्राधिकरण नोट करता है कि जबकि शुल्क का डाउनस्ट्रीम उत्पादकों पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है, डाउनस्ट्रीम पीएक्स-13 उद्योग लागत वृद्धि को टायर उद्योग को पास कर पाएगा, जो व्यापार उपचार उपायों के माध्यम से संरक्षित है। यह भी विचार किया जाता है कि, जबकि घरेलू उद्योग ने पीएक्स-13 के डंप किए गए आयात के संबंध में एक आवेदन दायर किया था, जिसमें उसके कारण हुई भौतिक चोट का दावा किया गया था, लैंक्सेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, वर्तमान जांच में उपयोगकर्ता उद्योग, पीएक्स-13 का उत्पादक भी है। हालांकि, लैंक्सेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने पीएक्स-13 से संबंधित जांच में भाग नहीं लिया है। उपयोगकर्ता ने यह दावा नहीं किया है कि पीएक्स-13 की डंपिंग उसके संचालन को प्रभावित कर रही थी। इसलिए, यह देखा गया है कि उपयोगकर्ता उद्योग ने न तो दावा किया है और न ही यह स्थापित किया है कि वह 4-एडीपीए पर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने से उत्पन्न लागत में किसी भी वृद्धि को अपने डाउनस्ट्रीम उपयोगकर्ताओं को पास करने में असमर्थ होगा। इसके अलावा, अंतिम निष्कर्ष संख्या 6/10/2025-डीजीटीआर दिनांक 24 जून 2026 के माध्यम से, डीजीटीआर ने पीएक्स-13 के डंप किए गए आयात पर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने की सिफारिश की है।

121. नीचे तालिका आयात की लैंडेड कीमत दर्शाती है।

क्र.सं.	विवरण	इकाई	2021-22	2022-23	2023-24	पीओआई
1	अवतरण कीमत	रु. /एमटी	2,16,037	3,05,475	2,48,747	2,41,808

122. यह देखा गया है कि लैंडेड कीमत 2022-23 में बढ़ी, और उसके बाद 2023-24 में घटी और जांच की अवधि में और गिरावट आई। घरेलू उद्योग ने प्रस्तुत किया है कि, विषय वस्तुओं की वर्तमान लैंडेड कीमतों में प्रस्तावित एंटी-डंपिंग शुल्क जोड़ने के बाद भी, परिणामी कीमतें विषय वस्तुओं की पिछली कीमतों से कम रहेंगी। इसलिए, जब इन उच्च कीमतों ने उपयोगकर्ता को प्रभावित नहीं किया, तो एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने का भौतिक प्रभाव होने की संभावना नहीं है। विरोधी पार्टियों ने तर्क दिया है कि डाउनस्ट्रीम उपयोगकर्ता मुख्य रूप से घरेलू आपूर्ति की कमी के कारण आयात पर निर्भर हैं और आवेदक की कम क्षमता उपयोग ने उपयोगकर्ताओं के पास विदेश से सोर्सिंग के अलावा कोई विकल्प नहीं छोड़ा। प्राधिकरण नोट करता है कि घरेलू उद्योग महत्वपूर्ण निष्क्रिय क्षमता के साथ काम कर रहा है और भारत में वर्तमान और संभावित मांग

को पूरा करने के लिए पर्याप्त क्षमता रखता है। एंटी-डंपिंग शुल्क लगाना आयात को प्रतिबंधित नहीं करता है बल्कि यह सुनिश्चित करता है कि आयात उचित कीमतों पर उपलब्ध हों।

123. व्यापार विचलन और भेदभाव पर प्रस्तुतियों के संबंध में, प्राधिकरण ने आयात डेटा की जांच की है और नोट करता है कि विषय देशों से आयात भारत में संपूर्ण आयात का गठन करते हैं। प्राधिकरण आगे नोट करता है कि नियमों के अनुलग्नक II, पैरा (iii) के तहत संचयी मूल्यांकन की शर्तें संतुष्ट हैं। प्राधिकरण ने रिकॉर्ड पर डंपिंग और चोट के साक्ष्य के आधार पर विषय देशों के खिलाफ जांच शुरू की है। अन्य देशों का बहिष्करण डब्ल्यूटीओ एंटी-डंपिंग समझौते का उल्लंघन नहीं करता है।
124. लगभग 2.5 लाख नौकरियों के लिए रोजगार जोखिम के दावे के संबंध में, प्राधिकरण नोट करता है कि यह दावा किसी साक्ष्य द्वारा प्रमाणित नहीं है। घरेलू उद्योग स्वयं केवल लगभग 80 व्यक्तियों के प्रत्यक्ष रोजगार के साथ एक पीएक्स-13 संयंत्र संचालित करता है। इसलिए, 2.5 लाख नौकरियों को खतरे में डालने का दावा रिकॉर्ड पर साक्ष्य द्वारा समर्थित नहीं है।
125. प्राधिकरण आगे नोट करता है कि अनुशंसित एंटी-डंपिंग शुल्क केवल घरेलू उद्योग को समान अवसर प्रदान करेगा और एकाधिकार की कोई स्थिति नहीं बनाएगा क्योंकि भारत में विषय वस्तु का एक अन्य उत्पादक है, जिसने जांच की अवधि के बाद उत्पादन शुरू किया है।
126. प्राधिकरण देखता है कि घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेश उचित बाजार सिद्धांतों के आधार पर किए गए थे। घरेलू उद्योग से महत्वपूर्ण डंपिंग की उपस्थिति में क्षमता विस्तार करने या बनाए रखने की उम्मीद करना उचित नहीं है। उपयोगकर्ता उद्योग ने डंप किए गए आयात तक पहुंच की उम्मीद में परिचालन स्थापित नहीं किया। प्राधिकरण आगे नोट करता है कि एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने से भारतीय बाजार में विषय वस्तुओं की कमी या अभाव होने की उम्मीद नहीं है। एंटी-डंपिंग शुल्क भारत में आयात को प्रतिबंधित या अन्यथा सीमित नहीं करता है; बल्कि, यह डंप किए गए आयात के चोटकारक प्रभावों को संबोधित करना और यह सुनिश्चित करना चाहता है कि ऐसे आयात भारतीय बाजार में उचित कीमतों पर प्रवेश करें।
127. ऊपर पैरा J.1 में दर्ज अन्य इच्छुक पार्टियों की शेष प्रस्तुतियों के संबंध में: (a) इस प्रस्तुति पर कि 4-एडीपीए फार्मास्यूटिकल्स, एग्रोकेमिकल्स, जल उपचार, कपड़ा और चिपकने वाले पदार्थों के लिए एक महत्वपूर्ण इनपुट है, प्राधिकरण नोट करता है कि वर्तमान जांच में पहचाने गए विचाराधीन उत्पाद के उपयोगकर्ता लैंक्सेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, फिनोरकेम लिमिटेड और घरेलू उद्योग हैं, जो सभी इसका उपयोग पीएक्स-13 के उत्पादन के लिए करते हैं, और उल्लिखित अन्य क्षेत्रों से किसी भी उपयोगकर्ता ने इच्छुक पार्टी के रूप में पंजीकरण नहीं कराया है या रिकॉर्ड पर कोई जानकारी नहीं रखी है; (b) इस प्रस्तुति पर कि 15% का शुल्क डाउनस्ट्रीम संचालन के लिए लगभग 11% की लागत वृद्धि में परिणत होगा, प्राधिकरण नोट करता है कि, रिकॉर्ड पर जानकारी के अनुसार, 4-एडीपीए पीएक्स-13 की लागत का 60-70% बनाता है और पीएक्स-13 टायर की लागत का 1% से कम है, ताकि अंतिम उत्पाद के स्तर पर अनुशंसित शुल्क का प्रभाव सीमित हो, और किसी भी उपयोगकर्ता ने वृद्धि को पास करने में असमर्थता स्थापित करने वाली जानकारी

रिकॉर्ड पर नहीं रखी है; (c) व्यापार विचलन पर, प्राधिकरण नोट करता है कि जांच की अवधि के दौरान विषय देशों के अलावा अन्य देशों से विचाराधीन उत्पाद का कोई आयात नहीं था, और भविष्य के विचलन की आशंका विषय देशों से चोटकारक डंपिंग को संबोधित करने से इनकार करने का आधार नहीं है; और (d) संबंधित-पार्टी सोर्सिंग और हस्तांतरण मूल्य निर्धारण पर, प्राधिकरण नोट करता है कि चीन पीआर से सहयोगी उत्पादकों का निर्यात मूल्य उनके संबंधित व्यापारी के माध्यम से लैक्सेस केमिकल (चाइना) कंपनी लिमिटेड, एक असंबंधित व्यापारी, को उनकी बिक्री के आधार पर निर्धारित किया गया है, जैसा कि ऊपर पैरा 52 से 55 में दर्ज है, और संबंधित-पार्टी हस्तांतरण मूल्य निर्धारण से प्रभावित नहीं है।

ट. प्रकटीकरण के बाद की टिप्पणियां

ट.1 अन्य इच्छुक पार्टियों द्वारा प्रस्तुतियां

128. प्रकटीकरण विवरण पर अपनी टिप्पणियों में अन्य इच्छुक पार्टियों द्वारा निम्नलिखित प्रस्तुतियां की गई हैं:

- क. कि प्राधिकरण ने घरेलू उद्योग द्वारा 4-एडीपीए के कैप्टिव उत्पादन/खपत और वास्तविक व्यापारी बिक्री के बीच अंतर की पर्याप्त जांच नहीं की है। नोसिल का उत्पादन मुख्य रूप से कैप्टिव रूप से उपभोग किया जाता है, जबकि व्यापारी बिक्री इसके उत्पादन का 5% से अधिक नहीं, केवल एक छोटा अनुपात है। इसलिए प्रतिवादी प्राधिकरण से अनुरोध करते हैं कि वह जांच करे कि क्या ऐसी सीमित व्यापारी बिक्री व्यापारी बाजार में सार्थक व्यावसायिक उपस्थिति प्रदर्शित करती है और क्या चोट और स्थिति निर्धारित करने में कैप्टिव उत्पादन पर भरोसा किया जा सकता है।
- ख. कि घरेलू उद्योग के प्रदर्शन में गिरावट की जांच कैप्टिव खपत में पर्याप्त गिरावट और डाउनस्ट्रीम पीएक्स-13 व्यवसाय के प्रदर्शन से स्वतंत्र रूप से नहीं की जा सकती है। चूंकि नोसिल का 4-एडीपीए उत्पादन मुख्य रूप से इसके कैप्टिव पीएक्स-13 उत्पादन से जुड़ा है, पीएक्स-13 उत्पादन या कैप्टिव खपत में कोई भी गिरावट तदनुसार 4-एडीपीए उत्पादन, क्षमता उपयोग और वित्तीय प्रदर्शन को प्रभावित करेगी। पीएक्स-13 स्थितियों के लिए जिम्मेदार चोट को उचित गैर-विशेषता विश्लेषण के बिना डंप किए गए 4-एडीपीए आयात के लिए पुनः जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए।
- ग. कि प्राधिकरण का कारण संबंध का निष्कर्ष इस तथ्य के आलोक में पुनर्विचार की आवश्यकता है कि घरेलू बिक्री और मांग बढ़ी, जबकि मूल्य अंडरकटिंग नकारात्मक थी, और कुछ चोट मापदंडों में गिरावट कम कैप्टिव खपत के साथ मेल खाती थी। प्रतिवादी तर्क देते हैं कि विषय आयात के लिए समग्र गिरावट को जिम्मेदार ठहराने से पहले पूर्व-मौजूदा कम उपयोग और कैप्टिव खपत में गिरावट को अलग से मापा जाना चाहिए।
- घ. कि नोसिल और उपयोगकर्ताओं के बीच मूल्य निर्धारण व्यवस्था मूल्य दमन/अवसाद और कारण संबंध की जांच के लिए प्रासंगिक है, क्योंकि कीमतें आयात की लैंडेड कीमत द्वारा निर्धारित होने के बजाय निर्दिष्ट कच्चे माल की लागत, नोसिल की लागत और उचित लाभ से जुड़े पूर्व-सहमत फॉर्मूले के अनुसार निर्धारित की गई थीं। इसलिए प्राधिकरण से अनुरोध किया जाता है कि वह यह निष्कर्ष निकालने से पहले कि घरेलू कीमतें विषय आयात द्वारा दबाई या उदास की गई थीं, प्रासंगिक समझौतों और मूल्य निर्धारण फॉर्मूले की जांच करे।

- ड. कि एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने से नोसिल और अन्य पीएक्स-13 उत्पादकों के बीच संरचनात्मक लागत विषमता हो सकती है, क्योंकि नोसिल लंबवत रूप से एकीकृत है और मुख्य रूप से कैप्टिव 4-एडीपीए पर निर्भर है, जबकि अन्य डाउनस्ट्रीम उत्पादक बाहरी रूप से 4-एडीपीए प्राप्त करते हैं। नोसिल की सीमित व्यापारी बिक्री को देखते हुए, शुल्क डाउनस्ट्रीम उत्पादकों की खरीद लागत बढ़ा सकता है बिना संबंधित सार्थक घरेलू विकल्प प्रदान किए। इसलिए प्रतिवादी प्राधिकरण से अनुरोध करते हैं कि वह डाउनस्ट्रीम प्रभाव और 4-एडीपीए के अपस्ट्रीम उत्पादक और कैप्टिव उपभोक्ता दोनों के रूप में नोसिल की दोहरी स्थिति की जांच करे।
- च. कि प्राधिकरण को एडिटिव्स के साथ और बिना एनआईपी निर्धारण को भी स्पष्ट करना चाहिए, और प्रकटीकरण के बाद की प्रस्तुतियों में उठाए गए मुद्दों के आलोक में चोट मार्जिन और संबंधित लागत/प्रतिफल मान्यताओं पर पुनर्विचार करना चाहिए। तदनुसार प्रतिवादी अनुरोध करते हैं कि जांच समाप्त की जाए; वैकल्पिक रूप से, कि उपरोक्त भौतिक मुद्दों को विशेष रूप से संबोधित किया जाए और उचित जांच के बाद संशोधित प्रकटीकरण/अंतिम निर्धारण जारी किया जाए।

ट.2 घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत अभ्यावेदन

129. प्रकटीकरण विवरण पर अपनी टिप्पणियों में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित प्रस्तुतियां की गई हैं:

- क. घरेलू उद्योग ने प्राधिकरण से अनुरोध किया है कि वह इस निष्कर्ष की पुष्टि करे कि विषय वस्तुएं डंप किए गए मूल्यों पर भारत को निर्यात की जा रही हैं और यही उन्हें मूल्य और मात्रा दोनों चोट पहुंचा रही है। यह भी अनुरोध किया गया है कि अंतिम निष्कर्षों में प्रकटीकरण विवरण में किए गए गैर-विशेषता अवलोकनों की पुष्टि की जाए।
- ख. विषय आयात के संयुक्त मात्रा और मूल्य प्रभावों के माध्यम से डंप किए गए आयात और घरेलू उद्योग को होने वाली चोट के बीच स्पष्ट कारण संबंध है। तदनुसार घरेलू उद्योग प्राधिकरण से अनुरोध करता है कि वह कारण संबंध पर निष्कर्ष की पुष्टि करे।
- ग. प्राधिकरण को विषय देशों के लिए निर्धारित चोट मार्जिन की पुष्टि करनी चाहिए और, आयात कीमतों में अस्थिरता और स्थापित चोट को ध्यान में रखते हुए, शुल्क के उपयुक्त रूप पर विचार करना चाहिए जो डंप किए गए आयात से होने वाली चोट को प्रभावी ढंग से संबोधित करेगा।
- घ. घरेलू उद्योग प्राधिकरण से अनुरोध करता है कि वह डाउनस्ट्रीम उपयोगकर्ताओं पर कथित प्रतिकूल प्रभाव की सीमित और अप्रमाणित प्रकृति के संबंध में अपने निष्कर्षों पर ध्यान दे और पुष्टि करे कि ऐसे सामान्यीकृत दावे डंपिंग, चोट और कारण संबंध स्थापित करने वाले मामले-विशिष्ट साक्ष्य से अधिक नहीं हैं।
- ड. प्रकटीकरण विवरण में प्राधिकरण ने डाउनस्ट्रीम उपयोगकर्ताओं पर प्रस्तावित एंटी-डंपिंग शुल्क के प्रभाव का विश्लेषण किया और नोट किया कि सीमित प्रभाव होगा। डाउनस्ट्रीम उपयोगकर्ताओं पर प्रतिकूल प्रभाव के दावे, जिनमें लगभग 2.5 लाख नौकरियों पर कथित प्रभाव भी शामिल है, रिकॉर्ड पर साक्ष्य द्वारा असमर्थित हैं और उन पर भरोसा नहीं किया जाना चाहिए।
- च. घरेलू उद्योग ने प्राधिकरण से यह भी अनुरोध किया कि वह अंतिम निष्कर्षों में प्रकटीकरण विवरण में निर्धारित आवश्यक तथ्यों और निष्कर्षों की पुष्टि करे और निर्धारित अवधि के लिए एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने की सिफारिश करे।

ट.3 प्राधिकरण द्वारा परीक्षण

130. प्राधिकरण ने घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा दायर प्रकटीकरण-पश्चात अभ्यावेदनों का परीक्षण किया है। इनमें से कई अभ्यावेदन जांच के दौरान किए गए उन अभ्यावेदनों को दोहराते हैं, जिनका इन अंतिम निष्कर्षों में पहले ही परीक्षण किया जा चुका है। फिर भी, प्राधिकरण ने सभी प्रासंगिक टिप्पणियों पर, इस सीमा तक कि वे अभिलेख पर उपलब्ध साक्ष्य द्वारा समर्थित हैं और अंतिम निर्धारण के लिए महत्वपूर्ण हैं, निम्नानुसार विचार किया है।
131. घरेलू उद्योग के कैप्टिव और व्यापारी संचालन के बीच अंतर के संबंध में, प्राधिकरण नोट करता है कि घरेलू उद्योग का बड़ा हिस्सा पीएक्स-13 के उत्पादन के लिए कैप्टिव रूप से उपभोग किया जाता है, और पूरी चोट अवधि में इसकी व्यापारी बिक्री छोटी रही है। इस कारण से प्राधिकरण ने घरेलू उद्योग के मात्रा मापदंडों की जांच समान वस्तु के इसके कुल उत्पादन और बिक्री के आधार पर की है, और इसके मूल्य और लाभप्रदता मापदंडों की जांच इसकी व्यापारी बिक्री के आधार पर की है, जैसा कि ऊपर पैरा 17 में दर्ज है। कैप्टिव खपत में गिरावट के प्रभाव की जांच ऊपर पैरा 109 में की गई है, और उत्पादन और क्षमता उपयोग में गिरावट के उस हिस्से को डंप किए गए आयात के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया गया है जो कम कैप्टिव खपत से उत्पन्न होता है। प्राधिकरण द्वारा पाई गई भौतिक चोट व्यापारी खंड में प्रतिकूल मूल्य प्रभावों, घाटे और नियोजित पूंजी पर नकारात्मक प्रतिफल, और विषय आयात के प्रभुत्व पर आधारित है, जिन्होंने पूरी चोट अवधि में व्यापारी बाजार का 93% से 99% हिस्सा रखा। घरेलू उद्योग इस तथ्य के बावजूद कि इसका बड़ा हिस्सा कैप्टिव रूप से उपभोग किया जाता है, व्यापारी बाजार में अपने हित की सुरक्षा का हकदार है।
132. घरेलू बिक्री और मांग में वृद्धि और नकारात्मक मूल्य अंडरकटिंग से संबंधित प्रस्तुतियों के संबंध में, प्राधिकरण नोट करता है कि घरेलू बिक्री या मांग में वृद्धि, या सकारात्मक मूल्य अंडरकटिंग की अनुपस्थिति, अपने आप में चोट के अस्तित्व या अनुपस्थिति को निर्धारित नहीं करती है। जांच की अवधि में घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री केवल इसलिए बढ़ी क्योंकि इसने अपनी बिक्री लागत से कम कीमतों पर बिक्री की, और पूरी चोट अवधि में व्यापारी बाजार में इसकी बाजार हिस्सेदारी एकल अंकों में रही। प्राधिकरण ने डंप किए गए आयात के प्रभाव और कारण संबंध का निर्धारण करने में उत्पादन, क्षमता उपयोग, कीमतों, लाभप्रदता और बाजार हिस्सेदारी में रुझानों के साथ-साथ इन कारकों का सामूहिक रूप से मूल्यांकन किया है।
133. घरेलू उद्योग और उसके ग्राहकों के बीच मूल्य निर्धारण व्यवस्था के संबंध में, प्राधिकरण नोट करता है कि जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग ने विचाराधीन उत्पाद को अपनी बिक्री लागत से ₹***/मीट्रिक टन नीचे बेचा, और घरेलू उद्योग ने कहा है कि उसने बड़े मात्रा के ऑर्डर को सुरक्षित करने के लिए अपने एक उपभोक्ता को अत्यधिक प्रतिस्पर्धी कीमतें प्रदान कीं। बिक्री लागत से कम कीमतें कच्चे माल की लागत, घरेलू उद्योग की लागत और उचित लाभ पर आधारित फॉर्मूले के अनुरूप नहीं हैं, और दर्शाती हैं कि जांच की

अवधि के दौरान वास्तव में प्राप्त कीमतें विषय आयात के साथ प्रतिस्पर्धा द्वारा निर्धारित की गई थीं। ऊपर पैरा 82 और 83 में मूल्य दमन और अवसाद का निष्कर्ष उन कीमतों पर आधारित है।

134. घरेलू उद्योग और पीएक्स-13 के अन्य उत्पादकों के बीच संरचनात्मक लागत विषमता पर प्रस्तुति के संबंध में, प्राधिकरण ने ऊपर अनुभाग J में डाउनस्ट्रीम उपयोगकर्ताओं पर शुल्क के प्रभाव की जांच की है। अनुशंसित शुल्क चोट मार्जिन तक सीमित है, यह आयात को प्रतिबंधित नहीं करता है, और घरेलू उद्योग के पास भारत में पूरी मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त क्षमता है; इसलिए पीएक्स-13 के अन्य उत्पादकों के पास घरेलू उद्योग से और गैर-डंप किए गए मूल्यों पर आयात से 4-एडीपीए तक पहुंच बनी रहेगी।
135. एडिटिव्स के साथ और बिना गैर-चोटकारक मूल्य के स्पष्टीकरण के अनुरोध के संबंध में, प्राधिकरण नोट करता है, जैसा कि ऊपर पैरा 18 में दर्ज है, कि गैर-चोटकारक मूल्य निर्धारित करने में एडिटिव की लागत और कैप्टिव हस्तांतरण से पहले किए गए आगे के प्रसंस्करण की रूपांतरण लागत को ध्यान में नहीं रखा गया है। तदनुसार गैर-चोटकारक मूल्य एडिटिव्स रहित 4-एडीपीए से संबंधित है, जिस रूप में विषय आयात भारत में प्रवेश करते हैं, और एडिटिव्स युक्त 4-एडीपीए के लिए अलग गैर-चोटकारक मूल्य की आवश्यकता नहीं है।
136. स्थिति निर्धारित करने में कैप्टिव उत्पादन पर निर्भरता के संबंध में, प्राधिकरण नोट करता है कि नियमों का नियम 2(b) समान वस्तु के निर्माण में लगे घरेलू उत्पादकों और उस वस्तु के उनके सामूहिक उत्पादन को संदर्भित करता है। समान वस्तु, जैसा कि ऊपर पैरा 17 में माना गया है, 4-एडीपीए शामिल करती है चाहे व्यापारी बाजार में बेचा जाए या कैप्टिव रूप से हस्तांतरित किया जाए, और तदनुसार स्थिति के प्रयोजनों के लिए घरेलू उद्योग के उत्पादन पर पूर्ण रूप से विचार किया गया है।
137. शुल्क के रूप के संबंध में, प्राधिकरण वर्तमान मामले के तथ्यों में अमेरिकी डॉलर प्रति मीट्रिक टन में व्यक्त एक निश्चित शुल्क, जो डंपिंग मार्जिन और चोट मार्जिन में से कम के बराबर है, उपयुक्त मानता है। प्राधिकरण को प्रकटीकरण के बाद की प्रस्तुतियों में जांच को समाप्त करने या नया प्रकटीकरण विवरण जारी करने का कोई आधार नहीं मिलता है।

ठ. निष्कर्ष

138. उठाए गए दलीलों, प्रदान की गई जानकारी, और इच्छुक पार्टियों द्वारा की गई प्रस्तुतियों और प्राधिकरण के समक्ष उपलब्ध तथ्यों को ध्यान में रखते हुए, जैसा कि उपरोक्त निष्कर्ष में दर्ज है, और डंपिंग, चोट और घरेलू उद्योग से कारण संबंध के उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, प्राधिकरण निम्नानुसार निष्कर्ष निकालता है:

क. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के दायरे पर:

- (i) विचाराधीन उत्पाद "4-एमिनोडाइफेनिलएमीन" है, जिसे "4-एडीपीए" या "4-एन-फेनिलबेंजीन-1,4-डायमीन" के रूप में भी जाना जाता है, चाहे उसमें एडिटिक्स हों या न हों जो 4-एमिनोडाइफेनिलएमीन के रूप में इसके आवश्यक चरित्र को नहीं बदलते हैं, और चाहे इसे व्यापारी बाजार में बेचा जाए या कैप्टिव रूप से हस्तांतरित किया जाए।
- (ii) घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित लेख और विषय देशों से निर्यात की गई विषय वस्तुएं नियमों के नियम 2(d) के संदर्भ में एक-दूसरे के लिए समान वस्तु हैं।

ख. घरेलू उद्योग और स्थिति पर:

- (i) आवेदक के अलावा, भारत में विषय वस्तु का एक अन्य उत्पादक है, अर्थात् फिनोरकेम लिमिटेड, जिसने चोट अवधि के बाद विषय वस्तु का उत्पादन किया है।
- (ii) आवेदक नियम 2(b) के अर्थ में घरेलू उद्योग का गठन करता है और नियमों के नियम 5(3) के संदर्भ में स्थिति के मानदंड को पूरा करता है।

ग. जांच की अवधि पर:

- (i) जांच की अवधि 01.04.2024 से 31.03.2025 है, और चोट अवधि में 2021-22, 2022-23, 2023-24 और जांच की अवधि शामिल है।

घ. सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य पर:

- (i) चीन पीआर के उत्पादक, सेनिक्स कंपनी लिमिटेड (शेडोंग) और सेनिक्स कंपनी लिमिटेड (अनहुई), अपने संबंधित निर्यातक/व्यापारी सेनिक्स कंपनी लिमिटेड के साथ, वर्तमान जांच में भाग लिया है। विषय वस्तुएं भारत को लैक्सेस केमिकल (चाइना) कंपनी लिमिटेड, एक असंबंधित व्यापारी, के माध्यम से निर्यात की गई थीं।
- (ii) चीन पीआर से किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने बाजार अर्थव्यवस्था उपचार का दावा करते हुए पूरक प्रश्नावली प्रतिक्रिया दायर नहीं की है, और तदनुसार चीन पीआर के लिए सामान्य मूल्य नियमों के अनुलग्नक I के पैरा 7 के संदर्भ में, किसी अन्य उचित आधार पर, अर्थात् भारत में उत्पादन की लागत, जिसे बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक खर्चों तथा उचित लाभ के लिए विधिवत समायोजित किया गया है, के आधार पर निर्धारित किया गया है। चीन पीआर से भाग लेने वाले उत्पादकों के लिए निर्यात मूल्य उनकी प्रश्नावली प्रतिक्रियाओं के आधार पर निर्धारित किया गया है।
- (iii) यूरोपीय संघ से किसी भी उत्पादक/निर्यातक की भागीदारी के अभाव में, यूरोपीय संघ के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्धारित किए गए हैं।
- (iv) चीन पीआर और यूरोपीय संघ से उत्पादकों/निर्यातकों के लिए निर्धारित डंपिंग मार्जिन सकारात्मक हैं और डी मिनिमिस स्तर से ऊपर हैं।

ड. चोट और कारण संबंध पर:

- (i) चोट अवधि में विषय देशों से आयात महत्वपूर्ण रूप से बढ़ा है, दोनों पूर्ण रूप में और भारत में उत्पादन और खपत के संबंध में।
- (ii) मूल्य अंडरकटिंग दोनों विषय देशों के संबंध में और भारित औसत आधार पर नकारात्मक है।
- (iii) जांच की अवधि में घरेलू उद्योग की कीमतें दबाई और उदास दोनों हैं।
- (iv) चोट अवधि में घरेलू उद्योग का उत्पादन और क्षमता उपयोग घटा है; यह गिरावट मुख्य रूप से कम कैप्टिव खपत के कारण है, इसे डंप किए गए आयात के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया गया है।
- (v) घरेलू उद्योग की निष्क्रिय क्षमता विषय देशों से आयात से अधिक है।
- (vi) घरेलू उद्योग पूरी चोट अवधि में व्यापारी बाजार में केवल सीमित मात्रा ही बेच पाया है, जिसमें विषय आयात का 93% से 99% हिस्सा था।
- (vii) घरेलू उद्योग ने जांच की अवधि में वित्तीय घाटा और नियोजित पूंजी पर नकारात्मक प्रतिफल उठाया है।
- (viii) जबकि जांच की अवधि में उत्पादन और घरेलू बिक्री ने कुछ वसूली दिखाई और नकद लाभ में सुधार हुआ, घरेलू उद्योग का लाभ और पीबीआईटी महत्वपूर्ण रूप से खराब हुआ।
- (ix) घरेलू उद्योग की पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता प्रभावित हुई है।
- (x) डंप किए गए आयात घरेलू उद्योग की कीमतों को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक हैं।
- (xi) घरेलू उद्योग ने भौतिक चोट उठाई है।
- (xii) घरेलू उद्योग को होने वाली भौतिक चोट विषय देशों से डंप किए गए आयात के कारण हुई है। अन्य ज्ञात कारकों, जिनमें कैप्टिव खपत में गिरावट शामिल है, के प्रभाव की जांच की गई है और इसे डंप किए गए आयात के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया गया है।
- (xiii) वर्तमान भौतिक चोट के निष्कर्ष को देखते हुए, भौतिक चोट की धमकी पर अलग निर्धारण करना आवश्यक नहीं माना गया है।

च. भारतीय उद्योग के हित पर:

- (i) देश में कोई मांग और आपूर्ति अंतराल नहीं है। भारतीय उद्योग के पास पूरी मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त क्षमता है।
- (ii) जबकि शुल्क का डाउनस्ट्रीम उत्पादकों पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है, डाउनस्ट्रीम पीएक्स-13 उद्योग लागत वृद्धि को टायर उद्योग को पास कर जाएगा। भाग लेने वाले उपयोगकर्ताओं ने लागत में वृद्धि को पास करने में अपनी असमर्थता स्थापित नहीं की है।
- (iii) एंटी-डंपिंग शुल्क यह सुनिश्चित करेगा कि आयात भारतीय बाजार में उचित कीमतों पर प्रवेश करें और निर्यातकों और घरेलू उद्योग के बीच समान अवसर बना रहे।
- (iv) एंटी-डंपिंग शुल्क लगाना व्यापक सार्वजनिक हित के खिलाफ नहीं होगा।

ड. सिफारिशें

139. प्राधिकरण नोट करता है कि जांच शुरू की गई थी और सभी इच्छुक पार्टियों को अधिसूचित किया गया था, और घरेलू उद्योग, निर्यातकों, आयातकों और अन्य इच्छुक पार्टियों को डंपिंग, चोट, कारण संबंध और अनुशंसित उपायों के प्रभाव के पहलुओं पर सकारात्मक जानकारी प्रदान करने का पर्याप्त अवसर दिया गया

था। नियमों के प्रावधानों के संदर्भ में डंपिंग, चोट और कारण संबंध की जांच शुरू करने और संचालित करने के बाद, और सकारात्मक डंपिंग मार्जिन और डंप किए गए आयात के कारण घरेलू उद्योग को भौतिक चोट स्थापित होने के बाद, प्राधिकरण का विचार है कि डंपिंग और चोट को ऑफसेट करने के लिए एंटी-डंपिंग शुल्क लगाना आवश्यक है। तदनुसार प्राधिकरण विषय देशों से विषय वस्तु के आयात पर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने की सिफारिश करना आवश्यक मानता है।

140. प्राधिकरण द्वारा अपनाए गए कम शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकरण घरेलू उद्योग की चोट को दूर करने के लिए डंपिंग मार्जिन और चोट मार्जिन में से जो कम हो, उसके बराबर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने की सिफारिश करता है। तदनुसार, प्राधिकरण, नियमों के नियम 17(1)(बी) के दूसरे परंतुक के संदर्भ में, विषय देश से उत्पन्न या निर्यातित विषय वस्तु के आयात पर, केंद्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से पांच (5) वर्ष की अवधि के लिए, नीचे संलग्न शुल्क तालिका के कॉलम 7 में उल्लिखित राशि के बराबर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने की सिफारिश करता है।

शुल्क तालिका

क्र. सं.	हेडिंग	विवरण	मूल देश	निर्यात का देश	उत्पादक	राशि	इकाई (यूओएम)	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1	2921 44 10 और 2921 51 90 (नोट 1)	4- एडीपीए (नोट 2)	चीन पीआर	चीन पीआर सहित कोई भी देश	सेनिक्स कंपनी लिमिटेड आनहुई और सेनिक्स कंपनी लिमिटेड शानडोंग	468	मीट्रिक टन	अमेरिकी डॉलर
2	वही	वही	चीन पीआर	चीन पीआर सहित कोई भी देश	क्रम संख्या 1 के अलावा कोई भी उत्पादक	533	मीट्रिक टन	अमेरिकी डॉलर
3	वही	वही	चीन पीआर के अलावा कोई भी देश	चीन पीआर	कोई भी उत्पादक	533	मीट्रिक टन	अमेरिकी डॉलर

4	वही	वही	यूरोपीय संघ	यूरोपीय संघ सहित कोई भी देश	कोई भी उत्पादक	328	मीट्रिक टन	अमेरिकी डॉलर
5	वही	वही	यूरोपीय संघ के अलावा कोई भी देश	यूरोपीय संघ	कोई भी उत्पादक	328	मीट्रिक टन	अमेरिकी डॉलर

नोट 1 – ऊपर उल्लिखित सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और विचाराधीन उत्पाद के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।

नोट 2 – विचाराधीन उत्पाद का विवरण "4-एमिनोडाइफेनिलएमीन" है, जिसे "4-एडीपीए" या "4-एन-फेनिलबेंजीन-1,4-डायमीन" के रूप में भी जाना जाता है, चाहे उसमें एडिटिक्स हों या न हों जो 4-एमिनोडाइफेनिलएमीन के रूप में इसके आवश्यक चरित्र को नहीं बदलते हैं।

141. उपरोक्त तालिका में उल्लिखित उत्पादक के लिए निर्दिष्ट व्यक्तिगत शुल्क दर का आवेदन सीमा शुल्क अधिकारियों को एक वैध वाणिज्यिक चालान की प्रस्तुति पर सशर्त होगा, जिस पर ऐसा चालान जारी करने वाली इकाई के एक अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित और दिनांकित एक घोषणा दिखाई देगी, जिसकी पहचान उसके नाम और कार्य द्वारा की जाएगी, जो निम्नानुसार तैयार की जाएगी:

"मैं, अधोहस्ताक्षरी, प्रमाणित करता हूं कि इस चालान द्वारा कवर किए गए भारत को निर्यात के लिए बेचे गए 4-एडीपीए की (मात्रा) (संबंधित देश) में (कंपनी का नाम और पता) द्वारा निर्मित की गई थी। मैं घोषणा करता हूं कि इस चालान में प्रदान की गई जानकारी पूर्ण और सही है।"

यदि ऐसा कोई चालान प्रस्तुत नहीं किया जाता है, तो अन्य सभी उत्पादकों पर लागू शुल्क लागू होगा। यह आवश्यकता लागू सीमा शुल्क कानून और नियमों के तहत सीमा शुल्क अधिकारियों द्वारा स्वतंत्र रूप से किए गए सत्यापन प्रक्रियाओं के प्रति पूर्वाग्रह के बिना है।"

ढ. आगे की प्रक्रिया

142. इन अंतिम निष्कर्षों से उत्पन्न केंद्र सरकार के आदेश के खिलाफ अपील, सीमा शुल्क अधिनियम, 1975 की धारा 9C के अनुसार सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष होगी।

अमिताभ कुमार, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
(Department of Commerce)
(DIRECTORATE GENERAL OF TRADE REMEDIES)

FINAL FINDINGS

New Delhi, the 25th September, 2026

Case No. AD (OI)- 27/2025

Subject: Anti-dumping investigation concerning imports of "4-Aminodiphenylamine (4-ADPA)" originating in or exported from China PR and the European Union.

F. No. 6/30/2025-DGTR.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter referred as "Act") and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Antidumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 thereof, as amended from time to time (hereinafter referred as the "Anti-Dumping Rules" or "Rules") thereof,

A. BACKGROUND OF THE CASE

1. M/s NOCIL Limited (hereinafter referred to as the "applicant") filed an application, before the Designated Authority (hereinafter also referred to as the "Authority") in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 and the Anti-Dumping Rules for initiation of anti-dumping investigation concerning imports of '4-Aminodiphenylamine' (hereinafter also referred to as the "product under consideration" or the "subject goods" or "4-ADPA") from the People's Republic of China ("China PR") and the European Union (hereinafter referred to as the "subject countries").
2. And whereas, in view of the duly substantiated application filed by the applicant, the Authority issued a public notice vide Notification F. No. 6/30/2025-DGTR, dated 29th September, 2025, published in the Gazette of India, initiating anti-dumping investigation into imports of the product under consideration from China PR and the European Union in accordance with Rule 5 of the Anti-Dumping Rules to determine the existence, degree and effect of any alleged dumping of the product under consideration and to recommend the amount of anti-dumping duty, which if levied, would be adequate to remove the alleged injury to the domestic industry.

B. PROCEDURE

3. The procedure described below has been followed with regard to the investigation:

3.1 Initiation

- i. In accordance with Rule 5(5), the Authority notified the embassy of the subject countries in India about the receipt of the present anti-dumping application before proceeding to initiate the investigation.
- ii. Upon examination of the application, the Authority found prima facie evidence of dumping and consequent injury. Therefore, in accordance with Rules 5 and 6, vide

Notification F. No. 6/30/2025-DGTR dated 29th September 2025, the Authority initiated the present proceedings.

- iii. The period of investigation (POI) was considered as 1st April 2024 to 31st March 2025 (12 months). The injury period was set to cover the period 1st April 2021 to 31st March 2022, 1st April 2022 to 31st March 2023, 1st April 2023 to 31st March 2024 and the period of investigation.
- iv. A request was made to the Directorate General for Systems and Data Management ("DG Systems") for transaction-wise import data of the product under consideration for the injury period. The Authority received the data and has relied upon this data for the necessary analysis after due examination of the transactions.

3.2 Circulation of non-confidential version of the application

- v. In accordance with Rule 6(2), the Authority informed the interested parties of the initiation of investigation by sharing a copy of the initiation notification with the embassy of the subject country in India, known producers and exporters of the product under consideration in the subject countries, known importers of the subject goods in India and other interested parties, as per the information made available in the application.
- vi. In accordance with Rule 6(3), the Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the government of the subject countries through their embassy in India, known exporters of the subject imports and to other interested parties who requested in writing for a copy of the application.
- vii. The Authority sent questionnaire to the government of the subject countries through their embassy in India. The government of the subject country was requested to forward the initiation notification and the questionnaires to the producers of the product under consideration in their country and advise them to respond to the questionnaire within the prescribed time limit.
- viii. The Authority sent exporter questionnaires to the known producers/exporters of the subject goods calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the Rules.

SN	Subject country	Name of interested party
1	China PR	Hebei Kemai New Material Technology Co. Ltd.
2	China PR	M/s Lanxess Chemical (China) Co. Ltd.
3	European Union	Eastman Chemical Switzerland LLC
4	European Union	Flexsys Netherlands B.V.

- ix. The Authority sent importer questionnaires to the known importers/users of the subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the Rules.

SN	Name of interested party
1	Finorchem Limited
2	Indian Additives Limited
3	Lanxess India Private Limited

3.3 Participation by exporters of subject countries and importers/users from India

- x. The following producers and exporters have registered themselves as interested parties in the present investigation:

SN	Subject country	Name of interested party
1	China	Sennics Co. Ltd. (Shandong)
2	China	Sennics Co. Ltd. (Anhui)
3	China	Sennics Co. Ltd.
4	China	Lanxess Chemical (China) Co. Ltd.
5	European Union	Flexsys Netherlands B.V

- xi. In response to the initiation of the subject investigation, the following importers/users have registered themselves as interested parties in the investigation.

SN	Name of interested party
1	Lanxess India Private Limited
2	Finorchem Limited

- xii. The Authority issued an Economic Interest Questionnaire (EIQ) to assess public interest and impact of the duties on the wider economy. A copy of the EIQ was sent to the embassy of the subject countries, all the known exporters, importers and users and the applicant. The following interested parties have filed submissions:

SN	Name of interested party
1	NOCIL Limited
2	Lanxess India Private Limited

- xiii. A list of all interested parties that registered themselves within the prescribed timeline was uploaded on the website. All registered interested parties were directed to circulate the non-confidential version of all their submissions in the present proceedings with all other interested parties.

3.4 Further procedures

- xiv. In accordance with Rule 6(6), the Authority provided an opportunity to the interested parties to present their views orally in a hearing held on 20th January 2026. The parties presenting their views in the oral hearing were directed to make written submissions of the views expressed orally, followed by rejoinder submissions. In accordance with the accepted practice of the Authority, non-confidential versions of the rejoinder submissions by the parties were circulated.

- xv. In accordance with Rule 6(8), wherever an interested party has refused access to or has otherwise not provided necessary information in a timely manner during the course of the present proceedings, or has significantly impeded the investigation, the Authority has considered such parties as non-cooperative and recorded the findings based on the facts available.
- xvi. In accordance with Rule 7, information provided by the interested parties on a confidential basis was examined by the Authority with regard to the sufficiency of the confidentiality claimed. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted, and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide a non-confidential summary of the information filed on confidential basis.
- xvii. In accordance with Rule 8, the Authority conducted verification of the data provided by the applicant and other interested parties to the extent considered necessary for the present proceedings. The Authority has considered the verified data of the interested parties in its analysis in the present case.
- xviii. The Authority calculated the non-injurious price (NIP) for the product under consideration so as to ascertain whether duties lower than the dumping margin would be sufficient to remedy the injury being suffered by the applicant. The NIP has been calculated based on the optimum cost of production and cost to produce & sell the domestic like article in India, based on the information furnished by the applicant and having regard to the Generally Accepted Accounting Principles (GAAP).
- xix. The Authority examined the issues raised, information provided, and submissions made by the interested parties during the course of the proceedings, to the extent they were supported by evidence and considered relevant to the present purpose, in making the final finding.
- xx. The examination and verification of the information submitted by the cooperating producers/exporters from the subject countries were also carried out to the extent deemed necessary and the same has been relied upon for the purpose of the present final findings.
- xxi. A disclosure statement containing the essential facts of the investigation which have formed the basis of the final findings was issued to the interested parties on 9th September 2026 and the interested parties were asked to provide comments on the disclosure statement. The submissions made by the interested parties, arguments raised, and the comments to disclosure statement received from the interested parties have been considered, to the extent found relevant, non-repetitive and supported with evidence in this final finding notification.
- xxii. ‘****’ represents information furnished by a party on a confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- xxiii. The exchange rate adopted by the Authority for the present investigation is 1 US\$ = ₹85.43, being the average of the exchange rates notified by the Central Board of Indirect Taxes and Customs under Section 14 of the Customs Act, 1962 for conversion of the value of imported goods, in force during the period of investigation. The same rate has been applied throughout this final finding.

Source: <https://foservices.icegate.gov.in/#/services/viewExchangeRate>

C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

C.1 Submissions by other interested parties

4. The other interested parties have made the following submissions with regard to the product under consideration and like article.
 - i. The product under consideration defined in the application and the initiation notification is limited to "4-Aminodiphenylamine" also known as "4-ADPA" or "4-N-phenylbenzene-1,4-diamine".
 - ii. While para 7 of the initiation notification mentions that the domestic industry has "reported" captively transferred 4-ADPA separately, the same neither states that such captively transferred goods are 4-ADPA with additives, nor does it state that 4-ADPA with additives are included in the purview of the present investigation.
 - iii. 4-ADPA with additives are beyond the product scope defined in the application as well as the initiation notification.

C.2 Submission by the applicant

5. The applicant has made the following submissions with regard to the product under consideration and like article:
 - i. The product under consideration is '4-Aminodiphenylamine' and is also known as '4-ADPA'.
 - ii. There is no known difference in the like article produced by the applicant and the imported product.
 - iii. On the submission that 4-ADPA with additives is not part of the product under consideration, it is submitted that 4-ADPA with additives is also nothing but 4-ADPA. The information given in the application also includes both 4-ADPA with and without additives.
 - iv. If 4-ADPA with additives is excluded, imposition of ADD shall become futile, as the consumers would shift their complete requirements to 4-ADPA with additives.
 - v. As per the applicant's estimates, almost 99% of 4-ADPA is meant for producing N-(1,3-dimethylbutyl)-N'-phenyl-p-phenylenediamine (also known as '6PPD' or 'PX-13') and about 1% is used in production of N-Isopropyl-N'-phenyl-1,4-phenylenediamine (also known as 'IPPD')

C.3 Examination by the Authority

6. At the stage of initiation, the product under consideration was described as under:
 - "4. The product under consideration (PUC) in this present application is "4-Aminodiphenylamine" also known as "4-ADPA" or "4-N-phenylbenzene-1,4-diamine".
 5. 4-ADPA is a rubber chemical intermediate falling under the scope of 'Rubber Chemicals'. It is primarily used in the production of PX-13 (N-(1,3-dimethylbutyl)-N'-phenyl-p-phenylenediamine), also known as 6PPD, and to a minor extent in the production of IPPD.

6. *The prescribed unit of measurement for the product under consideration is weight, expressed in Metric Tonne (MT). All information in the application is presented in MT.*
7. *The applicant has submitted that 4-ADPA produced and sold for merchant sales and the 4-ADPA that is captively transferred for PX-13 production are reported separately. However, this has been treated as a single product for the purpose of present investigation.*
8. *The product under investigation is being imported under Custom Tariff Heading 2921 44 10 and 2921 51 90 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975. However, it is possible that the subject goods may also be imported under other headings and therefore, the Customs tariff heading is indicative only and is not binding on scope of the product."*
7. 4-Aminodiphenylamine bears CAS Registry No. 101-54-2, has the molecular formula $C_{12}H_{12}N_2$ and a molar mass of about 184.24 g/mol, and in its commercial form is a dark purple to purple-black solid melting at about 75°C. It is produced commercially by the condensation of aniline with nitrobenzene, followed by the hydrogenation of the 4-nitrodiphenylamine so formed. It is an intermediate and is not used as such in any end application. On the estimate of the applicant, about 99% of the 4-ADPA consumed is used in the manufacture of PX-13 (6PPD) and about 1% in the manufacture of IPPD. The submissions of the interested parties with regard to the end uses of the product under consideration are examined in the final findings.
8. In terms of para 9 of the initiation notification, the interested parties were called upon to offer their comments on the scope of the product under consideration and to propose product control numbers (PCNs), if any, within 15 days of the circulation of the non-confidential version of the documents filed before the Authority. The non-confidential version of the application was intimated to all interested parties vide letter/e-mail dated 06.10.2025, and the period so granted ended on 21.10.2025. Within that period the only comments received were those of the domestic industry, confined to the PCN methodology; no interested party sought the exclusion of any type, grade or form of the product, or any other modification of the scope of the product under consideration.
9. With regard to the PCN methodology, the domestic industry submitted that it undertakes further processing of 4-ADPA, involving the use of raw material and conversion cost, before transferring the product to its other plant for the production of PX-13, whereas the product imported from the subject countries is imported without such processing. It accordingly requested that the processed and the unprocessed forms be treated as separate PCNs.
10. The Authority, vide communication F. No. 6/30/2025-DGTR dated 24.10.2025 addressed to all interested parties, recorded that, apart from the domestic industry, no proposals for the construction of PCNs had been received; that, after examination of the comments received on the PUC/PCN, the Authority adopts the same scope of the product under consideration as notified in the initiation notification without any changes; and that no PCNs are adopted in this case. The communication further recorded that it was limited to clarifying the scope of the product under consideration, that it did not preclude the interested parties from providing relevant information and evidence to substantiate a request for the exclusion of any particular product, and that the Authority shall decide the scope of the product under consideration for

any measures recommended, after considering the information and evidence furnished by all interested parties during the course of the investigation.

11. As regards the adoption of PCNs, the Authority notes that the subject imports during the period of investigation were of 4-ADPA in unprocessed form, that is, without additives, as borne out by the transaction-wise import data obtained from the Directorate General of Systems, examined and filtered so as to exclude goods other than the product under consideration, and by the questionnaire responses filed by the participating producers and exporters. No interested party has claimed the contrary. The product under consideration being homogeneous as imported, the Authority did not consider it necessary to adopt product control numbers in the present investigation.
12. The contentions of the parties recorded above raise two distinct questions, namely, (a) whether the inclusion of 4-ADPA containing additives within the scope of the product under consideration amounts to an impermissible enlargement of that scope beyond the description notified at initiation; and (b) whether the form produced by the domestic industry after the addition of additives and the form without additives constitute a single like article in relation to the product under consideration. The two questions are examined separately hereunder.
13. As regards the first question, the scope of the product under consideration crystallises at the stage of initiation. Rule 5 of the Rules requires an investigation to be initiated only upon a duly substantiated written application identifying the article alleged to be dumped, and Rule 6(1) of the Rules requires the public notice of initiation to contain adequate information regarding, inter alia, the description of the article involved — consistently with Articles 5.2, 6.1, 6.2 and 12.1.1 of the Agreement on Implementation of Article VI of the General Agreement on Tariffs and Trade 1994 ("the Anti-Dumping Agreement"). It is upon the description notified at initiation that producers, exporters, importers and users decide whether to participate in the investigation and what information to file. The Authority may therefore clarify the notified scope, or narrow it by excluding a particular product type upon evidence, but may not enlarge it beyond the description notified at initiation, as such enlargement would deprive the interested parties of the notice and the opportunity contemplated by the Rules and the Anti-Dumping Agreement.
14. At the same time, neither the Anti-Dumping Agreement nor the Rules prescribe the manner in which the product under consideration is to be delineated, or require it to be internally homogeneous. Article 2.6 of the Anti-Dumping Agreement defines the "like product" by reference to the product under consideration, but does not govern the delineation of the product under consideration itself. The Panel in *European Communities — Anti-Dumping Measure on Farmed Salmon from Norway* (WT/DS337/R) observed, at para 7.48, that "there is simply nothing in the text of Article 2.1 that provides any guidance whatsoever as to what the parameters of that product should be", and held, at para 7.68, that Articles 2.1 and 2.6 do not require an investigating authority to define the product under consideration so as to include only products that are "like" one another. A single product under consideration may therefore comprehend more than one form of the same article, and the decisive question is whether the form in dispute answers the description notified at initiation.

15. Applying that test, it is the domestic industry's own statement on the record, made in the context of the PCN methodology, that the further processing undertaken prior to captive transfer consists of the addition of an additive and the incurring of a conversion cost. Such addition does not alter the chemical identity, composition or essential character of the product, which remains 4-Aminodiphenylamine, and the product serves the identical end use. No interested party has placed on record any technical or commercial evidence to show that 4-ADPA containing additives is bought, sold or otherwise dealt with as a distinct commercial article, or that it has characteristics or uses different from those of 4-ADPA. The Authority clarifies that this determination proceeds upon the description of the product and not upon its customs classification, the customs tariff heading being indicative only. The Authority accordingly holds that 4-ADPA, whether or not containing additives which do not alter its essential character as 4-ADPA, answers the description of the product under consideration notified at initiation, and that its inclusion is a clarification of the scope as originally notified and not an enlargement of it.
16. The interested parties were, moreover, placed on notice at the stage of initiation that captively transferred 4-ADPA formed part of the product under consideration. Para 7 of the initiation notification records in terms that, although the merchant and the captively transferred quantities were reported separately by the applicant, "this has been treated as a single product for the purpose of present investigation". The scope so notified was therefore not confined to the merchant form. The determinations of dumping and injury have been made on the basis of the product as actually imported and the corresponding domestic like article, and no producer, exporter or importer is prejudiced by the clarification recorded above. The objection having been raised after the expiry of the period prescribed under para 9 of the initiation notification and without supporting evidence, the Authority has nevertheless examined it on the merits, in terms of the liberty preserved by the communication dated 24.10.2025.
17. As regards the second question, the domestic industry manufactures a single article, namely, 4-ADPA, a part of which is sold in the merchant market without additives and a part captively transferred, after the addition of additives, for the production of PX-13. For the reasons recorded in para 15 above, that further processing does not bring into existence a different article. The Authority accordingly holds that the 4-ADPA produced by the domestic industry, whether or not containing additives and whether sold in the merchant market or captively transferred, constitutes one and the same like article in relation to the product under consideration within the meaning of Rule 2(d) of the Rules, and forms a single domestic like article for the purposes of the present investigation. The merchant and the captive volumes together accordingly constitute the production and the sales of the like article, and the volume parameters of the domestic industry — production, capacity utilisation, demand and market share — have been examined on that basis in this final findings. The price and profitability parameters — net sales realisation, cost of sales, profit, return on capital employed and the price effect of the subject imports — have been examined with reference to the merchant sales of the domestic industry, captive transfers not being sales at market prices and not yielding a net sales realisation capable of comparison with the landed value of the subject imports. The

effect of the decline in the captive consumption of the domestic industry has been separately considered in the non-attribution analysis below.

18. The request of the domestic industry for separate product control numbers was founded upon the difference in cost between the processed and the unprocessed forms. The Authority notes that the subject imports are of the unprocessed form, and that the net sales realisation and the cost of sales of the domestic industry adopted for the price-effect comparison are those of its merchant sales, which are likewise of the unprocessed form; the comparison has therefore been made in respect of the same form of the product and at the same level of trade. In determining the non-injurious price, the cost of the additive and the conversion cost of the further processing undertaken prior to captive transfer have not been taken into account. The methodology for the determination of the non-injurious price is set out below.
19. The Authority has also considered the submission of the domestic industry that the exclusion of 4-ADPA with additives would render any anti-dumping duty futile. The conclusion recorded above rests upon the finding that 4-ADPA containing additives answers the description of the product under consideration notified at initiation, and not upon that apprehension, on which the Authority considers it unnecessary to express any view. It is, however, clarified that imports of 4-ADPA containing additives which do not alter its essential character as 4-ADPA fall within the scope of the product under consideration and of any measure that may be recommended in the present investigation. It is further observed, without prejudice, that any alteration of the description, name or composition of an article subject to anti-dumping duty in order to escape such duty is in any event amenable to proceedings under Rules 25 to 28 of the Rules.
20. In view of the foregoing, the Authority confirms the scope of the product under consideration as notified at the stage of initiation, and holds that the product under consideration in the present investigation is:

"4-Aminodiphenylamine", also known as "4-ADPA" or "4-N-phenylbenzene-1,4-diamine", whether or not containing additives which do not alter its essential character as 4-Aminodiphenylamine
21. The product under consideration is imported under Customs Tariff Headings 2921 44 10 and 2921 51 90 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975. It is possible that the subject goods may also be imported under other headings. The customs tariff heading is therefore indicative only and is not binding upon the scope of the product under consideration.
22. Rule 2(d) of the Rules defines "like article" as under:

"like article" means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation.

23. There is no known difference between the product under consideration exported from the subject countries and the article produced by the domestic industry. The two are comparable in terms of physical and chemical characteristics, manufacturing process and technology, functions and uses, product specifications, pricing, distribution and marketing, and tariff classification; they are technically and commercially substitutable and can be used interchangeably by consumers. No interested party has claimed otherwise. The Authority therefore holds that the article produced by the domestic industry, whether sold in the merchant market or captively transferred, is a like article to the product under consideration imported from the subject countries within the meaning of Rule 2(d) of the Rules.

D. SCOPE OF THE DOMESTIC INDUSTRY & STANDING

D.1 Submission by opposing interested parties

24. The opposing interested parties have made the following submissions with regard to the scope of the domestic industry and its standing.
- i. New investment and capacity expansion by another producer are inconsistent with any claim of material injury. These developments demonstrate that the market remains viable and competitive.

D.2 Submission by the applicant

25. The applicant has made the following submissions with regard to the scope of the domestic industry and its standing:
- i. The applicant is the sole producer in India of the product under consideration, 4-Aminodiphenylamine (4-ADPA).
 - ii. Other than the applicant, there is another producer of the like article. However, it is the applicant's understanding that the producer has commenced production post the period of investigation.
 - iii. The applicant has not imported the product under consideration in the period of investigation from any of the subject countries.
 - iv. The applicant is not related to any exporters in the subject countries or importers of the product under consideration into India.

D.3 Examination by the Authority

26. Rule 2(b) of the Rules defines the term 'domestic industry' as under:

"(b) "domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term 'domestic industry' may be construed as referring to the rest of the producers".

27. The application has been filed by NOCIL Limited. As per the information on record, there is one other producer of the subject goods in India viz., Finorchem Limited. The Authority had

sent communication to Finorchem Limited before the initiation of this investigation. Finorchem Limited responded and conveyed its support to the anti-dumping application filed by the applicant, informing that they have established a new manufacturing facility for 4-Aminodiphenylamine (4-ADPA) at Panoli, Ankleshwar, District Bharuch, Gujarat, in March 2025 with an installed capacity of 12,240 MTPA. The domestic industry has claimed that the producer was not producing the product under consideration during the injury period, which has not been disputed by the producer

28. The Authority has examined the DG System transaction-wise data, and it is seen that NOCIL Limited has not imported the product under consideration in the period of investigation. It is also seen that NOCIL Limited is not related to any exporters of the product under consideration from the subject countries or any importer in India.
29. Based on the information on record, the Authority has determined the Indian production and share of NOCIL Limited in Indian production for the period of investigation as follows:

SN	Particulars	Production	Share (%)
1	Production of NOCIL Limited	***	100%
2	Production of Other Indian Producers	-	0%
3	Total/gross Indian production	***	100%

30. The Authority notes that the production of NOCIL Limited accounts for 100% share in the gross Indian production.
31. Considering the information available on record, it is seen that NOCIL Limited accounts for a major proportion of Indian production in terms of the Rules. NOCIL Limited is an eligible domestic industry within the meaning of Rule 2(b) and satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5(3) of the Rules. Hence, the Authority holds that NOCIL Limited constitutes a domestic industry within the meaning of the Rules.

E. CONFIDENTIALITY AND MISCELLANEOUS SUBMISSIONS

E.1 Submission by opposing interested parties

32. The opposing interested parties have made the following miscellaneous submissions:
- Contrary to the claims of the applicant, all confidentiality claims made in their response by the producers in the subject country are consistent with Rule 7 of the Anti-Dumping Rules and the Trade Notice No. 10/2018 dated 27th September 2018 issued by the Authority. These claims have been made only for proprietary business information, disclosure of which would result in significant commercial harm and may adversely affect the competitive position of the company.

- ii. Applicant has failed to adhere to the requirements of Trade Notice 10/2018 on confidentiality as it has failed to disclose the range of non-injurious prices
- iii. Import data should be provided by the Authority in the same format and manner it was taken on record for the purpose of this investigation in line with the judgement of the Hon'ble CESTAT in Exotic Décor Pvt. Ltd. vs Designated Authority (Anti-Dumping Appeal No. 52233 OF 2018) dated 12th June 2020.
- iv. When the applicant first approached the Authority seeking anti-dumping duties on 4-ADPA, the application was rejected on the correct and settled ground that the applicant was consuming the entire production captively and was not selling 4-ADPA in the open market.
- v. The data sourced by the applicant from the private source is not authentic and reliable.

E.2 Submission by the applicant

33. The applicant has made the following miscellaneous submissions:

- i. Excessive confidentiality is claimed by Sennics Co., Ltd., Sennics Co., Ltd. Anhui and Sennics Co., Ltd. Shandong concerning the production process, list of products produced, list of related companies and the financial and accounting system used by the companies. Related parties should be disclosed in accordance with the Trade Notice.
- ii. Lanxess India Private Limited, contrary to the requirement under Trade Notice No. 10//2018 has claimed confidential the purchase quantity and value of the 4-ADPA, total sales turnover (quantity and value), list of products sold, production process and flow chart of products manufactured using the product under consideration, cost of raw material for each of the products that incorporate 4-ADPA, share in downstream Indian market, countries where products manufactured incorporating 4-ADPA are sold and estimated market share therein, and details of utilization of 4-ADPA.
- iii. Sennics Co. Ltd., Sennics Co., Ltd. Anhui and Sennics Co., Ltd. Shandong, contrary to the requirement under Trade Notice No. 10//2018 has claimed confidential details of related parties involved in production/sale/purchase of PUC and details of main raw materials involved in the manufacture of PUC.
- iv. The other interested parties alleged that the domestic industry failed to adhere to the trade notice 10/2018, however, the domestic industry has disclosed all relevant information, including the NIP (in range) and net sales realization (in indexed/trend form), in the non-confidential version of the application.
- v. The facts of the present investigation and previous application filed on 4-ADPA are completely different. For the previous application, the case was not initiated in the absence of domestic sales by the applicant and the presence of a demand-supply gap. In contrast, neither of these circumstances exists in the present investigation.
- vi. There is no sufficient evidence brought forward by the interested party showing how the import data of the applicant is unreliable. Since transaction-wise data from DGCI&S was not available with the applicant, the applicant had considered import data as per third-party information, which the applicant is not authorized to disclose.

E.3 Examination by the Authority

34. The Authority made available the non-confidential version of the information provided by the various parties to all the other interested parties as per Rule 6(7). With regard to confidentiality of the information submitted by the interested parties, Rule 7 of the Rules provides as follows:

"7. Confidential Information:

- (1) Notwithstanding anything contained in sub-rules (2), (3) and (7) of rule 6, sub-rule (2) of rule 12, sub-rule (4) of rule 15 and sub-rule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub -rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.*
- (2) The designated authority may require the interested parties providing information on confidential basis to furnish nonconfidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarisation is not possible.*
- (3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorize its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information."*

35. It is seen that the domestic industry and interested parties have claimed confidentiality on information, such as production, capacity, capacity utilization, sales volumes, market share, stocks, selling price, costs, profits, cash profits, return on investment, non-injurious price, cost of production related information, normal value, export price, dumping margin, landed price, injury margin, price adjustments, profit related information, sales channels, sales & purchase documents, customers and suppliers names, etc. It is also seen that wherever information is for the injury period, the same has been provided on an indexed basis. Wherever information pertains to single year, the same has been disclosed in range, if such disclosure does not compromise confidentiality of information. The interested parties have claimed confidentiality in various supporting documents & information, wherever such information has not been publicly disclosed by them. In those cases where an interested party has not publicly disclosed its annual reports and financial statements, the same has been claimed confidential. Wherever the interested parties have claimed a document as confidential, it is noted that these interested parties have claimed that these documents are not susceptible of summary and have given reasons why summarization is not possible. The interested parties claimed that the domestic industry did not disclose range of non-injurious price. It is noted that the same information was subsequently disclosed.

36. The Authority has consistently allowed interested parties to claim confidentiality on such information and documents provided by domestic industries, foreign producers and other interested parties in all investigations. The Authority notes that all the interested parties have claimed their business-related sensitive information as confidential. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted, and such information has been considered confidential and not disclosed to the other interested parties.
37. With regard to the opposing interested parties' argument that a previous application concerning the product under consideration was rejected by the Authority on the ground that the domestic industry was consuming its entire production captively and was not selling 4-ADPA in the open market, the Authority notes that such rejection is not relevant to the present application. In the present investigation, the domestic industry has sold in the domestic market throughout the injury period. Further, the capacity of the domestic industry is sufficiently higher than the demand in the country. The Authority notes that the present investigation was initiated based on a duly substantiated written application submitted by the domestic industry. The Authority reached satisfaction, based on the prima facie evidence submitted by the domestic industry, regarding the dumping of the product under consideration originating in or exported from the subject countries, the consequent injury to the domestic industry as a result of such dumping, and the causal link between the dumped imports and the injury suffered by the domestic industry. The investigation was accordingly initiated in accordance with Section 9A of the Act read with Rule 5 of the Rules.
38. As regards disclosure of transaction-wise data by the applicant or DGTR, the Authority notes that the relevant information prescribed for the applicant is volume and value of imports. The applicant has submitted that it has relied upon market intelligence data to ascertain the volume and value of imports. The import volume and value have been disclosed to the other interested parties. The applicant claimed its data as confidential. In any case, the Authority has relied upon DG Systems data for computation of total volume and value of imports. Since transaction-wise data procured by the Authority is not in the public domain and the same is not shared by the Government of India with the public at large, the same has not been disclosed to any interested party, including the domestic industry. The import volume as considered from DG systems data has been disclosed to the interested parties in the disclosure statement. It is further noted that the decision of Hon'ble CESTAT in Exotic Décor Pvt. Ltd. And Ors. V. Designated Authority, Directorate General of Anti-Dumping & Allied Duties is not applicable on the disclosure of import data as per DG Systems data, which the Authority is not authorised to disclose.

ASSESSMENT OF DUMPING AND DETERMINATION OF NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN

F.1 Submission by other interested parties

39. The opposing interested parties have made the following submissions with regard to assessment of dumping and determination of normal value, export price and dumping margin.

- i. China should be granted market economy status. Normal value should accordingly be calculated according to Article 2 of the WTO Anti-Dumping Agreement using actual Chinese data. The Authority should therefore refrain from employing surrogate country data in this investigation.
- ii. Related-party sourcing and transfer pricing arrangements are normal commercial practices and dumping analysis must be based solely on verified export prices and transaction data. Accordingly, the said allegations were requested to be disregarded.

F.2 Submission by the applicant

40. The applicant has made the following submissions with regard to assessment of dumping and determination of normal value, export price and dumping margin:
 - i. China PR should be considered a non-market economy.
 - ii. It is contended that Article 15(a)(ii) of China PR's Accession Protocol has ceased to apply and, therefore, cannot be relied upon in the present investigation. However, Article 15(a)(i) continues to remain applicable and should be duly considered while determining the normal value for China PR.
 - iii. The obligation under 15(a)(i) of China PR's Accession Protocol requires the criterion stipulated in para 8 of Annexure I of the Rules to be satisfied by the exporter.
 - iv. Since Chinese producers are not entitled to market economy treatment, the Designated Authority should follow para 7 of Annexure I of the Rules for the determination of Normal Value.
 - v. In the absence of participation by any producer/exporter from the EU, normal value for the EU may be determined based on the cost of production of 4-ADPA with reasonable addition for profits as proposed by the applicant.

F.3 Examination by the Authority

41. The Authority sent questionnaires to the known producers/exporters from the subject country, advising them to provide information in the form and manner prescribed by the Authority. The following producers and exporters from the subject countries, along with their related exporter and importer in India, have filed the prescribed questionnaire responses.

SN	Name of interested party
a.	Sennics Co., Ltd. (Shandong)
b.	Sennics Co., Ltd. (Anhui)
c.	Sennics Co., Ltd
d.	Lanxess Chemical (China) Co., Ltd.

42. Flexsys Netherlands B.V. is a producer of the subject goods in European Union. The Authority notes that the producer/exporter has not submitted Exporter's Questionnaire response furnishing the required information. The producer from European Union had registered in the present investigation but has not shared any exporter questionnaire response. The interested party did not present any submission during the oral hearing. It should therefore be considered that there is no participation from the European Union.

43. The normal value and export prices for all the producers/exporters from the subject countries have been determined as below,

a. Normal value and export price from China PR.

44. Under section 9A (1) (c), normal value in relation to an article means:

- i) The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article, when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6), or*
- ii) When there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either: (a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profit, as determined in accordance with the rules made under sub-section 6);*
- b) Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.*

- Normal value

45. Article 15 of China's Accession Protocol in WTO provides as follows:

Article VI of the GATT 1994, the Agreement on Implementation of Article VI of the General Agreement on Tariffs and Trade 1994 ("Anti-Dumping Agreement") and the SCM Agreement shall apply in proceedings involving imports of Chinese origin into a WTO Member consistent with the following:

*(a) In determining price comparability under Article VI of the GATT 1994 and the Anti-Dumping Agreement, the importing WTO Member shall use either Chinese prices or costs for the industry under investigation or a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China based on the following rules:**

(i) If the producers under investigation can clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to the manufacture, production and sale of that product, the importing WTO Member shall use Chinese prices or costs for the industry under investigation in determining price comparability;

*(ii) The importing WTO Member may use a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China if the producers under investigation cannot clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to manufacture, production and sale of that product.**

(b) In proceedings under Parts II, III and V of the SCM Agreement, when addressing subsidies described in Articles 14(a), 14(b), 14(c) and 14(d), relevant provisions of the SCM Agreement shall apply; however, if there are special difficulties in that application, the importing WTO member may then use methodologies for identifying and measuring the subsidy benefit which take into account the possibility that prevailing terms and conditions in China may not always be available as appropriate benchmarks. In applying such methodologies, where practicable, the importing WTO Member should adjust such prevailing terms and conditions before considering the use of terms and conditions prevailing outside China.

(c) The importing WTO Member shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (a) to the Committee on Anti-Dumping Practices and shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (b) to the Committee on Subsidies and Countervailing Measures.

(d) Once China has established, under the national law of the importing WTO Member, that it is a market economy, the provisions of subparagraph (a) shall be terminated provided that the importing Member's national law contains market economy criteria as of the date of accession. In any event, the provision of subparagraph (a)(ii) shall expire 15 years after the date of accession. In addition, should China establish, pursuant to the national law of the importing WTO member, that market economy conditions prevail in a particular industry or sector, the nonmarket economy provisions of subparagraph (a) shall no longer apply to that industry or sector."

46. The applicant had relied upon Article 15(a)(i) of China's Accession Protocol as well as para 7 of Annexure I and claimed that producers in China PR must be asked to demonstrate that market economy conditions prevail in their industry producing the like product with regard to the manufacture, production and sale of the product under consideration. It has been stated by the applicants that in case the responding Chinese producers are not able to demonstrate that their costs and price information are market-driven, the normal value should be calculated in terms of provisions of Para 7 and 8 of Annexure- I to the Rules.
47. It is noted that while the provision contained in Article 15 (a)(ii) has expired on 11.12.2016, the provision under Article 2.2.1.1 of WTO Anti-dumping Agreement read with the obligation under Article 15(a)(i) of the Accession Protocol require criterion stipulated in paragraph 8 of Annexure I of the Rules to be satisfied through the information/data to be provided in the supplementary questionnaire on claiming market economy treatment. It is noted that since the responding producers/exporters from China PR have not submitted a response to the supplementary questionnaire, the normal value computation is required to be done as per the provisions of paragraph 7 of Annexure I of the Rules, which reads as under:

"7. In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in a market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India, or where it is not possible, on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India

for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of the selection. Account shall also be taken within time limits; where appropriate, of the investigation, if any, made in a similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without unreasonable delay of the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments."

48. At the stage of initiation, the Authority proceeded with the presumption of treating China PR as a non-market economy country. Upon initiation, the Authority advised the producers/exporters in China PR to respond to the notice of initiation and provide information on whether their data/information could be adopted for normal value determination. The Authority sent copies of the market economy treatment/supplementary questionnaire to all the known producers/exporters in China PR to provide relevant information in this regard.
49. Para 7 lays down a hierarchy for the determination of normal value and provides that normal value shall be determined on the basis of price or constructed value in a market economy third country, or the price from such a third country to any other country, including India, or where it is not possible, on any reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like article, duly adjusted, if necessary, to include a reasonable profit margin. Thus, the Authority notes that the normal value is required to be determined having regard to the various sequential alternatives provided under Para 7.
50. The Authority notes that none of the interested parties has provided any information regarding the domestic price or constructed value of the product in an appropriate market-economy third country. The domestic industry had submitted that data relating to cost and price in a market economy third country is not available. With regard to the price at which the product under consideration is exported from the market economy third country to any other country, including India, the domestic industry had submitted that there is no dedicated HS code for the product under consideration in other countries because of which no information was available for the same. Therefore, the normal value could not be determined on this basis.
51. In terms of para 7 of Annexure I to the Rules, the Authority has determined the normal value for China PR on any other reasonable basis, namely the cost of production in India, duly adjusted by the addition of selling, general and administrative expenses and a reasonable profit. The constructed normal value so determined is mentioned in the dumping margin table.

Export price

- a. **Sennics Co., Ltd. Anhui, (producer) Sennics Co., Ltd. Shandong (Producer) and Sennics Co., Ltd.-Sennic-HQ (Trader)**
52. It is also noted that the subject goods sold to Sennics Co., Ltd. (Sennics-HQ) China PR by Sennics Co., Ltd., Anhui, Sennics Co., Ltd. (Sennics-HQ) China PR has resold the same

subject goods to India indirectly through another unrelated exporter/trader namely, Lanxess Chemical (China) Company Limited. Sennics Co., Ltd. Anhui, and Sennics Co., Ltd. Shandong (hereinafter together known as Sennics China) are producer/exporters of the subject goods from China PR. The two companies are part of the Sennics Group.

53. During the POI, Sennics Co., Ltd., Anhui China PR has sold 2726.00 MT of subject goods of invoice value as 35167750.00 RMB to India indirectly through a related exporter/trader namely, Sennics Co., Ltd. (Sennics-HQ) China PR. Further, Sennics Co., Ltd. (Sennics-HQ) China PR has resold the same subject goods to India indirectly through another unrelated exporter/trader namely, Lanxess Chemical (China) Company Limited.
54. During the POI, Sennics Co., Ltd., Shandong, China PR has sold 963.50 MT of subject goods of invoice value as 13265750.00 RMB to India indirectly through a related exporter/trader namely, Sennics Co., Ltd. (Sennic-HQ). (Sennics-HQ) China PR has resold the same subject goods to India indirectly through another unrelated exporter/trader namely, Lanxess Chemical (China) Company Limited.
55. Both the producers have sold the subject goods through Sennics,HQ to Lanxess Chemical (China) Co., Ltd which is an unrelated entity. Lanxess Chemical (China) Co., Ltd has then resold the goods to its Indian entity Lanxess India Private Limited which has consumed the goods captively. Adjustments have been allowed, namely ocean freight, marine insurance, inland transportation, port and other related expenses and customs fees as applicable after desk verification. Net export price so arrived is mentioned in the dumping margin table.

b. Non-cooperative producers of China PR

56. The Authority has determined the net export price for non-cooperative producers/exporters on the facts available. The ex-factory export price as determined is shown in the dumping margin table below.

Normal value and export price from European Union

- Normal value, and Export price

57. In the absence of participation by any producer/exporter from the European Union, the Authority has determined normal value, and export price for EU based on facts available. The normal value has been determined considering the cost of production in India, duly adjusted, after addition for the selling, general & administrative expenses, and the reasonable profits.
58. The net export price has also been determined on the basis of facts available. The ex-factory normal value and net export price as determined is shown in the dumping margin table below.

Dumping margin for related producers and Exporters

59. It is noted that in the subject investigations many cooperating producers and exporters are related to each other and form a group of related companies. It has been a consistent practice of the Authority to consider related exporting producers and exporters as one single entity for the determination of a dumping margin and thus to establish one single dumping margin for

them. This is in particular because calculating individual dumping margins might encourage circumvention of antidumping measures, thus rendering them ineffective, by enabling related exporting producers to channel their exports to India through the company with the lowest individual dumping margin.

60. In accordance with the above, the related producers and exporters were regarded as one single entity and attributed one single dumping margin which was calculated on the basis of the weighted average of the dumping margins of the cooperating related producers and exporters.

c. Dumping margin

61. The normal value/ Constructed Normal Value, export price and dumping margin determined in the present investigation are as follows

SN	Country	Producer / Exporter	Constructed Normal Value (USD/MT)	NEP (USD /MT)	Dumping Margin (USD/M T)	Dumping Margin (%)	Dumping Margin Range
A	China PR						
1	China PR	Sennics Co., Ltd. Anhui and Sennics Co., Ltd. Shandong	***	***	***	***	60-70
2	China PR	Any other producer	***	***	***	***	70-80
B	European Union						
1	European Union	Any	***	***	***	***	10-20

F. ASSESSMENT OF INJURY AND CAUSAL LINK

G.1 Submission by other interested parties

62. The opposing interested parties have made the following submissions with regard to assessment of injury and causal link:
- That injury arising from captive consumption cannot be attributed to imports, as captive transfers do not constitute market sales. It was submitted that any adverse performance relating to captive consumption may be attributable to internal inefficiencies, low-capacity utilisation, high fixed costs, internal transfer pricing and business decisions. It was further submitted that any correlation between imports of 4-ADPA and production, sales and profitability of PX-13 is not relevant for product-specific injury determination.
 - That the claims regarding lost sales and projected profitability are speculative and unsupported by customer-wise evidence of displacement or price effects. It was further

submitted that imports from China PR increased only marginally, while imports from the subject countries declined during the POI, including in relative terms.

- iii. That the Domestic Industry has been manufacturing 4-ADPA since 2015-16 and has experienced capacity underutilization for a prolonged period, which cannot be attributed solely to imports during the POI. It was further submitted that the Domestic Industry's sales volume and gross sales value increased during the POI as compared to 2021-22, while its sales growth exceeded the growth in overall non-captive demand. Average inventory, inventory in terms of days of production and days of sales also declined during the POI.
- iv. That the decline in net profit was primarily attributable to an increase in depreciation and interest costs, while profit before depreciation, interest and tax increased during the POI. It was also submitted that the increase in employees, wages and capital employed indicates continued investment and expansion of operations.
- v. That the relatively small scale of operations of the Domestic Industry, compared with global producers, may result in higher costs and lower profitability due to limited economies of scale. It was further submitted that any adverse performance in captive consumption may be attributable to internal transfer pricing, downstream market conditions and commercial decisions. The interested party also submitted that the alleged injury may be attributable to increased downstream competition following the loss of the Domestic Industry's earlier monopoly position.
- vi. That 4-ADPA does not have a significant independent merchant market in India and is predominantly consumed captively, with only limited quantities being sold to Lanxess. It was further submitted that imports by Lanxess were made pursuant to long-standing sourcing arrangements and not on account of allegedly dumped prices. Accordingly, the interested party requested that the Authority examine the injury and causation claims in light of the captive nature of 4-ADPA, developments in the downstream PX-13 market, import trends and other known factors.
- vii. The opposing parties are of the opinion that the investigation is legally flawed and discriminatory as it fails to include Japan, the USA, and Korea RP as subject countries. While individually below the 3% import share threshold, these countries collectively account for 7.28% of total imports, exceeding the 7% threshold mandated for inclusion under Annexure II, Para (iii) of the Anti-Dumping Rules. Their exclusion violates the non-discriminatory principle of the WTO Anti-Dumping Agreement.

G.2 Submission by the applicant

63. The applicant has made the following submissions with regard to assessment of injury and causal link:
 - i. That captive consumption and captive performance should be considered in the injury analysis, as the availability of dumped 4-ADPA to other domestic PX-13 producers enables them to produce and sell PX-13 at lower prices, thereby affecting the applicant's PX-13 production, costs and the commercial viability of captive 4-ADPA. The applicant relied upon WTO jurisprudence and previous findings of the Authority where captive consumption was considered for injury analysis. It was further submitted that duties on PX-13 alone may be ineffective if 4-ADPA continues to be available at dumped prices, and vice versa, as continued dumping of either product would constrain the applicant's sales and prices in the downstream market.

- ii. That imports of 4-ADPA increased during the injury period in absolute and relative terms, with the marginal decline during the POI being attributed to increased imports of PX-13. It was further submitted that the applicant's PX-13 production declined when imports of 4-ADPA increased and continued to remain under pressure thereafter. The applicant also submitted that demand for 4-ADPA is directly linked to demand for PX-13.
- iii. That price undercutting was negative during the POI only because it offered highly competitive prices to secure a large order, and that its selling prices remained depressed. Despite sufficient capacity, production and capacity utilisation declined during the injury period, with only a marginal improvement during the POI. Domestic sales also declined in the initial years due to lower captive consumption, while other PX-13 producers allegedly increased their market share using dumped 4-ADPA. The applicant submitted that the subsequent increase in domestic sales was attributable to its own efforts to secure orders.
- iv. That it suffered significant loss of sales and market share during the injury period and that its actual sales remained substantially below its potential sales. It was submitted that the applicant could have achieved domestic sales of more than ₹230 crore at fair selling prices, compared with actual sales of approximately ₹14 crore during the POI. The applicant also submitted that its market share remained below 10% in the merchant market despite having sufficient capacity, and that such low market share has been accepted by the Authority in other investigations.
- v. That inventory levels increased over the injury period, despite a marginal decline during the POI, while profitability and ROCE remained negative in several years, including the POI. It was argued that the positive profitability in 2022-23 was due to the higher prices of imports from Europe. The applicant further submitted that even offers below import prices did not result in orders from consumers, although such orders could have generated positive contribution and improved cash flows.
- vi. That its growth declined significantly in terms of both volume and price parameters, and that the dumping margin was above the de minimis level and significant. Accordingly, it was submitted that the trends in imports, prices, production, capacity utilisation, sales, market share, inventory and profitability establish injury and a causal link with the dumped imports.

G.3 Examination by the Authority

64. Rule 11 of Anti-dumping Rules read with Annexure II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, "... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on the domestic producers of such articles...". In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, inventory, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the Rules.

65. It has been contended that the domestic industry's production has declined, leading to an increase in the cost of production and, consequently, injury. The Authority has examined the effect of the decline in captive consumption on the production of the domestic industry in the non-attribution analysis below, and has not attributed to the dumped imports that part of the decline in production which arises from lower captive consumption.
66. Para (iii) of Annexure II of the Rules deals with cumulative analysis of imports. It reads as follows:
- (iii) In cases where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to antidumping investigation, the designated authority will cumulatively assess the effect of such imports, only when it determines that, -*
- (a) the margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two per cent. expressed as a percentage of export price and the volume of the imports from each country is three per cent. of the import of like article or where the export of individual countries is less than three per cent., the imports collectively account for more than seven per cent. of the import of like article; and**
- (b) a cumulative assessment of the effects of the imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported products and the conditions of competition between the imported products and the like domestic product.*
67. The Authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determined that:
- a. The margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as a percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent (or more) of the import of the like article or where the export of individual countries is less than three percent, the imports collectively account for more than seven percent of the imports of the like article, and
 - b. Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic article.
68. The Authority notes that:
- a. The subject goods are being dumped into India from the subject countries. The margin of dumping from each of the subject countries is more than the de minimis limits prescribed under the Rules.
 - b. The volume of imports from each of the subject countries is individually more than 3% of the total volume of imports.
 - c. Cumulative assessment of the effects of imports is appropriate as the imports from the subject countries not only directly compete with the like articles offered by each of them but also the like articles offered by the domestic industry in the Indian market.
 - d. There were no imports of the product under consideration from countries other than the subject countries during the period of investigation.

69. In view of the above, the Authority considers it appropriate to cumulatively assess the effects of dumped imports of the product under consideration from the subject countries on the domestic industry.
70. It has been contended that the injury suffered by the domestic industry is attributable to the dumping of PX-13 and that the imposition of anti-dumping duty on PX-13 would remedy such injury. It is noted that the domestic industry has suffered material injury in its PX-13 operations and vide Final Findings No. 6/10/2025-DGTR dated 24.06.2026, the Authority has recommended the imposition of anti-dumping duty on dumped imports of PX-13. The domestic industry has claimed that dumping of 4 ADPA is also impacting its performance of PX-13 as it is unable to compete with other producers of PX-13. The domestic industry has also furnished information demonstrating how the imposition of anti-dumping duty would address the injury suffered in respect of both PX-13 and 4-ADPA. However, while the imposition of duty on PX-13 is expected to partially remedy the injury in respect of PX-13, the performance of the domestic industry would continue to remain suboptimal. In the present investigation, the Authority has confined its examination to the operations relating to 4-ADPA, and the injury analysis set out below pertains solely to 4-ADPA.

G.3.1 Assessment of demand/apparent consumption

71. For the purpose of the present investigation, demand or apparent consumption of the like article in India has been defined as the sum of domestic sales of the domestic industry, domestic sales of other Indian producers, and imports of the product under consideration from all sources. The demand so assessed is given in the table below.

SN	Particulars	Units	2021-22	2022-23	2023-24	POI
1	Sales of domestic industry	MT	***	***	***	***
2	Trend	Indexed	100	22	130	341
3	Sale of other Indian producers	MT	-	-	-	-
4	Trend	Indexed	-	-	-	-
5	Imports from subject countries	MT	4,103	6,850	7,424	7,682
6	Trend	Indexed	100	167	181	187
7	Imports from other countries	MT	88	-	-	-
8	Trend	Indexed	100	-	-	-
9	Demand/consumption excluding captive	MT	***	***	***	***
10	Trend	Indexed	100	158	175	189
11	Captive consumption	MT	***	***	***	***
12	Trend	Indexed	100	97	82	86
13	Demand/consumption including captive	MT	***	***	***	***
14	Trend	Indexed	100	112	104	111

72. It is seen that:
- Demand/consumption excluding captive consumption increased consistently over the injury period, from index 100 in 2021-22 to index 189 in the period of investigation.

- b. Demand/consumption including captive consumption increased in 2022-23, declined in 2023-24 and increased again in the period of investigation, moving from index 100 to index 111 over the injury period.

73. It is seen that there are only three users of the product in the domestic market – Lanxess India Private Limited, Finorchem India Limited and domestic industry. The domestic industry sells in the domestic market, and captively consumes the product also. All the three entities use the product to produce PX-13. It is seen that in the period of investigation, Finorchem India Limited has purchased entire material from European Union and Lanxess India Private Limited has purchased from the domestic industry as well as China.

G.3.2 Volume effect of the dumped imports

74. With regard to the volume of imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports from the subject country, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. The same is analyzed in the table below.

SN	Particulars	Units	2021-22	2022-23	2023-24	POI
1	Subject countries	MT	4,103	6,850	7,424	7,682
2	Trend	Indexed	100	167	181	187
3	Other countries	MT	88	-	-	-
4	Trend	Indexed	100	-	-	-
Imports from subject countries in relation to						
5	India production	%	***	***	***	***
6	Trend	Indexed	100	170	217	217
7	Indian demand (including captive)	%	***	***	***	***
8	Trend	Indexed	100	148	174	165
9	Indian demand (excluding captive)		***	***	***	***
10	Trend	Indexed	100	106	103	99
11	Total imports	%	98%	100%	100%	100%
12	Trend	Indexed	100	102	102	102

75. It is seen that imports from the subject countries increased from 4,103 MT in 2021-22 to 6,850 MT in 2022-23, increased further to 7,424 MT in 2023-24, and thereafter increased to 7,682 MT during the POI. The Authority notes that imports from the subject countries increased consistently throughout the injury period.
76. Imports in relation to Indian production increased consistently from ***% in 2021-22 to ***% in 2022-23 and further to ***% in 2023-24, and remained at ***% during the POI. Imports in relation to Indian demand, including captive consumption, increased from ***% in 2021-22 to ***% in 2022-23 and ***% in 2023-24, before declining to ***% during the POI.

77. The Authority notes that imports from the subject countries increased by 87% in absolute terms over the injury period, against an increase of 11% in Indian demand including captive consumption. Their share of Indian demand including captive consumption accordingly rose from ***% to ***%, and their volume in relation to Indian production rose from ***% to ***%. Throughout the injury period the subject imports accounted for between ***% and ***% of the non-captive market. The Authority accordingly holds that imports from the subject countries have increased significantly over the injury period, both in absolute terms and in relation to production and consumption in India.

G.3.3 Price effect of the dumped imports

78. With regard to the effect of the dumped imports on prices of the domestic industry, it is required to be analyzed whether there has been a significant price undercutting by the alleged dumped imports as compared to the price of the like products in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices or prevent price increases, which otherwise would have occurred in the normal course. The impact on the prices of the domestic industry on account of the dumped imports from the subject country has been examined with reference to price undercutting, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis, the cost of production and net sales realization (NSR) of the domestic industry have been compared with the landed price of imports of the subject goods from the subject country.

a. Price undercutting

79. For the purpose of price undercutting analysis, the net selling price of the domestic industry has been compared with the landed price of imports from the subject countries. Accordingly, the price effects of the dumped imports from the subject countries are as follows:

SN	Particulars	Units	China PR	EU	Subject countries
1	Import volume	MT	3,666	4,016	7,682
2	Net sales realization	Rs/MT	***	***	***
3	Landed price	Rs/MT	2,35,386	2,47,671	2,41,808
4	Price undercutting	Rs/MT	***	***	***
5	Price undercutting	%	***	***	***
6	Price undercutting	Range	Negative	Negative	Negative

80. The Authority notes that the price undercutting is negative in respect of both China PR *** and the European Union *** and is also negative on a weighted average basis ***. The domestic industry has submitted that the negative price undercutting is attributable to the highly competitive prices offered by it to one of its consumers for securing a large-volume order. It has further submitted that, although such prices were below the cost of production and resulted in losses, the selling prices remained above the variable cost and thereby generated a positive contribution towards fixed costs. The Authority has taken note of the submissions of the domestic industry in this regard.

b. Price suppression/depression

81. In order to determine whether the dumped imports are depressing the domestic prices and whether the effect of such imports is to suppress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred in the normal course, the changes in the costs and prices over the injury period are compared as below:

SN	Particulars	Units	2021-22	2022-23	2023-24	POI
1	Selling price	Rs/MT	***	***	***	***
2	Trend	Indexed	100	160	128	109
3	Change	Rs/MT	***	***	***	***
4	Cost of sales	Rs/MT	***	***	***	***
5	Trend	Indexed	100	141	130	112
6	Change	Rs/MT	***	***	***	***
7	Landed price	Rs/MT	2,16,037	3,05,475	2,48,747	2,41,808
8	Trend	Indexed	100	141	115	112
9	Change	Rs/MT	-	89,438	-56,728	-6,939

82. It is seen that,

- In the base year, the selling price and cost of sales and the landed price of imports were comparable. The landed price was marginally above the cost of sales. Industry in 2022-23, while the cost of sales increased by 41 index points, the selling price increased by 60 index points. This was the year when the selling price of the domestic industry was above the cost of sales.
- In 2023-24, while the cost of sales declined by 11 index points, the selling price declined by 32 index points. The domestic industry again suffered losses.
- In the period of investigation, while the cost of sales declined by 18 index points, the selling price declined by 19 index points. The losses of the domestic industry are highest in the period of investigation.
- The landed price of imports was above the cost of sales of the domestic industry in 2022-23 but has declined since and is below the cost of sales in 2023-24.
- When compared to the immediately preceding year, the selling price has declined in the period of investigation, which reflects that the selling prices of the domestic industry are depressed in the period of investigation.
- When compared to the base year, the selling price of the domestic industry increased by 9 index points against a 12 index point increase in its cost of sales, showing that it has been unable to raise its prices so as to recover its costs. The landed price of the subject imports was ₹***/MT below the cost of sales of the domestic industry in 2023-24 and only ₹***/MT above it in the period of investigation — a level at which the cost of sales cannot be recovered, much less a reasonable return earned. The prices of the domestic industry are accordingly suppressed.

83. The Authority notes that the subject imports, holding a share of between 93% and 99% of the merchant market throughout the injury period, set the price at which the product under consideration was available in India. That price was ₹***/MT below the cost of sales of the domestic industry in 2023-24 and only ₹***/MT above it in the period of investigation, leaving the domestic industry no room to price at a level recovering its cost of sales and a reasonable return; it in fact sold at ₹***/MT below the landed price of the subject imports and ₹***/MT below its own cost of sales. The Authority accordingly holds that the prices of the domestic industry are suppressed. The Authority further notes that in the period of investigation the selling price of the domestic industry declined by 19 index points against an 18-index point decline in its cost of sales, while the landed price of the subject imports also declined by ₹ ***/MT, and accordingly holds that its prices are also depressed.

G.3.4 Economic parameters of the domestic industry

84. Annexure II to the Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of dumped imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of dumped imports on domestic producers of such products, the Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed below.

a. Production, capacity, capacity utilization and sales volumes.

85. The capacity, production, sales and capacity utilization of the domestic industry over the injury period are given in the following table:

SN	Particulars	Units	2021-22	2022-23	2023-24	POI
1	Capacity	MT	***	***	***	***
2	Trend	Indexed	100	100	100	100
3	Production	MT	***	***	***	***
4	Trend	Indexed	100	98	83	86
5	Capacity Utilization	%	***	***	***	***
6	Trend	Indexed	100	98	83	86
7	Domestic Sales	MT	***	***	***	***
8	Trend	Indexed	100	22	130	341
9	Captive consumption	MT	***	***	***	***
10	Trend	Indexed	100	97	82	86

86. It is seen that:

- a. The capacity of the domestic industry remained the same throughout the injury period and is more than the domestic demand. The production and the capacity utilization of the domestic industry declined in 2022-23 compared to 2021-22. The production and capacity utilization of the domestic industry further declined in 2023-24. Production and capacity utilization have marginally increased in the period of investigation as compared to 2023-24. Over the injury period, the production and capacity utilisation of the domestic industry have significantly declined.
- b. The idle capacity with the domestic industry is more than the imports from the subject countries.
- c. The domestic sales of the domestic industry declined in 2022-23 in comparison to 2021-22. Domestic sales increased in 2023-24 and in the period of investigation. While the demand has increased, the domestic sales have increased marginally. The domestic industry has stated that it was able to sell increased volume to its customers in the period of investigation as it sold at prices much below its cost.
- d. That despite operating with significant idle capacities, the domestic industry has been able to sell very limited volumes throughout the injury period as there are significant imports.
- e. The domestic industry has claimed that dumping of 4 ADPA is also adversely affecting its sales of PX-13 where it is competing with dumped imports of PX-13 and other producers of PX-13 who consume dumped 4 ADPA. It is seen that the domestic industry captively consumes the product to make PX-13 and sells in the domestic market with the other producers of PX-13 who rely on imported 4 ADPA to produce PX-13.

b. Market share

87. The market share of the domestic industry and imports into India, measured with reference to demand/consumption excluding captive consumption, and including captive consumption, is shown in the table below:

SN	Particulars	Units	2021-22	2022-23	2023-24	POI
1	Domestic Industry	%	***	***	***	***
2	Trend	Indexed	100	14	77	197
3	Subject Countries	%	***	***	***	***
4	Trend	Indexed	100	103	101	96
5	Other Countries	%	***	***	***	***
6	Trend	Indexed	-	-	-	-

Table including captive consumption

SN	Market share	Units	2021-22	2022-23	2023-24	POI
1	Domestic industry	%	***	***	***	***
2	Trend	Indexed	100	86	79	80
3	Other Indian producer	%	***	***	***	***
4	Trend	Indexed	-	-	-	-
5	Imports from subject countries	%	***	***	***	***
6	Trend	Indexed	100	149	173	168
7	Imports from other countries	%	***	***	***	***
8	Trend	Indexed	100	-	-	-

88. Based on the above, the Authority notes that:

- i. In respect of the non-captive market, it is observed that the market share of the domestic industry, in indexed terms, declined sharply from 100 in 2021-22 to 14 in 2022-23, and thereafter increased to 77 in 2023-24 and further to 197 in the period of investigation. However, notwithstanding such increase, the market share of the domestic industry remained in single digits, in percentage terms, throughout the injury period.
- ii. Correspondingly, it is noted that the market share of subject imports in the non-captive market remained overwhelmingly dominant throughout the injury period. The index for market share of subject imports moved from 100 in 2021-22 to 103 in 2022-23, and thereafter declined marginally to 101 in 2023-24 and further to 96 in the period of investigation. In percentage terms, the market share held by subject imports ranged between ***% to ***% during the injury period.
- iii. The market share of imports from other countries in the non-captive market remained nil/negligible throughout the injury period.
- iv. As regards the market including captive consumption, it is noted that the market share of the domestic industry declined consistently, in indexed terms, from 100 in 2021-22 to 86 in 2022-23 and further to 79 in 2023-24, with a marginal increase to 80 noted in the period of investigation. In percentage terms, the market share of the domestic industry declined from ***% in 2021-22 to ***% in the period of investigation.
- v. Correspondingly, the market share of subject imports (including captive consumption) increased, in indexed terms, from 100 in 2021-22 to 149 in 2022-23 and further to 173 in 2023-24, and thereafter declined marginally to 168 in the period of investigation. In percentage terms, the market share of subject imports increased from ***% in 2021-22 to ***% in the period of investigation.
- vi. There was no other Indian producer of the subject goods during the injury period. Imports from other countries (including captive consumption) were noted only in 2021-22 and were absent in the subsequent years.
- vii. The Authority thus notes that the domestic industry has consistently lost market share to imports from the subject countries over the injury period, both in the non-captive market as well

as in the overall market including captive consumption, notwithstanding the marginal recovery observed in the period of investigation. The market share held by the subject countries continues to remain significantly higher than that of the domestic industry, establishing that subject imports continue to dominate the Indian market.

c. Inventories

SN	Particulars	Units	2021-22	2022-23	2023-24	POI
1	Opening Inventory	MT	***	***	***	***
2	Trend	Indexed	100	95	457	633
3	Closing Inventory	MT	***	***	***	***
4	Trend	Indexed	100	481	667	111
5	Average Inventory	MT	***	***	***	***
6	Trend	Indexed	100	283	559	379

89. It is seen that the average inventory of the domestic industry increased sharply between 2021-22 and 2023-24, from index 100 to 559, before declining in the period of investigation to index 379. While inventory levels moderated in the period of investigation, they remain significantly elevated compared to the base year, notwithstanding the increase in demand for the product under consideration

d. Profitability, cash profits and return on capital employed

SN	Particulars	Units	2021-22	2022-23	2023-24	POI
1	Profit/(Loss)	Rs. Lakhs	***	***	***	***
2	Trend	Indexed	-100	1,482	-1,348	-4,461
3	PBIT	Rs. Lakhs	***	***	***	***
4	Trend	Indexed	-100	2,063	-1,763	-5,904
5	Cash Profit	Rs. Lakhs	***	***	***	***
6	Trend	Indexed	100	128	120	245
7	Return on Investment	%	***	***	***	***
8	Trend	Indexed	-100	8,805	-971	-1,776

90. It is seen that,

- The domestic industry's profit turned positive in 2022-23, before reverting to losses in 2023-24, with the losses widening further in the period of investigation. The domestic industry has submitted that the profits earned in 2022-23 were attributable to the Zero Covid Policy in

China and the global freight issue, on account of which imports were not available throughout the year, enabling the domestic industry to secure better prices.

- b. PBIT mirrored the movement in profit, turning positive in 2022-23 before declining into losses in 2023-24, which widened further in the period of investigation.
- c. Cash profits, however, increased in 2022-23, declined marginally in 2023-24, and increased further in the period of investigation; this improvement, though, does not offset the losses recorded at the PBIT and net-profit level.
- d. Return on investment followed the same trend as profit and PBIT — improving in 2022-23, before turning negative in 2023-24 and declining further in the period of investigation.
- e. The domestic industry has thus suffered financial losses and negative return on capital employed during the period of investigation.

e. Employment, productivity and wages

91. Employment, productivity and wages of domestic industry over the injury period are given in the table below.

SN	Particulars	Units	2021-22	2022-23	2023-24	POI
1	No of Employees	No	***	***	***	***
2	Trend	Indexed	100	109	100	104
3	Production per employee	MT/No	***	***	***	***
4	Trend	Indexed	100	90	83	82
5	Production per day	MT/Days	***	***	***	***
6	Trend	Indexed	100	98	83	86
7	Wages	Rs Lakhs	***	***	***	***
8	Trend	Indexed	100	109	113	112

92. It is seen that:

- a. The number of employees with the domestic industry has remained broadly stable over the injury period.
- b. Production per day and per employee has declined over the injury period with a decline in the production.
- c. Wages paid by the domestic industry has increased over the injury period.

f. Growth

93. The following table shows the growth parameters of the domestic industry over the injury period.

SN	Particulars	Unit	2022-23	2023-24	POI
1	Capacity Utilization	%	-2%	-15%	3%
2	Production	%	-2%	-15%	3%
3	Domestic sales	%	-78%	480%	163%
4	Profit/(Loss)-Rs. /MT	%	-6714%	-116%	26%
5	PBIT-Rs. in Lakhs	%	-2163%	-185%	-235%
6	Cash Profit – Rs. in Lakhs	%	28%	-6%	103%

94. In the period of investigation, production increased marginally by 3%, after having declined by 2% in 2022-23 and by 15% in 2023-24. Domestic sales, after declining sharply by 78% in 2022-23, increased by 480% in 2023-24 and further by 163% in the POI; however, this apparent growth is on a very low base and the absolute sales volumes remain low. Profitability parameters exhibited a volatile trend. Profit/(Loss) per MT increased steeply by 6714% in 2022-23, but thereafter declined by 116% in 2023-24 and by a further 26% in the POI. Similarly, PBIT increased by 2163% in 2022-23, but declined by 185% in 2023-24 and further declined by 235% in the POI. Cash profit, however, increased by 28% in 2022-23, declined by 6% in 2023-24, and thereafter improved by 103% in the POI. Thus, while production and domestic sales showed some recovery and cash profit registered improvement in the POI, the profit and PBIT of the domestic industry continued to show significant deterioration during the period of investigation.

g. Ability to raise capital investment

95. The Authority notes that the domestic industry had recorded losses in the period of investigation. It is also seen that the return on capital employed by the domestic industry is negative, which is not sufficient to raise the working capital requirements. Therefore, the ability of the domestic industry to raise capital investments has been impacted.

h. Factors affecting prices

96. The Authority notes that the landed price of the subject imports was below the cost of sales of the domestic industry in 2023-24 and only marginally above it in the period of investigation. Against subject imports holding between 93% and 99% of the merchant market at those prices, the domestic industry sold at ₹****/MT below the landed price and ₹****/MT below its own cost of sales, and suffered losses. For the reasons recorded at paras 82 and 83 above, the dumped imports are the predominant factor affecting the prices of the domestic industry.

i. Magnitude of dumping

97. The magnitude of dumping is an indicator of the extent to which the imports are being dumped into India. The investigation has shown that the dumping margin is positive and significant during the period of investigation.

G.3.5 Observations on injury

98. The examination of the imports of the product under consideration and performance of domestic industry shows that:
- i. The imports from the subject countries have increased from 4,103 MT in the base year to 7,682 MT in the period of investigation. The imports have increased in absolute terms.
 - ii. The imports in relation to Indian production increased from ***% in the base year to ****% in the period of investigation. The imports in relation to Indian demand including captive consumption increased from ****% in the base year to ****% in the period of investigation. The imports have increased in relative terms.

- iii. The landed price is above the selling price of the domestic industry, resulting in negative price undercutting. However, the domestic industry has admitted that it sold at such competitive prices to sell in the domestic market.
- iv. The prices of the domestic industry were depressed in the period of investigation.
- v. The production, and capacity utilization of the domestic industry declined during the injury period.
- vi. The domestic sales of the domestic industry have increased over the injury period. The domestic industry has sold at increasing losses to sell its product in the domestic market.
- vii. The market share of the domestic industry has declined in 2022-23 and increased thereafter. The market share of the domestic industry has increased as the domestic industry has sold at losses in the period of investigation.
- viii. The average inventory increased over injury period.
- ix. Profitability of the domestic industry improved in 2022-23, with ROI reaching ***%; however, this improvement was not sustained. Profitability turned negative in 2023-24 and deteriorated further during the POI, with ROI declining to ***%.
- x. Cash profit of the domestic industry improved in 2022-23, declined marginally in 2023-24 and thereafter improved significantly during the POI. Return on investment improved in 2022-23 but turned negative in 2023-24 and further deteriorated during the POI.
- xi. The domestic industry's ability to raise capital has been adversely impacted.
- xii. The dumped imports have adversely affected the prices of the domestic industry.
- xiii. The dumping margin is positive and significant during the period of investigation.

G.4 Threat of material injury

99. The applicant had alleged, at the stage of initiation, both material injury and threat of material injury to the domestic industry. The Authority has, for the reasons recorded above, found that the domestic industry has suffered material injury on account of the dumped imports from the subject countries. In view of this finding of present material injury, the Authority does not consider it necessary to examine and record a separate determination on the threat of material injury.

H. NON-ATTRIBUTION AND CAUSAL LINK

100. As per the Rules, it is, inter alia, required to be examined any known factors other than the dumped imports which at the same time are injuring the domestic industry, so that the injury caused by these other factors may not be attributed to the dumped imports. It has been examined below whether factors other than dumped imports could have contributed to injury to the domestic industry. The Authority initially notes neither the Act nor the Rules require dumping to be the sole cause of injury to the domestic industry for anti-dumping duty to be applied.

a. Volume and price of imports from third countries

101. The Authority notes that there were no imports of the product under consideration from countries other than the subject countries during the period of investigation, imports of 88 MT from other countries having been recorded only in 2021-22. Therefore, imports from other countries cannot be a cause of injury to the domestic industry.

b. Contraction of demand

102. The Authority notes that demand has increased over the injury period and therefore injury to the domestic industry is not attributed to the contraction of demand. Demand increased during the Period of Investigation, both including and excluding captive consumption.

c. Changes in pattern of consumption

103. The Authority notes that there has been no material change in the pattern of consumption of the product under consideration, which could have caused injury to the domestic industry.

d. Trade restrictive practices

104. The Authority notes that sales of the product under consideration are not restricted in any manner and no restrictive practices have been brought to the notice of the Authority.

e. Developments in technology

105. The Authority notes that there has been no known material change in the technology for the production of the product under consideration.

f. Productivity

106. Productivity per employee and per day declined over the injury period in line with the decline in production. The decline in productivity is a consequence of the reduced production and capacity utilization caused by the dumped imports, rather than an independent factor causing injury to the domestic industry. In the absence of dumped imports, the domestic industry would have been able to operate at higher capacity utilization, leading to better productivity levels. Accordingly, the Authority holds that productivity is not an independent cause of injury to the domestic industry, but rather a symptom of the injury caused by dumped imports.

g. Export performance

107. The Authority notes that the injury information examined hereinabove relates only to the performance of the domestic industry in terms of the domestic market. Thus, the injury suffered cannot be attributed to the export performance of the domestic industry.

h. Performance of other products

108. The Authority has only considered data relating to the performance of the subject goods. Therefore, the performance of other products produced and sold is not a possible cause of injury to the domestic industry.

i. Decline in captive consumption

109. It has been contended that the deterioration in the performance of the domestic industry is attributable to the decline in its captive consumption for the production of PX-13. The Authority notes that the captive consumption of the domestic industry declined from *** MT in 2021-22 to ***MT in the period of investigation, and that the decline in its production over the same period, from ***MT to ***MT, is largely accounted for by that decline. The

Authority has accordingly not attributed to the dumped imports that part of the decline in production and capacity utilisation which arises from lower captive consumption. The price and profitability parameters of the domestic industry, on the other hand, have been examined with reference to its merchant sales, as recorded at para 17 above, and are not affected by the level of its captive consumption. The adverse price effects, the losses and the negative return on capital employed in the merchant segment, the single-digit market share of the domestic industry in the merchant market, and the share of between ***% and ***% of that market held by the subject imports throughout the injury period are not explained by the decline in captive consumption, and are attributable to the dumped imports.

j. Causal link between dumping and injury.

110. The factors listed above clearly establish that injury to the applicant has not been caused by the other listed factors but because of dumped imports from the subject countries. The causal link between the dumped imports and the material injury suffered by the domestic industry is evident from the following:

a. The imports from the subject countries are at dumped prices, with positive and significant dumping margins during the period of investigation. While the price undercutting on a landed price basis is negative, the presence of low-priced dumped imports has prevented the domestic industry from increasing its prices commensurate with the increase in its costs, resulting in price suppression, as evidenced by the fact that the domestic industry's cost of sales increased at a materially higher rate than its selling price over the injury period.

b. The volume of dumped imports has increased consistently over the injury period, both in absolute terms and in relation to production and consumption in India, indicating that consumers have increasingly shifted their sourcing to the subject countries at dumped prices.

c. Despite the availability of adequate domestic production capacity, imports from the subject countries increased consistently throughout the injury period, including in the Period of Investigation, demonstrating that the domestic industry's capacity remained underutilized notwithstanding its ability to meet demand.

d. The market share of the domestic industry declined in the initial years and, despite a marginal recovery in the Period of Investigation, remained significantly below its potential and far lower than the capacity of the domestic industry, while the market share of subject imports remained overwhelmingly dominant throughout the injury period.

e. Captive consumption of the domestic industry declined in the initial years of the injury period and, despite a marginal recovery in the Period of Investigation, remained below base-year levels. To offset this decline, the domestic industry increased its merchant sales in volume terms; however, such sales were made at prices below cost, indicating that the domestic industry was compelled to sell at uneconomic prices to compete with dumped imports, thereby eroding its profitability and financial viability.

f. The lower prices of the dumped imports have influenced purchasing decisions of consumers, who have preferred to source from subject countries rather than from the domestic industry, despite the availability of sufficient domestic production capacity.

g. The domestic industry has been compelled to price its product in competition with the dumped imports, resulting in price suppression and depression, as the landed price of imports remained close to and, in certain years, below the cost of sales.

h. The domestic industry has suffered financial losses, losses before interest, and negative return on investment during the injury period, which are a direct consequence of the dumped imports and not attributable to any other known factor

i. The Authority notes that the injury to the domestic industry has occurred contemporaneously with the increase in dumped imports from the subject countries, and that the examination of other known factors — namely, imports from third countries, contraction in demand, changes in the pattern of consumption, trade restrictive practices, developments in technology, productivity, export performance, and performance of other products — has not revealed the existence of any factor, other than the dumped imports, that could have caused injury to the domestic industry. The Authority has, accordingly, satisfied itself that the material injury suffered by the domestic industry is on account of the dumped imports of the subject goods from the subject countries and not on account of any other listed factor.

I. MAGNITUDE OF INJURY MARGIN

111. The Authority has determined Non-Injurious Price for the domestic industry on the basis of principles laid down in the Rules read with Annexure III, as amended. The non-injurious price of the subject goods has been determined by adopting the verified information/data relating to the cost of production for the period of investigation. The non-injurious price has been considered for comparing the landed price from the subject countries for calculating the injury margin. For determining the non-injurious price, the best utilization of the raw materials by the domestic industry over the injury period has been considered. The same treatment has been carried out with the utilities. The best utilization of production capacity over the injury period has been considered. It is ensured that no extraordinary or non-recurring expenses are charged to the cost of production. A reasonable return @22% on average capital employed (i.e. average net fixed assets plus average working capital) for the subject goods was followed towards interest, tax and profit to arrive at the non-injurious price as prescribed in Annexure III of the Rules.
112. Landed price for the cooperating exporters has been determined based on the response filed. Applicable customs duties have been added to determine landed price of imports. For all the non-cooperative producers/exporters from the subject countries, the Authority has determined the landed price based on facts available.
113. Based on the landed price and non-injurious price determined as above, the injury margin for producers/exporters for the subject countries has been determined by the Authority and the same is provided in the table below:

SN	Country	Producer / Exporter	NIP (USD/MT)	Landed value (USD/MT)	Injury Margin (USD/MT)	Injury Margin (%)	Injury Margin Range
A	China PR						
1	China PR	Sennics Co., Ltd. Anhui and Sennics Co., Ltd. Shandong	***	***	***	***	10–20
2	China PR	Any other producer	***	***	***	***	10-20

B	European Union						
1	European Union	Any	***	***	***	***	10–20

J. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES

J.1 Submission by opposing interested parties

114. The opposing interested parties have made the following submissions with regard to Indian industry's interest and other issues:

- i. The downstream users rely on imports primarily due to domestic supply shortages. The applicant's low-capacity utilization and intermittent production suspensions during the period of investigation left users with no choice but to source from abroad. After the captive transfer of the subject goods for its own consumption, the domestic industry's capability to cater to Indian demand gets severely limited. Thus, the users of the subject goods in the country cannot rely upon the domestic industry for their regular consumption of the subject goods.
- ii. Higher 4-ADPA costs would affect investment and innovation in the downstream sector, weakening India's global competitiveness. Imposition of anti-dumping duties on 4-ADPA would impose a severe cost burden on downstream users, where 4-ADPA constitutes a significant raw material proportion and duty directly inflates Cost of Goods Sold(COGS) without revenue offset.
- iii. 4-ADPA is a critical input for downstream industries including pharmaceuticals, agrochemicals, water treatment, textiles, and adhesives. Imposing anti-dumping duties on 4-ADPA would raise input costs for downstream manufacturers, who cannot pass on the increased costs to end-consumers, affecting their competitiveness.
- iv. Quantitative evidence shows that a 15% duty would translate to approximately 11% effective cost escalation on downstream operations, factoring in pass-through limitations, fixed margins, and supply chain dependencies, thereby significantly harming downstream users, eroding profitability, production, and export market share.
- v. The imposition of anti-dumping duties will lead to trade diversion. Imports from subject countries will be replaced by imports from non-subject countries like Japan, the USA, and Korea RP, which are already supplying at competitive prices. This will provide no benefit to the domestic industry, which will continue to face the same competitive pressures, rendering the duty ineffective.
- vi. The proposed duty would distort competition in favour of the applicant, which has captive access to 4-ADPA, while increasing costs for competing domestic PX-13 producers. The practical effect of the duty would be to shift injury from the petitioner to other domestic producers rather than create a level playing field.
- vii. It is further claimed that the imposition of duty would endanger approximately 2.5 lakh jobs in the downstream chemical sector, affecting investment and innovation in the sector.
- viii. Related-party sourcing and transfer pricing arrangements are normal commercial practices and dumping analysis must be based solely on verified export prices and transaction data.

J.2 Submission by the applicant

115. The applicant has made the following submissions with regard to Indian industry's interest and other issues:

- i. The product under consideration is a penultimate intermediate primarily used in the production of PX-13. The product under consideration forms 60-70% share in the cost of PX-13. Therefore, a 10% duty on the product under consideration will imply increase in cost of the downstream product by 6%. However, the PX-13 producer would pass on the increase in the cost to the downstream industry, i.e., tyre industry. PX-13 is majorly used in the production of the tyre. PX-13 forms less than 1% share in the total cost of production of tyre. Therefore, impact of duty on the product under consideration on the downstream industry tyre producers will be negligible.
- ii. The direct downstream industry of the product under consideration, i.e., PX-13 is currently subject to anti-dumping investigation on imports from China PR, EU, Korea RP and Thailand. With the imposition of anti-dumping duty on PX-13, the downstream industry would be able to pass on the increase in the cost to its further downstream industry, i.e., the tyre industry. The tyre industry is protected through anti-subsidy duty on tyre expiring only in July 2029. In addition to that, the imports of tyre are restricted and requires a BIS license.
- iii. The capacity for the product under consideration is more than the downstream product - PX-13. Therefore, the applicant will have no option but to utilise the remaining capacities for the sales in merchant market. For PX-13, the applicant will again compete with the imports as well as the other two producers. Applicant cannot increase its 4-ADPA prices beyond the level of non-injurious price. Imposition of ADD on 4-ADPA shall imply that both the domestic industry and other consumers of 4-ADPA will get 4-ADPA at NIP (or below NIP).
- iv. Post the proposed period of investigation, another producer has also set up capacity for 4 ADPA. This implies that the company will compete with the applicant.
- v. Anti-dumping duty on 4-ADPA will eliminate unfair advantage presently available to the consumer. It is evident from the data being provided that (a) 4-ADPA is being imported at dumped prices, (b) dumping is causing material injury to the domestic industry. Therefore, imposition of ADD on 4-ADPA will eliminate unfair advantage presently available to the consumer. At the same time, imposition of anti-dumping duty will not give any undue advantage to the domestic industry either on the product under consideration or the downstream product - PX-13.
- vi. The imposition of anti-dumping duty will not restrict imports in any manner. Imports will continue to happen but at fair prices.
- vii. The anti-dumping duty on 4 ADPA will only provide a level playing field for the applicant and not provide any undue benefit. On the contrary, non-imposition of anti-dumping duty on the product under consideration will (a) dilute the remedy of anti-dumping duty on PX-13, (b) cause continued injury to the domestic industry in both 4-ADPA and PX-13.
- viii. In the absence of dumped imports, the cost of production of the domestic industry would have declined significantly. This would have further made captive sales more viable. Thus, dumping of 4-ADPA is causing injury to the domestic industry in respect of its captive sales also.

- ix. Capacity with domestic industry is sufficient to cater to current and potential demand. The current capacity with the domestic industry is sufficient to cater to the present and potential demand of 4-ADPA in the country.
- x. With continued dumping of PX-13, the domestic industry will not be able to increase its sales of PX-13 or its selling price of PX-13. However, the domestic industry would be able to increase its domestic sales of 4 ADPA, which would allow it to achieve optimum level of operations in 4 ADPA and reduce its per unit cost of PX-13. The marginal reduction in cost of production will not allow the industry to recover from the current situation of material injury in PX-13.
- xi. As the dumping of the product under consideration will continue, the domestic industry will not be able to increase its domestic sales of PX-13 or 4-ADPA to the extent of its capacities. The domestic industry will not be able to increase its prices as well. Therefore, the marginal increase in domestic sales will not allow the industry to recover from the current situation of material injury in PX-13.
- xii. Imports from subject countries increased till 2023-24 and marginally declined in the period of investigation, due to the intensified dumping of the PX-13 in the domestic market.
- xiii. The domestic sales of the domestic industry declined in 2022-23 and 2023-24 but has increased thereafter. The domestic industry has the capacity to cater to the entire domestic demand. Therefore, the volume of imports is the volume of sales lost by the domestic industry. Considering the fair selling price, the domestic industry could have had domestic sales value of more than Rs 230 cr. which would around 17% of the entire business operations of the domestic industry. However, the current sales value is restricted to only Rs 14 cr. constituting only 1%. While the product under consideration has the potential to form substantial part of the operations of the domestic industry, dumped imports are preventing it from increasing its sales.
- xiv. The purpose of anti-dumping law was well recognized, appreciated and stated by the Hon'ble Supreme Court in the matter of *Reliance Industries Ltd. Versus Designated Authority* [2006 (202) E.L.T. 23 (S.C.)], wherein the Court observed that "The Anti-dumping Law is, therefore, a salutary measure which prevents destruction of our industries which were built up after independence under the guidance of our patriotic, modern minded leaders at that time and it is the task of everyone today to see to it that there is further rapid industrialization in our country, to make India a modern, powerful, highly industrialized nation."

J.3 Examination by the Authority

- 116. The Authority examined whether the imposition of the recommended anti-dumping duty would be in the public interest. In doing so, the Authority considered the information available on record and the interests of various stakeholders, including the domestic industry, foreign producers, and consumers.
- 117. The Authority issued a gazette notification inviting views from all interested parties, including importers, consumers and other interested parties. The Authority also prescribed a questionnaire for the users to provide the relevant information with regard to the present investigation, including the possible effect of the anti-dumping duty on their operation. The Authority sought information on, inter-alia, interchangeability of the product supplied by the various suppliers from different countries, ability to switch sources, the effect of the anti-

dumping duty on the consumers, and the factors that are likely to accelerate or delay the adjustment to the new situation caused by the imposition of the anti-dumping duty.

118. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duty, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market.
119. The Authority had prescribed an economic interest questionnaire, which was sent to all interested parties in this investigation. The users have claimed that anti-dumping duties will adversely affect the operations. The Authority has examined these claims in light of the submissions made by the opposing parties and the applicant.
120. Upon examination of the data filed by the domestic industry and the user industry, it is noted that 4-ADPA is the major raw material required to produce PX-13; its impact on the price of the end product, the tyre, is however limited. The applicant has submitted that 4-ADPA forms 60-70% of the cost of PX-13, and PX-13 itself forms less than 1% of the cost of production of tyre. The opposing parties have contended that imposition of duty would increase input costs for downstream PX-13 producers and impair their competitiveness. The Authority notes that while the duty may have some impact on downstream producers, the downstream PX-13 industry would be able to pass on the cost increases to the tyre industry, which is protected through trade remedial measures. It is also considered that, while the domestic industry had filed an application concerning dumped imports of PX-13, claiming material injury suffered on account thereof, Lanxess India Private Limited, the user industry in the present investigation, is also a producer of PX-13. However, Lanxess India Private Limited has not participated in the investigation concerning PX-13. The user has not claimed that dumping of PX-13 was impacting its operations. Therefore, it is seen that user industry has neither claimed nor established that it would be unable to pass on any increase in costs arising from the imposition of anti-dumping duty on 4-ADPA to their downstream users. Further, vide Final Findings No. 6/10/2025-DGTR dated 24 June 2026, the DGTR has recommended the imposition of anti-dumping duty on dumped imports of PX-13.

121. The table below shows the landed price of imports.

SN	Particulars	Unit	2021-22	2022-23	2023-24	POI
1	Landed price	Rs/MT	2,16,037	3,05,475	2,48,747	2,41,808

122. It is seen that the landed price increased in 2022-23, and thereafter declined in 2023-24 and further decline in the period of investigation. The domestic industry has submitted that, even after adding the proposed anti-dumping duty to the current landed prices of the subject goods, the resulting prices would remain lower than the past prices of the subject goods. Therefore, when these high prices did not impact the user, the imposition of anti-dumping duty is not likely to have material impact. The opposing parties have contended that downstream users rely on imports primarily due to domestic supply shortages and that the applicant's low-capacity utilization left users with no choice but to source from abroad. The Authority notes that the domestic industry is operating with significant idle capacity and has sufficient capacity

to cater to the current and potential demand in India. The imposition of anti-dumping duty does not restrict imports but ensures that imports are available at fair prices.

123. As regards the submissions on trade diversion and discrimination, the Authority has examined the import data and notes that imports from subject countries constitute the entire imports into India. The Authority further notes that the conditions for cumulative assessment under Annexure II, Para (iii) of the Rules are satisfied. The Authority has initiated investigation against the subject countries based on the evidence of dumping and injury on record. The exclusion of other countries does not violate the WTO Anti-Dumping Agreement as the Authority is required to examine dumping from countries where there is sufficient evidence.
124. As regards the claim regarding employment risk to ~2.5 lakh jobs, the Authority notes that this claim is not substantiated with any evidence. The domestic industry itself operates a PX-13 plant with direct employment of only about 80 persons. Therefore, the claim of endangering 2.5 lakh jobs is not supported by evidence on record.
125. The Authority further notes that the recommended anti-dumping duty would only provide a level playing field to the domestic industry and would not create any situation of monopoly since there is one other producer of the subject goods in India, which has commenced production post the period of investigation.
126. The Authority observes that the investments made by the domestic industry were undertaken on the basis of fair market principles. The domestic industry cannot reasonably be expected to undertake or sustain capacity expansion in the presence of significant dumping. The user industry did not set up operations expecting access to dumped imports. The Authority further notes that the imposition of anti-dumping duty is not expected to result in any scarcity or shortage of the subject goods in the Indian market. Anti-dumping duty does not prohibit or otherwise restrict imports into India; rather, it seeks to address the injurious effects of dumped imports and ensure that such imports enter the Indian market at fair prices.
127. As regards the remaining submissions of the other interested parties recorded at para J.1 above: (a) on the submission that 4-ADPA is a critical input for pharmaceuticals, agrochemicals, water treatment, textiles and adhesives, the Authority notes that the users of the product under consideration identified in the present investigation are Lanxess India Private Limited, Finorchem Limited and the domestic industry, all of whom use it for the production of PX-13, and that no user from the other sectors mentioned has registered as an interested party or placed any information on record; (b) on the submission that a duty of 15% would translate into a cost escalation of about 11% for downstream operations, the Authority notes that, on the information on record, 4-ADPA constitutes 60–70% of the cost of PX-13 and PX-13 less than 1% of the cost of a tyre, so that the effect of the recommended duty at the level of the end product is limited, and that no user has placed on record information establishing an inability to pass on the increase; (c) on trade diversion, the Authority notes that there were no imports of the product under consideration from countries other than the subject countries during the period of investigation, and that an apprehension of future diversion is not a ground for declining to address injurious dumping from the subject countries; and (d) on related-party sourcing and transfer pricing, the Authority notes that the export price of the cooperating producers from China PR has been determined on the basis of their sales, through their related trader, to Lanxess Chemical (China) Co., Ltd., an unrelated trader, as recorded at paras 52 to 55 above, and is not affected by related-party transfer pricing.

K. POST-DISCLOSURE COMMENTS

K.1 Submissions by the other interested parties

128. The following submissions have been made by the other interested parties in their comments on the disclosure statement:

- a. That the Authority has not adequately examined the distinction between captive production/consumption and genuine merchant sales of 4-ADPA by the Domestic Industry. NOCIL's production is predominantly captively consumed, while merchant sales constitute only a small proportion, not more than 5% of its production. The Respondents therefore request the Authority to examine whether such limited merchant sales demonstrate meaningful commercial presence in the merchant market and whether captive production can be relied upon in determining injury and standing.
- b. That the deterioration in the performance of the Domestic Industry cannot be examined independently of the substantial decline in captive consumption and the performance of the downstream PX-13 business. Since NOCIL's 4-ADPA production is predominantly linked to its captive PX-13 production, any decline in PX-13 production or captive consumption would correspondingly affect 4-ADPA production, capacity utilisation and financial performance. Injury attributable to PX-13 conditions should not be reattributed to dumped 4-ADPA imports without a proper non-attribution analysis.
- c. That the Authority's finding of causal link requires reconsideration in light of the fact that domestic sales and demand increased, while price undercutting was negative, and the deterioration in certain injury parameters coincided with lower captive consumption. The Respondents contend that pre-existing underutilisation and the decline in captive consumption ought to be separately quantified before attributing the overall deterioration to subject imports.
- d. That the pricing arrangement between NOCIL and users is relevant to the examination of price suppression/depression and causation, as the prices were determined pursuant to a pre-agreed formula linked to specified raw-material costs, NOCIL's costs and a reasonable profit, rather than being determined by the landed price of imports. The Authority is therefore requested to examine the relevant agreements and pricing formula before concluding that domestic prices were suppressed or depressed by subject imports.
- e. That the imposition of anti-dumping duty may result in a structural cost asymmetry between NOCIL and other PX-13 producers, since NOCIL is vertically integrated and predominantly relies on captive 4-ADPA, whereas other downstream producers procure 4-ADPA externally. Given NOCIL's limited merchant sales, the duty may increase the procurement cost of downstream producers without providing a corresponding meaningful domestic alternative. The Respondents therefore request the Authority to examine the downstream impact and NOCIL's dual position as both an upstream producer and captive consumer of 4-ADPA.
- f. That the Authority should also clarify the NIP determination with and without additives, and reconsider the injury margin and related cost/return assumptions in light of the issues raised in the post-disclosure submissions. The Respondents accordingly request that the investigation be terminated; alternatively, that the above material issues be specifically addressed and a revised disclosure/final determination be issued after due examination.

K.2 Submissions by the domestic industry

129. The following submissions have been made by the domestic industry in its comments on the disclosure statement:

- a. The domestic industry has requested the Authority to confirm the finding that the subject goods are being exported to India at dumped prices and that the same is causing both price and

volume injury to them. It is also requested to confirm non-attribution observations made in the disclosure statement in the final findings.

b. That there is a clear causal link between the dumped imports and the injury suffered by the domestic industry through the combined volume and price effects of the subject imports. The domestic industry accordingly requests the Authority to confirm the finding on causal link.

c. That the Authority should confirm the injury margins determined for the subject countries and, having regard to the volatility in import prices and the injury established, consider an appropriate form of duty which would effectively address the injury caused by dumped imports.

d. The domestic industry requests the Authority to take note of its findings regarding the limited and unsubstantiated nature of the alleged adverse impact on downstream users and confirm that such generalized claims do not outweigh the case-specific evidence establishing dumping, injury and causal link.

e. That the Authority in the Disclosure Statement analyzed the impact of the proposed anti-dumping duty on downstream users and noted that there would be limited impact. The claims of adverse impact on downstream users, including the alleged impact on approximately 2.5 lakh jobs, are unsupported by evidence on record and ought not to be relied upon.

f. Domestic Industry also requested the Authority to confirm the essential facts and conclusions set out in the Disclosure Statement in the Final Findings and recommend imposition of anti-dumping duty for the prescribed period.

K.3 Examination by the Authority

130. The Authority has examined the post-disclosure submissions filed by the domestic industry and the other interested parties. Several of these submissions reiterate submissions made during the investigation which have already been examined in these final findings. The Authority has nevertheless considered all relevant comments, to the extent they are supported by evidence on record and are material to the final determination, as under.

131. As regards the distinction between the captive and the merchant operations of the domestic industry, the Authority notes that the bulk of the production of the domestic industry is captively consumed for the production of PX-13, and that its merchant sales have been small throughout the injury period. For this reason the Authority has examined the volume parameters of the domestic industry on the basis of its total production and sales of the like article, and its price and profitability parameters on the basis of its merchant sales, as recorded at para 17 above. The effect of the decline in captive consumption has been examined at para 109 above, and that part of the decline in production and capacity utilisation which arises from lower captive consumption has not been attributed to the dumped imports. The material injury found by the Authority rests on the adverse price effects, the losses and the negative return on capital employed in the merchant segment, and on the dominance of the subject imports, which held between 93% and 99% of the merchant market throughout the injury period. The domestic industry is entitled to the protection of its interest in the merchant market notwithstanding that the bulk of its production is consumed captively.

132. In relation to the submissions concerning the increase in domestic sales and demand and the negative price undercutting, the Authority notes that an increase in domestic sales or demand, or the absence of positive price undercutting, does not by itself determine the existence or absence of injury. The domestic sales of the domestic industry increased in the period of

investigation only because it sold at prices below its cost of sales, and its market share in the merchant market remained in single digits throughout the injury period. The Authority has assessed these factors collectively, together with the trends in production, capacity utilisation, prices, profitability and market share, in determining the impact of the dumped imports and the causal link.

133. As regards the pricing arrangement between the domestic industry and its customers, the Authority notes that during the period of investigation the domestic industry sold the product under consideration at ₹***/MT below its cost of sales, and that the domestic industry has stated that it offered highly competitive prices to one of its consumers for securing a large-volume order. Prices below the cost of sales are not consistent with a formula based on raw-material costs, the costs of the domestic industry and a reasonable profit, and show that the prices actually realised during the period of investigation were determined by competition with the subject imports. The finding of price suppression and depression at paras 82 and 83 above rests on those prices.
134. As regards the submission on structural cost asymmetry between the domestic industry and other producers of PX-13, the Authority has examined the effect of the duty on downstream users in Section J above. The duty recommended is limited to the injury margin, it does not restrict imports, and the domestic industry has capacity sufficient to meet the entire demand in India; the other producers of PX-13 will therefore continue to have access to 4-ADPA from the domestic industry and from imports at non-dumped prices.
135. As regards the request for clarification of the non-injurious price with and without additives, the Authority notes, as recorded at para 18 above, that the cost of the additive and the conversion cost of the further processing undertaken prior to captive transfer have not been taken into account in determining the non-injurious price. The non-injurious price accordingly relates to 4-ADPA without additives, the form in which the subject imports enter India, and no separate non-injurious price for 4-ADPA with additives is called for.
136. As regards reliance on captive production in determining standing, the Authority notes that Rule 2(b) of the Rules refers to the domestic producers engaged in the manufacture of the like article and to their collective output of that article. The like article, as held at para 17 above, comprises 4-ADPA whether sold in the merchant market or captively transferred, and the production of the domestic industry has accordingly been considered in full for the purposes of standing.
137. As regards the form of duty, the Authority considers a fixed duty expressed in US\$ per MT, equal to the lesser of the dumping margin and the injury margin, appropriate in the facts of the present case. The Authority does not find in the post-disclosure submissions any ground warranting termination of the investigation or the issue of a fresh disclosure statement.

L. CONCLUSION

138. Having regard to the contentions raised, the information provided and the submissions made by the interested parties, and the facts available before the Authority, as recorded in these final

findings, and on the basis of the above analysis of dumping, injury and causal link, the Authority concludes as follows:

a. On the product under consideration and like article:

(i) The product under consideration is "4-Aminodiphenylamine", also known as "4-ADPA" or "4-N-phenylbenzene-1,4-diamine", whether or not containing additives which do not alter its essential character as 4-Aminodiphenylamine.

(ii) The article produced by the domestic industry and the subject goods exported from the subject countries are like articles within the meaning of Rule 2(d) of the Rules.

b. On domestic industry and standing:

(i) Other than the applicant, there is one other producer of the subject goods in India, namely Finorchem Limited, which has commenced production after the period of investigation.

(ii) The applicant constitutes the domestic industry within the meaning of Rule 2(b) and satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5(3) of the Rules.

c. On the period of investigation:

(i) The period of investigation is 01.04.2024 to 31.03.2025, and the injury period covers 2021-22, 2022-23, 2023-24 and the period of investigation.

d. On normal value, export price and dumping margin:

(i) Sennics Co., Ltd. (Shandong) and Sennics Co., Ltd. (Anhui), producers from China PR, together with their related exporter/trader Sennics Co., Ltd., have participated in the present investigation. The subject goods were exported to India through Lanxess Chemical (China) Co., Ltd., an unrelated trader.

(ii) No producer/exporter from China PR has filed the supplementary questionnaire response claiming market economy treatment, and the normal value for China PR has accordingly been determined in terms of para 7 of Annexure I to the Rules, on any other reasonable basis, namely the cost of production in India duly adjusted for selling, general and administrative expenses and a reasonable profit. The export price for the participating producers from China PR has been determined on the basis of their questionnaire responses.

(iii) In the absence of participation by any producer/exporter from the European Union, the normal value and export price for the European Union have been determined on the basis of the facts available.

(iv) The dumping margins determined for the producers/exporters from China PR and the European Union are positive and above the de minimis level.

e. On injury and causal link:

(i) Imports from the subject countries have increased significantly over the injury period, both in absolute terms and in relation to production and consumption in India.

(ii) The price undercutting is negative in respect of both subject countries and on a weighted average basis.

(iii) The prices of the domestic industry are both suppressed and depressed in the period of investigation.

- (iv) The production and capacity utilisation of the domestic industry have declined over the injury period; this decline being largely accounted for by lower captive consumption, it has not been attributed to the dumped imports.
- (v) The idle capacity of the domestic industry is more than the imports from the subject countries.
- (vi) The domestic industry has been able to sell only limited volumes in the merchant market throughout the injury period, in which the subject imports held a share of between 93% and 99%.
- (vii) The domestic industry has suffered financial losses and a negative return on capital employed in the period of investigation.
- (viii) While production and domestic sales showed some recovery and cash profit improved in the period of investigation, the profit and PBIT of the domestic industry deteriorated significantly.
- (ix) The ability of the domestic industry to raise capital investments has been impacted.
- (x) The dumped imports are the predominant factor affecting the prices of the domestic industry.
- (xi) The domestic industry has suffered material injury.
- (xii) The material injury suffered by the domestic industry has been caused by the dumped imports from the subject countries. The effect of other known factors, including the decline in captive consumption, has been examined and has not been attributed to the dumped imports.
- (xiii) In view of the finding of present material injury, it has not been considered necessary to make a separate determination on the threat of material injury.

f. On Indian industry's interest:

- (i) There is no demand and supply gap in the country. The capacity of the Indian industry is sufficient to cater to the entire demand.
- (ii) While the duty may have some impact on downstream producers, the downstream PX-13 industry would be able to pass on the cost increases to the tyre industry. The participating users have not established their inability to pass on the increase in cost.
- (iii) The anti-dumping duty would ensure that imports enter the Indian market at fair prices and that a level playing field is maintained between the exporters and the domestic industry.
- (iv) The imposition of anti-dumping duty will not be against the larger public interest.

M. RECOMMENDATIONS

139. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties, and adequate opportunity was given to the domestic industry, exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspects of dumping, injury, causal link and the impact of the recommended measures. Having initiated and conducted the investigation into dumping, injury and causal link in terms of the provisions of the Rules, and having established a positive dumping margin and material injury to the domestic industry caused by the dumped imports, the Authority is of the view that the imposition of anti-dumping duty is required to offset the dumping and the injury. The Authority accordingly considers it necessary to recommend the imposition of anti-dumping duty on imports of the subject goods from the subject countries.

140. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and the margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, the Authority in terms of the second proviso to Rule 17(1)(b) of the Rules, recommends imposition of anti-dumping duty on the imports of the subject goods, originating in or exported from the subject country, for a period of five (5) years from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, equal to the amount indicated in Col. 7 of the duty table appended below.

DUTY TABLE

SN	Heading	Description	Country of origin	Country of export	Producer	Amount	UOM	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1	2921 44 10 and 2921 51 90 (Note 1)	4-ADPA (Note 2)	China PR	Any country including China PR	Sennics Co., Ltd. Anhui and Sennics Co., Ltd. Shandong	468	MT	US\$
2	-do-	-do-	China PR	Any country including China PR	Any producer other than serial number 1	533	MT	US\$
3	-do-	-do-	Any country other than China PR	China PR	Any producer	533	MT	US\$
4	-do-	-do-	European Union	Any country including European Union	Any producer	328	MT	US\$
5	-do-	-do-	Any country other than European Union	European Union	Any producer	328	MT	US\$

Note 1 – The customs classification mentioned above is indicative only and is not binding on the scope of the product under consideration.

Note 2 – The description of the product under consideration is "4-Aminodiphenylamine", also known as "4-ADPA" or "4-N-phenylbenzene-1,4-diamine", whether or not containing additives which do not alter its essential character as 4-Aminodiphenylamine.

141. The application of the individual duty rate specified for the producer mentioned in the above table shall be conditional upon presentation to the customs authorities of a valid commercial

invoice, on which shall appear a declaration dated and signed by an official of the entity issuing such invoice, identified by his/her name and function, drafted as follows:

“I, the undersigned, certify that the (volume) of 4-ADPA sold for export to India covered by this invoice was manufactured by (company name and address) in (country concerned). I declare that the information provided in this invoice is complete and correct.”

If no such invoice is presented, the duty applicable to all other producers shall apply. This requirement is without prejudice to the verification procedures independently undertaken by the customs authorities under the applicable customs law and regulations.”

N. FURTHER PROCEDURE

142. An appeal against the order of the Central Government arising out of these final findings shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with Section 9C of the Customs Tariff Act, 1975.

AMITABH KUMAR, Designated Authority